ऑस्ट्रिया में मोदी ने यूएनएससी में रिफॉर्म... 12

सीएम योगी ने वितरित किए नियुक्ति पत्र... 05

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्षः 15 | अंकः 267
मूल्यः ₹3.00/-
पेज : 12
गुरुवार | 11 जुलाई, 2024

सड़क हादसे में 18 की मौत

सड़क पर बिखरी लाशें देखकर पुलिसकर्मी बेहोश, बिहार से दिल्ली जा रही बस टैंकर से टकराई

जन एक्सप्रेस | उन्नाव

लखनऊ आगरा एक्सप्रेस-वे पर उन्नाव जनपद में बुधवार सुबह लगभग साढ़े पांच बजे दूध के टैंकर (यूपी 70 सीटी 3999) में बिहार से आ रही डबल डेकर बस (यूपी 95 टी 4720) की जोरदार टक्कर में 18 यात्रियों की मौके पर मौत हो गई। 30 से ज्यादा घायल हैं। इनमें कई की हालत नाजुक है। यह बस सीतामढ़ी से दिल्ली जा रही थी । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर दुख प्रकट करते हुए अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर हर संभव मदद करने के निर्देश दिए हैं। घटनास्थल पर पुलिस अधीक्षक उन्नाव, क्षेत्राधिकारी बांगरमऊ और अन्य थानों की पुलिस मौजूद है। यह हादसा बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र के गढ़ा गांव के सामने हुआ है। मृतकों में दिलशाद पुत्र अशफाक निवासी थाना मोदीपुरम जिला मेरठ, बीटू पुत्र राजेन्द्र निवासी थाना भादूर जिला शिवहर, बिहार, रजनीश पुत्र रामविलास निवासी जिला सीवान बिहार, लालबाबू दास पुत्र रामसूरज दास निवासी थाना हिरागा जिला शिवहर बिहार, रामप्रवेश कुमार, भरत भूषण कुमार पुत्र लाल बहादुर दास, बाबू दास पुत्र रामसूरज दास निवासी, मो. सद्दाम पुत्र पुत्र मो. बशीर निवासी गमरोली थाना शिवहर, बिहार शामिल हैं। नगमा पुत्री शहजाद, शबाना पत्नी शहजाद निवासी भजनपुरा दिल्ली, चांदनी पत्नी मो. शमशाद निवासी शिवोली, मुलहारी, मो. शफीक पुत्र अब्दुल बसीर, मुन्नी खातून पत्नी अब्दुल बसीक, तौफीक आलम पुत्र अब्दुल बसीर की शिनाख्त कर ली गई है। चार लोगों की समाचार लिखे जाने तक शिनाख्त नहीं हो पाई है।

प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर जारी किए

उन्नाव डीएम गौरांग राठी ने बताया- हेल्पलाइन नंबर जारी कर दिए गए हैं। घायल बांगरमऊ सीएचसी में एडमिट हैं। गंभीर घायलों को लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर किया जा रहा। हमारे पास इलाज के लिए पर्याप्त व्यवस्था है। हम जल्द से जल्द सभी आवश्यक कार्रवाई करेंगे। एसपी सिद्धार्थ शंकर मीणा ने बताया, बस की जांच की जा रही है। हादसे की वजह ओवरस्पीड बताई जा रही है। एक्सीडेंट के बाद एक्सप्रेस-वे पर जाम लग गया था। क्रेन से दोनों वाहनों को हटाया गया।

'सड़क पर लाशें ही लाशें बिखर गईं'

बस हादसे में घायल यात्री शिवम ने बताया, हादसे के वक्त बस में सभी सो रहे थे। बस की स्पीड काफी तेज थी। हम लोगों ने कई बार ड्राइवर से कहा भी था कि बस धीरे चलाइए, लेकिन वह नहीं माना। फिर अचानक बहुत तेज आवाज आई। मैं हड़बड़ा गया। देखा तो बस के शीशे टूट गए थे। लोग बाहर सड़क पर पड़े थे। हम लोग पीछे बैठे थे, इसलिए बच गए। बस सड़क पर पलट गई। हादसा इतना भयानक की था कि सड़क पर लाशें ही लाशें दिख रही थीं।

ऐसा लगा भूकंप आ गया..

बस में सवार यात्री मोहम्मद उर्स ने बताया, मैं बिहार के शिवहर का रहने वाला हूं। हादसे के वक्त सो रहा था, तभी जोरदार आवाज हुई। ऐसा लगा भूकंप आ गया। मैं बस की दूसरी साइड बैठा था। बाल-बाल बच गया। मेरे हाथ में चोट आई है। एक अन्य घायल प्रदीप ने बताया कि हम सो रहे थे। कुछ समझ नहीं पाए। जब आंख खुली तो सब सड़क पर पड़े थे। टक्कर बहुत भीषण थी। हम लोग दूसरी तरफ बैठे थे, इसलिए बच गए।

रास्ते में दो जगह रोकी बस, हमारे 6 लोगों का पता नहीं

बस हादसे में दिलशाद, साहिल दोनों सगे भाई भी घायल हैं। उन्होंने बताया कि मंगलवार दोपहर डेढ़ बजे बस बिहार के शिवहर से माता-पिता भाई-बहन समेत परिवार के 8 लोगों के साथ बस से रवाना हुए थे। बस चालक ने रास्ते में दो जगह पर बस को रोका। वह लगातार बस दौड़ाता जा रहा था। हमारे परिवार के 6 लोगों का कुछ पता नहीं चल सका है। घायल हैं या मर गए। कोई सही जानकारी नहीं दे रहा है।

'10 लोग तो बीच सड़क पर मरे पड़े थे'

हादसे के प्रत्यक्षदर्शी नरेश कुमार ने बताया, मैं खेतों की ओर जा रहा था, तभी तेज आवाज सुनाई दी। देखा तो बस और टैंकर की टक्कर हो गई। लोग बचाओ-बचाओ चिल्ला रहे थे। हादसे को देखते ही मेरी रूह कांप गई। 10 लोग तो बीच सड़क पर मरे पड़े थे। थोड़ी देर में वहां 50-60 लोग पहुंच गए। कुछ समझ ही नहीं आ रहा था कि क्या किया जाए। लाशें सड़क पर बिखरी थी, कुछ लोग तड़प रहे थे। पुलिस आई तो उनको अस्पताल भेजा गया।

'ड्राइवर से कहा था धीमे चलाओ, लेकिन नहीं माना'

हादसे में बस सवार 22 यात्री सुरक्षित हैं। कुछ को हल्की चोट आई हैं। प्रशासन इन्हें दूसरी बस से इनको घर भेजने का इंतजाम कर रहा है। पुलिस पूछताछ में उन्होंने बताया कि ड्राइवर बस को बहुत तेज चला रहा था। कई यात्रियों ने मना किया, लेकिन वह नहीं माना। रात के वक्त ज्यादातर यात्री सो गए। इसके बाद उसने स्पीड फिर से तेज कर दी। वह जल्दी से जल्दी दिल्ली पहुंचना चाहता था। पुलिस ने बताया कि बस का नंबर यूपी का है। बस ऑपरेटर का पता लगाया जा रहा है।

सीएम योगी ने अफसरों से कहा, घायलों का बेहतर इलाज हो

सीएम योगी ने घटना पर दुख जताया। उन्होंने अफसरों को सभी घायलों को इलाज कराने के निर्देश दिए। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा- हम बिहार सरकार के साथ संपर्क में हैं। जांच के बाद घटना के कारणों का पता चलेगा। अभी घायलों को बेहतर इलाज देना हमारी प्राथमिकता है। लाशें इतनी ज्यादा थी कि पुलिसकर्मी भी बेहोश हो गया।

बसों का कागजों में दर्ज पता फर्जी, होगी एफआईआर

पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि बस का कागजों में दर्ज महोबा का पता फर्जी है। दिल्ली का रहने वाला चंदन जायसवाल पहाड़गंज से बसों को संचालित कर रहा था। जांच में बस का परमिट और बीमा भी नहीं मिला है। बांगरमऊ सीओ अरविंद चौरसिया ने बताया कि बिहार के शिवहर जिले से 'नमस्ते बिहार' नामक बस चलती है। 22 सुरक्षित लोगों को अन्य बस से रवाना किया जा रहा है। डीएम ने मामले पर संज्ञान लेते हुए आरटीओ को मामले में एफआईआर के निर्देश दिए हैं। उन्नाव सीएमओ सत्यप्रकाश ने बताया कि पोस्टमॉर्टम के लिए लखनऊ बलरामपुर से 5 डॉक्टरों की टीम आई है। एक घायल को कानपुर रेफर किया गया। जबकि 5 घायलों को लखनऊ रेफर किया गया है।

उन्नाव बस हादसे में बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के एक ही परिवार के छह की मौत

उत्तर प्रदेश के उन्नाव में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर हुए बस हादसे में 18 लोगों की मौत हुई है, जिसमें बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के फेनहारा थाना क्षेत्र के एक ही परिवार के छह लोग हैं जबकि दो अन्य लोग घायल हुए हैं। घायलों की स्थिति नाजुक बताई जा रही है। सभी लोग मेरठ में मजदूरी करते थे और शिवहर से दिल्ली जाने वाली बस में मंगलवार दोपहर सवार हुए थे। मृतकों के परिजनों के मुताबिक, पहले ये लोग ट्रेन से जाने वाले थे लेकिन टिकट कन्फर्म नहीं मिलने के कारण इन लोगों ने बस पकड़ना मुनासिब समझा। बस हादसे की सूचना पर परिजन घटनास्थल की ओर रवाना हो गये हैं। पूरे फेनहारा में शोक व्याप्त है। मृतकों की पहचान इलियास (35), उसकी पत्नी कमरूनेशा (30), अशफाक (45), उसकी पत्नी मुनचुन खातून (38), इनके दो बच्चे गुलनाज (13) और सोहेल (3) के रूप में हुई है। अशफाक के दो बेटे दिलशाद और साहिल इस घटना में घायल हैं। बताया गया कि इलियास और अशफाक दोनों सगे भाई थे।

मृतकों का विवरण

1. दिलशाद पुत्र अशफाक निवासी थाना मोदीपुरम जनपद मेरठ उम्र करीब 22 वर्ष
2. बीटू पुत्र राजेन्द्र निवासी थाना भादूर जनपद शिवहर, बिहार उम्र करीब 9 वर्ष
3. रजनीश पुत्र रामविलास निवासी जनपद सीवान, बिहार
4. लालबाबू दास पुत्र रामसूरज दास निवासी थाना हिरागा जनपद शिवहर, बिहार
5. रामप्रवेश कुमार निवासी उपरोक्त
6. भरत भूषण कुमार पुत्र लाल बहादुर दास निवासी उपरोक्त
7. बाबू दास पुत्र रामसूरज दास निवासी उपरोक्त
8. मो0 सद्दाम पुत्र पुत्र मो0 बशीर निवासी गमरोली थाना शिवहर, बिहार
9. नगमा पुत्री मो0 शहजाद निवासी भजनपुरा, दिल्ली
10. शबाना पत्नी मो0 शहजाद निवासी उपरोक्त
11. चांदनी पत्नी मो0 शमशाद निवासी शिवोली, मुलहारी
12. मो0 शफीक पुत्र अब्दुल बसीर निवासी उपरोक्त
13. मुन्नी खातून पत्नी अब्दुल बसीक निवासी उपरोक्त
14. तौफीक आलम पुत्र अब्दुल बसीर निवासी उपरोक्त

हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जताया दुख

राष्ट्रपति भवन की ओर से एक्स पर एक पोस्ट में कहा गया कि उत्तर प्रदेश के उन्नाव में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर सड़क दुर्घटना में कई लोगों की मौत की खबर बेहद दुखद है। राष्ट्रपति ने इस दुखद दुर्घटना में मृतकों के परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। बयान में कहा गया कि मैं इस तरह की आकस्मिक मृत्यु के शिकार लोगों के परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

प्रधानमंत्री ने जताया दुख, मृतक आश्रित को दो लाख और घायलों को 50 हजार देने की घोषणा

उत्तर प्रदेश के उन्नाव में हुई सड़क दुर्घटना अत्यंत पीड़ादायक है। इसमें जिन लोगों ने अपनों को खोया है। उनके प्रति मेरी संवेदनाएं, ईश्वर उन्हें इस कठिन समय में संबल प्रदान करें। इसके साथ ही, मैं घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। बता दें कि प्रधानमंत्री ने मृतक आश्रित को दो लाख और घायलों को 50 हजार देने की घोषणा की है।

हादसे पर सीएम योगी ने जताया दुख

उन्नाव हादसे पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुख जताया है और अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए हैं। 'एक्स' पर सीएम ने लिखा है कि जनपद उन्नाव में सड़क दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुःखद एवं हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। जिला प्रशासन के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

हादसे पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने जताया दुख

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर हुई दुखद घटना पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने लिखा कि उन्नाव के लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर हुए दर्दनाक सड़क हादसे में 18 लोगों की मौत की खबर बेहद दुखद है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि हम पीड़ितों के शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। हम दुर्घटना में घायल हुए सभी लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। प्रशासन से अनुरोध है कि पीड़ितों की मदद में कोई कसर न छोड़े।

अयोध्या में अरबों के भूमि घोटाले हुए हैं मामले की जांच की जाए: अखिलेश यादव

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि अयोध्या में अरबों रुपये के भूमि घोटाले हुए हैं। यहां पर भू-माफियाओं ने जमीनें खरीदी हैं। उन्होंने मांग की है कि इसकी जांच की जानी चाहिए। सोशल मीडिया साइट एक्स पर उन्होंने लिखा कि जैसे-जैसे अयोध्या की जमीन के सौदों का भंडाफोड़ हो रहा है उससे ये सच सामने आ रहा है कि भाजपा राज में अयोध्या के बाहर के लोगों ने मुनाफा कमाने के लिए बड़े स्तर पर जमीन की खरीद-फरोखत की है। भाजपा सरकार द्वारा पिछले सात सालों से सर्किल रेट न बढ़ाना, स्थानीय लोगों के खिलाफ एक आर्थिक षड्यंत्र है। इसकी वजह से अरबों रुपये के भूमि घोटाले हुए हैं। यहां आस्थावानों ने नहीं बल्कि भू-माफियाओं ने जमीनें खरीदी हैं। इन सबसे अयोध्या-फैजाबाद और आसपास के क्षेत्र में रहनेवालों को इसका कोई भी लाभ नहीं मिला। गरीबों और किसानों से औने-पौने दाम पर जमीन लेना, एक तरह से जमीन हड़पना है। हम अयोध्या में तथाकथित विकास के नाम पर हुई 'धांधली' और भूमि सौदों की गहन जांच और समीक्षा की मांग करते हैं।

सीएम योगी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया हवाई सर्वे, पीड़ितों से की मुलाकात

- सीएम ने आपदा प्रभावित बच्चों, महिलाओं समेत अन्य लोगों से की मुलाकात, जाना उनका हालचाल

जन एक्सप्रेस | पीलीभीत लखीमपुर खीरी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को बाढ़ प्रभावित पीलीभीत और लखीमपुर खीरी का हवाई सर्वे किया। उन्होंने अधिकारियों से राहत कार्यों की जानकारी हासिल कर इसमें और तेजी लाने के निर्देश दिये। इसके बाद सीएम योगी ने पीलीभीत और लखीमपुर खीरी के बाढ़ प्रभावित गांवों का स्थलीय निरीक्षण भी किया। उन्होंने आपदा से प्रभावित बच्चों और महिलाओं से मुलाकात कर उनकी समस्या सुनी और तत्काल समाधान के आदेश दिये। साथ ही लोगों से खुद प्रार्थना पत्र प्राप्त किये। इसके अलावा सीएम ने बाढ़ प्रभावितों को खुद राहत सामग्री वितरित की और बाढ़ शरणालय पहुंचकर लोगों का हालचाल जाना। सीएम योगी ने बाढ़ प्रभावित जिलों के अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिये। वहीं उन्होंने नाव में बैठकर बाढ़ग्रस्त इलाकों का दौरा भी किया। साथ ही बाढ़ से ऊफनाई नदियों का जायजा भी लिया। सीएम ने निरीक्षण के दौरान दोनों जिलों में मीडिया को संबोधित करते हुए राहत कार्यों से संबंधित जानकारी साझा की। इस दौरान केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद, राज्य के मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, बलदेव सिंह औलख समेत स्थानीय विधायक आदि भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार प्रदेश के बाढ़ प्रभावित इलाकों की मॉनीटरिंग कर रहे हैं ताकि जनहानि-धनहानि को कम से कम किया जा सके। इसी के तहत सीएम योगी ने बुधवार को पीलीभीत और लखीमपुर खीरी का हवाई सर्वे किया। सीएम योगी ने सबसे पहले पीलीभीत का हवाई सर्वे किया। उन्होंने पीलीभीत की पूरनपुर, सदर और बीसलपुर तहसील के बाढ़ प्रभावित गांवों का हवाई सर्वे किया। उन्होंने अधिकारियों से बाढ़ की स्थिति की बारीकी से जानकारी हासिल की। इसके बाद सीएम योगी ने पीलीभीत के चंदिया हजारा और अध्यापुर जगतपुर का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आपदा से प्रभावित बच्चों, महिलाओं और स्थानीय लोगों से बातचीत कर उनकी समस्या सुनी।

▶ संबंधित खबर पेज 10 पर

एनडीआरएफ की नाव में बैठकर लखीमपुर खीरी में ग्राउंड जीरो पर पहुंचे सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बाढ़ प्रभावित पीलीभीत के इलाकों का दौरा करने के बाद लखीमपुर खीरी पहुंचे। इससे पहले सीएम ने लखीमपुर खीरी का हवाई सर्वे किया। सीएम योगी करीब साढ़े तीन बजे लखीमपुर खीरी के शारदा नगर पहुंचे। यहां पर उन्होंने शारदा नदी पर बने बैराज से नदी के ऊफान को देखा। साथ ही अधिकारियों से जानकारी हासिल की। इसके बाद सीएम योगी शारदा नगर के बाढ़ कैंप पहुंचे। इस दौरान उन्होंने आपदा प्रभावित लोगों को राहत साग्रमी किट बांटी। साथ ही उनका हालचाल जाना। इसके बाद सीएम योगी ने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में सीएम योगी ने अधिकारियों को समय से राहत किट बांटने, जनहानि-धनहानि का सर्वे कराकर तत्काल सहायता राशि देने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सरकार के पास पैसे की कमी नहीं है। ऐसे में आपदा प्रभावितों की मदद में कोई कमी नहीं होनी चाहिये। वह बोले अगर कोई समस्या आए तो उन्हे तत्काल अवगत कराया जाए। सीएम योगी ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के 12 जनपद बाढ़ से प्रभावित हैं, जहां पर युद्धस्तर पर राहत कार्य चल रहे हैं। बाढ़ से निपटने के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पीएसी, एसएसबी की फ्लड यूनिट के साथ स्थानीय गोताखोरों को भी लगाया गया है। इसी का परिणाम है कि बड़ी आबादी को सुरक्षित निकाला गया है। लखीमपुर खीरी में 38 बाढ़ चौकियां स्थापित की गयी हैं। इसके बाद सीएम योगी ने ग्राम सभा सोरिया के मजरा महादेव में ग्राउंड जीरो पर जाकर स्थिति का जायजा लिया। यहां पर सीएम योगी ने एनडीआरएफ की नाव में बैठकर बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। साथ ही अधिकारियों से विभिन्न जानकारी हासिल की।

कानपुर एक्सप्रेस

कानपुर और उन्नाव

की खबरों को पढ़ने के लिए देखें पेज 3और11

जन एक्सप्रेस फाइटर जी कहिन को इस Qr-code के माध्यम से सर्च करें

रिपोर्ट यूजीसी ने छात्रों और अभिभावकों की शिकायतों के बाद फीस रिफंड को लेकर नई पॉलिसी बनायी है

छात्र की फीस नहीं लौटाई, तो रद्द हो सकती है कॉलेज की मान्यता

- फीस रिफंड पॉलिसी 2024 को पहले की पॉलिसी के मुकाबले काफी सख्त बनाया गया है
- कॉलेज का अनुदान रोकने से लेकर डिफॉल्टर लिस्ट में डालने तक का प्रावधान तक रखा गया है

जन एक्सप्रेस | डॉ. वैभव शर्मा

लखनऊ। अब कॉलेजों की मनमानी नहीं चलेगी। अगर एडमिशन लेने के बाद तय समय सीमा में स्टूडेंट या उसके माता-पिता फीस वापस मांगते हैं तो कॉलेज को फीस लौटानी होगी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने छात्रों और अभिभावकों की शिकायतों के बाद फीस रिफंड को लेकर नई पॉलिसी बनायी है। फीस रिफंड पॉलिसी 2024 को पहले की पॉलिसी के मुकाबले काफी सख्त बनाया गया है। जानकारी के मुताबिक अगर समय रहते किसी भी छात्र की फीस कॉलेज के द्वारा नहीं लौटाई गई, तो अब संबंधित कॉलेज की मान्यता तक रद्द हो सकती है। इसके साथ ही, उस कॉलेज का अनुदान रोकने से लेकर डिफॉल्टर लिस्ट में डालने तक का प्रावधान तक रखा गया है।

छात्र या अभिभावकों को भी नियमों के दायरे में आवेदन करना होगा

नोटिस के मुताबिक इसके लिए छात्र या अभिभावकों को भी नियमों के दायरे में आवेदन करना होगा। मसलन फीस वापसी के लिए एक निश्चित समय सीमा होती है। ऐसे में इस समय सीमा के भीतर ही छात्र अथवा अभिभावक को आवेदन करना होगा, जिससे कि समय रहते उनकी रकम की वापसी हो सके।

शिकायतकर्ता छात्रों और अभिभावकों की संख्या लगातार बढ़ती ही जा रही थी

यूजीसी को कई छात्रों और अभिभावकों से इस बात कि शिकायत मिली थी कि एजेकुशन सिस्टम में कई बार ऐसा पाया गया है कि खास कारणों में अगर कोई छात्र संस्थान से अपना नाम वापस ले लेता है, तो उसे नियमों के दायरे के मुताबिक कालेज से फीस वापस नहीं हो रहे हैं। ऐसे शिकायतकर्ता छात्रों और अभिभावकों की संख्या लगातार बढ़ती ही जा रही थी।

दाखिले के 30 दिन बीतने के बाद कोई फीस वापस नहीं होगी

नोटिस में कहा गया है कि दाखिला प्रवेश की अंतिम तिथि अधिसूचित होने से 15 दिन या इससे पहले सीट छोड़ने पर 100 फीसदी फीस वापस होगी। इसके साथ ही, दाखिला प्रवेश की अंतिम तिथि अधिसूचित होने से 15 दिन से कम पर 90 फीसदी फीस वापस होगी। दाखिला प्रवेश की अंतिम तिथि अधिसूचित होने के बाद के 15 दिन पर 80 फीसदी वापस होगी। 15 से 30 दिन के बीच में 50 फीसदी वापस मिलेगी। दाखिले के एक महीने या 30 दिन बीतने के बाद कोई फीस वापस नहीं होगी।

नियम इंजीनियरिंग, मेडिकल समेत अन्य कॉलेजों पर भी लागू होगा

केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय में सचिव मनीष जोशी ने इस बाबत एक नोटिस जारी किया है। इस नोटिस में उन नियमों और कायदे कानून का हवाला दिया गया है, जिसके तहत फीस नहीं लौटाने की स्थिति में कॉलेज की मान्यता रद्द करने का जिक्र है। ये नियम इंजीनियरिंग, मेडिकल समेत अन्य कॉलेजों पर भी लागू होगा।

सख्त फ्रेम वर्क तैयार किया है

यूजीसी ने कॉलेज प्रशासन पर फीस नहीं लौटाने की स्थिति में सख्त फ्रेम वर्क तैयार किया है। इसमें ऑनलाइन और ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग पाठ्यक्रमों की पढ़ाई करवाने की मंजूरी वापस लेने, स्वायत्त संस्थान का दर्जा वापस लेने से लेकर उनका नाम डिफाल्टर सूची में डालकर सार्वजनिक करने तक का प्रावधान है।

दिव्यांग प्रमाण पत्र के लिए होगा मेडिकल कैम्प का आयोजन

जन एक्सप्रेस। चित्रकूट

जिला बेसिक शिक्षाधिकारी बी के शर्मा ने बताया कि राज्य परियोजना कार्यालय उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा प्रदत्त निर्देशों के अनुपालन में विशिष्ट आवश्यकता वाले दिव्यांग बच्चों का दिव्यांगता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने के लिये इस वर्ष जनपद में 10 मेडिकल एसेसमेण्ट कैम्प आयोजित किये जायेगे। जिसमें मऊ ब्लाक के दिव्यांग बच्चों के लिए 12 जुलाई को उच्च प्राथमिक विद्यालय बरगढ एवं 16 जुलाई की तहसील सभागार मऊ में, रामनगर ब्लाक के बच्चों के लिए 18 जुलाई को कम्पोजिट विद्यालय राजापुर एवं 19 जुलाई को बीआरसी रामनगर में, पहाडी ब्लाक के बच्चों का 23 जुलाई को सरधुवा इण्टर कॉलिज पहाडी एवं 25 जुलाई को बीआरसी पहाडी में मानिकपुर ब्लाक के बच्चों का 27 जुलाई को कम्पोजिट विद्यालय मारकुण्डी एवं 30 जुलाई को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मानिकपुर में, चित्रकूट ब्लाक के बच्चों का 2 अगस्त को उच्च प्राथमिक विद्यालय भरतकूप तथा 6 अगस्त को यूईआरसी कर्वी में मेडिकल एसेसमेण्ट कैम्प का आयोजन किया जायेगा।

विधायक व डीएम ने नवनियुक्त लेखपालों को वितरित किए नियुक्ति पत्र

जन एक्सप्रेस। चित्रकूट

मिशन रोजगार के अंतर्गत उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत प्रदेश के 7720 लेखपालों का नियुक्ति पत्र वितरण मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार योगी आदित्यनाथ द्वारा लखनऊ से लाइव प्रसारण किया गया। इसी क्रम में जनपद में मानिकपुर विधायक अविनाश चंद्र द्विवेदी, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी एन, भाजपा जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष पंकज अग्रवाल की उपस्थिति में जनपद के 89 नवनियुक्त लेखपालों का वितरण कार्यक्रम जिला कलेक्टरेट सभागार में हुई।

मानिकपुर विधायक ने कहा कि आप लोग मेहनत कर नियुक्त पत्र प्राप्त कर रहे हैं। आप लोग जिलाधिकारी के निर्देशन में कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि जनता की तरफ से कोई शिकायत नहीं आनी चाहिए। आप लोग फील्ड में मनोयोग से कार्य करें।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में लेखपालों की कमी से राजस्व कार्यों में बाधा आ रही थी, जिससे कि कार्यों में प्रगति बढेगी। उन्होंने कहा कि आप लोग जितना अच्छी तरह से टेक्निकल कार्य समझेंगे उतना ही सफल होंगे। साथ ही जमीन की समस्याओं का निस्तारण कराएंगे। उन्होंने कहा कि कोई लेखपाल गलत कर देता है, उससे दूसरों का कार्य खराब होता है। जिससे गांव में वैमनस्य होता है। आप लोगों का फिल्ड में महत्वपूर्ण भूमिका होती है, विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्र तहसील स्तर से दिए जाते हैं, जिसमें लेखपाल की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि आप लोग फील्ड में रहेंगे तो बहुत से लोग लालच देंगे, लेकिन अपने पथ से न हटे और आगे कार्य करते रहें। फील्ड में समाज व लोगों की मदद करें। उन्होंने कहा कि आप लोग की रिपोर्ट कमीशनरी, हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट तक जाती है। इसलिए पारदर्शी के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि आप लोग राजस्व की रीड होते हैं जो सरकार की योजनाएं हैं आप उनको निचले स्तर तक ले जाएं। भाजपा जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी ने कहा कि आप लोगों ने बेरोजगारी को देखा है, उन चीजों को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र में कार्य करें। उन्होंने कहा कि यह भगवान रामचंद्र की तपोस्थली है। आपको यह मौका मिला है कि जनता की समस्या का निदान कराएं। नव नियुक्त लेखपालों में तहसील कर्वी से जय सिंह, शिवम सिंह, अंजली दुबे, नेहा शुक्ला, अंकित कुमार, शिप्रा करवरिया, उदय प्रताप सिंह, मानवेंद्र सिंह, संदीप सिंह, अमित कुमार पटेल, रोहित सिंह, अंकित त्रिपाठी, रामजी, राज बाबू, संदीप सिंह, सुनील वर्मा, नरेंद्र कुमार, तहसील मऊ से आदर्श कुमार, मोहित कुमार, संदीप अग्रहरि, कमलेश, तहसील राजापुर से मनोज कुमार, कुलदीप सिंह, अभय सिंह, धर्मेंद्र कुमार, विनय कुमार, विवेक पांडेय, तहसील मानिकपुर से राहुल सिंह, हनुमान सिंह, देव शरण, विनोद कुमार, आकृति सिंह, मोहित यादव, शिव बाबू ऋषभ शर्मा आदि लेखपालों का नियुक्ति पत्र वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चन्द्र निगम ने किया।

फास्ट फॉरवर्ड

20 नवीन लेखपालों की कालपी तहसील में हुई तैनाती- तहसीलदार

जन एक्सप्रेस/कालपी। लंबे अर्से से कालपी तहसील क्षेत्र में लेखपालों की चल रही कमी की समस्या अब समाप्त होने जा रही है। शासन के द्वारा चयनित नवीन 20 लेखपालों ने कालपी में अपनी तैनाती दी है। तहसीलदार अभिनव कुमार तिवारी ने बताया कि नवीन लेखपालों को जल्द ही संबंधित ग्रामों के क्षेत्र का आवंटन कर दिया जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार कालपी तहसील में 242 ग्राम है, जिनमें अभी तक 42 लेखपालों की तैनाती थी। लेखपालों की कमी होने की वजह से एक-एक लेखपाल को कई-कई ग्रामों का कार्य क्षेत्र की जिम्मेदारी देकर कार्य कराया जा रहा था। इस वजह से राजस्व सम्बंधित कार्य प्रभावित होते थे। बताते है कि आयोग से चयनित नवीन 99 लेखपालों को जनपद जालौन भेज गया है। जिसमे 20 लेखपालों को कालपी तहसील में तैनाती मिली हैं। तहसीलदार ने बताया कि 20 नवीन लेखपालों ने अपनी अपनी ज्वाइनिंग करा ली हैं।

एसडीएम ने चमारी गौशाला का किया निरीक्षण, कीचड़ मिलने पर जिम्मेदारों को दिए निर्देश

जन एक्सप्रेस/कालपी। उपजिलाधिकारी सुशील कुमार सिंह ने चमारी गांव की गौशाला का औचक निरीक्षण। इस दौरान परिसर में बरसाती पानी के कीचड़ देखकर स्वच्छता बनाये रखने के निर्देश दिए। जिला प्रशासन के निर्देशन पर उपजिलाधिकारी औचक ढंग से चमारी गौशाला पहुंचे। जहां उन्होंने गौशाला में स्थापित सीसीटीवी कैमरो का निरीक्षण किया। इस दौरान गौशाला के भूसे, हरे चारा, दाना के स्टॉक व रखरखाव देखा। परिसर में मौजूद गायों की गणना कर अभिलेखों से मिलान किया। गौशाला में पानी तथा प्रकाश व्यवस्था का भी जायजा लिया। गायों के संरक्षण छाया आदि व्यवस्था को परखा। परिसर के कई स्थानों में बरसाती पानी के कीचड़ की समस्या को देखते हुए उन्होंने इ्यूटी में मौजूद कर्मियों को निर्देश दिए कि परिसर में सफाई व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाए। बरसात के मौसम को देखते हुए गायों के लिये छाया की बेहतरीन इंतजाम रखे जायें। उन्होंने कहा कि सभी गौशालाओं का निरीक्षण किया जाएगा। इस दौरान गौशाला के प्रबंधक तथा ग्राम प्रधान के अलावा कर्मचारी मौजूद रहे।

बाइक खड़ी करने को लेकर युवती को छत से फेंका, गंभीर रूप से घायल

जन एक्सप्रेस/उरई। शहर के मोहल्ला लहरियापुरवा डूडा कालोनी में बाइक खड़ी करने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। जिसमें एक पक्ष ने दूसरे पक्ष की पुत्री को छत से फेंक दिया। जिससे वह घायल हो गई। घायल अवस्था में उसे मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। जहां से उसे मेडिकल कालेज झांसी रेफर कर दिया गया है। शहर के मोहल्ला लहरियापुरवा में मंगलवार की देर रात डूडा कालोनी में बाइक खड़ी करने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। जिसमें चंद्रभान की पुत्री मुस्कान को दूसरे पक्ष के मुनव्वर ने छत से फेंक दिया। विवाद की सूचना चंद्रभान ने तुरंत पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर चंद्रभान की पुत्री मुस्कान को गंभीर हालत में मेडिकल कालेज में भर्ती कराया। जहां से उसे मेडिकल कालेज झांसी रेफर किया गया है। शहर कोतवाल अजय ब्रह्म तिवारी ने बताया कि बाइक खड़ी करने को लेकर विवाद हुआ था। जिसमें चंद्रभान की पुत्री को छत से फेंका गया है। पूरे मामले की जांच की जा रही है।

चोरों ने चटकाए मकान के ताले, सोने चांदी के आभूषण व नगदी लेकर हुए फरार

जन एक्सप्रेस/कालपी। कदौरा थाना क्षेत्र के ग्राम बबीना में चोरों ने एक मकान के ताले चटका दिए। जहां चोर करीब तीन लाख रुपए के कीमती आभूषण व लाखों रुपए की नगदी समेटकर रफूचक्कर हो गए। कदौरा थाना क्षेत्र के ग्राम बबीना निवासी बलबीर कुशवाहा पुत्र मातादीन के यहां बीती दो जुलाई को उसकी पुत्री पिंकी की शादी अमरूख झांसी हुई थी। 8 जुलाई को वह उसकी चौथी की विदा करवा कर पिंकी को घर लेकर आया था। बताया गया है कि पिता बलबीर बीते दिन पड़ोस की शादी में बारात गया था। तभी चोरों ने उसके घर में सेंध लगा दी और कमरे का ताला तोड़कर उसमें रखी एक सोने की मनचली, तीन अंगूठियां, चार कंगन, एक हाफ पेटी और गृहस्वामिनी की आधा किलो चांदी व व्यवहार में आये 98 हजार रुपये पर हांथ साफ कर दिया। जब सुबह वह बारात से लौटकर घर पंहुचा, तो उसने देखा कि घर का सामान बिखरा पड़ा हुआ था। और कमरे का ताला टूटा हुआ है। यह देखकर उसके होश उड़ गए। पीड़ित ने बताया कि चोर उसके घर से करीब ढाई से तीन लाख रुपये का जेवर व एक लाख की नगदी चोरी कर ले गए हैं।

वाहन को ओवरटेक करते मोटरसाइकिल सवार गिरा, बाइक सवार की मौत

जन एक्सप्रेस/जालौन। माधौगढ़ कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सिरसा दोगढ़ी निवासी मनीष कुमार वर्मा (26) पुत्र स्व. उमाचरण वर्मा गांव में ही परचून की दुकान किए था। परचून की दुकान पर ही वह सब्जी भी बेचता था। दुकान पर आलू खत्म होने पर वह बुधवार की सुबह वह बाइक से जालौन स्थित थोक सब्जी मंडी से आलू खरीदने के लिए आया था। आलू खरीदकर उसने बोरा बाइक पर पीछे बांध लिया और गांव जाने लगा। जैसे ही वह बंगरा मार्ग पर छहपुला के पास पहुंचा। तभी उसने आगे चल रहे किसी वाहन को ओवरटेक करने का प्रयास किया। ओवरटेक करते हुए बाइक के पीछे बंधा आलू का बोरा वाहन में फंस गया। जिससे उसकी बाइक असंतुलित हो गई और वह बाइक समेत सड़क पर गिर गया। हैलमेट न पहने होने की वजह से उसके सिर में गंभीर चोटें आई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। एंबुलेंस से उसे अस्पताल पहुंचाने पर डॉक्टरों ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर एसएसआई शीलवंत सिंह मौके पर पहुंच गए और पत्नी कुसमा देवी को सूचना देकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतक की लगभग डेढ़ वर्ष पूर्व शादी हुई थी उसके एक छह माह का बच्चा भी है तथा परिवार में और कोई नहीं है।

तमंचा व कारतूस के साथ आरोपी गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस/चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर अपराध पर अंकुश लगाने के लिए अपराधियों के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही के क्रम में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कर्वी उपेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि उप निरीक्षक मेवालाल मौर्य चैकी सीतापुर तथा आरक्षी लल्लू प्रसाद, रविशंकर द्वारा भुक्कू उर्फ भिक्कू निवासी मलकाना डिलौरा को एक तमंचा व कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया। आरोपी के विरुद्ध थाना कोतवाली कर्वी में आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया।

जिलाधिकारी ने संचारी रोग नियंत्रण के लिए ली ग्राम प्रधानों की बैठक

जन एक्सप्रेस। चित्रकूट

जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी एन की अध्यक्षता में बुधवार को संचारी रोग नियंत्रण अभियान के सफल संचालन के सम्बन्ध में अंतर्विभागीय ब्लॉक स्तरीय बैठक ग्राम प्रधानों के साथ विकास खंड चित्रकूट धाम कर्वी के तहसील सभागार में हुई।

जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधानों से कहा कि संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत ब्लॉक स्तर पर बैठक करके जागरूक किया जा रहा है कि गांव के हर बच्चे के बारे में सतर्कता को बरतेंगे तो कोई भी बच्चा बीमार नहीं होगा और उज्जवल भविष्य रहेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को लेकर कार्यक्रम निर्धारित किए हैं। जनपद में दवाओं की कमी नहीं है। प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों से संपर्क करके प्राप्त करें। एंटी लारवा पर्याप्त मात्रा में है, गांव में अभियान चलाकर छिडकाव करें। गांव को साफ स्वच्छ रखें, स्कूलों में भी शिक्षा विभाग की तरफ से बच्चों को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नालियों की साफ सफाई, झाडियों की कटाई, जल भराव न होने दे, साफ पानी में भी डेंगू मच्छर पनपता है, गांव में लोगों को जागरूक करें कि जो कूलर आदि में पानी को बदलते रहे। साथ ही कोई समस्या हो तो अवगत कराए, उसका निस्तारण किया जाएगा। गांव में फागिंग मशीन से गांव में प्रत्येक दिन शाम को फागिंग अवश्य कराएं।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ भूपेश द्विवेदी ने ग्राम प्रधानों से कहा कि प्रत्येक वर्ष शासन के निर्देश पर वर्ष में तीन बार संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम मनाया जाता है। मुख्यमंत्री का प्राथमिकता का कार्यक्रम गांव को सुंदर व आदर्श गांव बनाए ताकि कोई बीमारी न रहे। ग्राम प्रधान गांव को साफ सुंदर रखकर गांव की जनता को स्वस्थ रखें। उन्होंने कहा कि दस्तक अभियान भी चलाया जा रहा है। इसमें एएनएम, आशा घर-घर जाकर ओआरएस घोल आदि दवा उपलब्ध कराएंगी ताकि गांव का कोई भी व्यक्ति बीमार न हो। इस उद्देश्य के साथ आप लोग कार्य करें। डीसी मनरेगा, खंड विकास अधिकारी धर्मजीत सिंह ने कहा कि विकासखंड चित्रकूट धाम कर्वी में 92 ग्राम पंचायतें हैं। जिसमें 60 ग्राम पंचायतों में अभी तक सफाई कर्मियों की टीम बनाकर सफाई कार्य कराया गया है। साथ ही दवाओं का छिडकाव किया गया है। उन्होंने बताया कि फागिंग मशीन सभी गांव में उपलब्ध है, एंटी लार्वा का भी वितरण किया गया है। तीन ग्राम पंचायत जिसमें शिवरामपुर, चकला राजरानी, पुरवा तरौंहा एवं नगर पालिका परिषद कर्वी के कुछ वार्डों पर गत वर्ष में बीमारियां हुई थी, उनके ग्राम प्रधानों व अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद कर्वी से कहा कि वहां पर अत्यधिक फोकस करके अधिक से अधिक दवाओं का छिडकाव आदि कराया जाए।

पॉलिटेक्निक में काउंसलिंग 12 से

जन एक्सप्रेस। चित्रकूट

पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा 2024 के परिणाम घोषित हो गए हैं। प्रथम चरण की ऑनलाइन काउंसलिंग में 12 से 14 जुलाई तक विकल्प भरे जाएंगे। सीट अलॉटमेंट 15 जुलाई को होगा। उसके बाद जिन अभ्यर्थियों को सीट आवंटित होगी, उन्हें अपने लॉगिन से तीन हजार रुपए सीट एक्सेप्टेंस फीस जमा कर सीट एलॉटमेंट लेटर प्रिंट करना होगा। इसके बाद जनपद में किसी राजकीय अथवा अनुदानित पॉलिटेक्निक में बने सहायता केन्द्र पर अपने सभी मूल शैक्षिक और आरक्षण सम्बन्धी अभिलेख ले जाकर डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन 16 से 19 जुलाई के मध्य करना होगा। डॉक्यूमेंट के सत्यापन के बाद बची हुई शुल्क अपने लॉगिन से छात्र पुनः जमा करेंगे और ऑनलाइन ही प्रोविजनल एडमिशन लेटर प्राप्त कर लेंगे। उसके बाद प्रोविजनल एडमिशन लेटर तथा सभी शैक्षिक अभिलेख, टीसी, चरित्र प्रमाण पत्र, नवीनतम आय और जाति प्रमाण पत्र लेकर छात्र जिस संस्था में प्रवेश हुआ है, वहां जाकर प्रवेश की कार्रवाई पूर्ण करेंगे।

जनसुनवाई पोर्टल में समस्या निस्तारण पर चित्रकूट ने हासिल किया पहला स्थान

जन एक्सप्रेस। चित्रकूट

जनसुनवाई पोर्टल पर जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए रिपोर्ट की समीक्षा शासन स्तर पर प्रतिदिन की जाती है। माह जून 2024 में जनसुनवाई पोर्टल पर प्राप्त संदर्भों एवं उनके गुणवत्तापूर्वक निस्तारण के सम्बन्ध में की गयी समीक्षा में जनपद पुलिस को उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में से प्रथम स्थान प्रदान किया गया है। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक चक्रपाणि त्रिपाठी नोडल अधिकारी आईजीआरएस एवं निरीक्षक प्रदीप कुमार यादव प्रभारी आईजीआरएस द्वारा उच्चाधिकारियों से प्राप्त आदेशों-निर्देशों का पालन कराते हुये माह जून में मुख्यमंत्री संदर्भ, जिलाधिकारी, जनसेवा संपूर्ण समाधान दिवस, थाना दिवस में जनपद पुलिस द्वारा सभी संदर्भों का समय से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया गया। आईजीआरएस शाखा में नियुक्त आरक्षी मानवेन्द्र सिंह एवं महिला आरक्षी अनीशा बानो, मीरा यादव तथा जनपद के समस्त थानों, क्षेत्राधिकारी कार्यालयों में आईजीआरएस पोर्टल का कार्य देख रहे पुलिस कर्मियों ने सभी संदर्भों की ऑनलाइन फीडिंग की। साथ ही प्राप्त संदर्भों के निस्तारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी, जिस कारण से जनपद को जनसुनवाई के मामलों में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। सभी संदर्भों की ऑनलाईन फीडिंग एवं प्राप्त संदर्भों के निस्तारण में जनपद के सभी 12 थानों में से 10 थानों को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। प्राप्त संदर्भों में असंतुष्ट फीडबैक का प्रतिशत मात्र 0.23 प्रतिशत है।

थानाध्यक्ष के खिलाफ जारी हुआ गैर जमानती वारंट

जन एक्सप्रेस। भरुआ सुमेरपुर (हमीरपुर)

फर्रुखाबाद में हत्या के एक मामले में गवाह रहे सुमेरपुर थानाध्यक्ष को अपर जिला सत्र न्यायाधीश ने गैर जमानती वारंट जारी करके पुलिस अधीक्षक हमीरपुर को तामील करने के निर्देश दिए हैं। इससे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। सुमेरपुर थानाध्यक्ष राकेश कुमार कई वर्ष पूर्व फर्रुखाबाद जिले के कमालगंज थाने में तैनात थे। तैनाती के दौरान हत्या के मुकदमे में राज्य बनाम रामसेवक में यह गवाह है। मुकदमा अधिक पुराना होने के कारण उच्च न्यायालय ने अतिशीघ्र निस्तारण के आदेश दिए हैं। लेकिन दरोगा के हाजिर नहीं होने के कारण मुकदमे का निस्तारण नहीं हो पा रहा है। फर्रुखाबाद के अपर जिला सत्र न्यायाधीश विष्णुचंद्र वैश्य ने पुलिस अधीक्षक हमीरपुर को भेजें गैर जमानती वारंट में निर्देशित किया है कि वह गैर जमानती वारंट एवं धारा 350 का नोटिस स्वतः तामील कराएं और 18 जुलाई को न्यायालय में हाजिर कराएं। थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि चुनावी व्यस्तता के कारण मैं तारीखो में नहीं जा सका हूं। आगामी 18 जुलाई को अदालत में पहुंचकर अपना बयान दर्ज कराऊंगा।

सड़क हादसे में घायल हुए युवक को इलाज के लिए ले जाते समय रास्ते में हुई मौत

जन एक्सप्रेस/कालपी। नगर के मोहल्ला इंदिरा नगर निवासी करन दिवेदी 36 वर्ष मंगलवार की देर रात जोल्हुपुर मोड से अपने घर बाइक से लौट रहा था। तभी जब वह बाइक से आ रहा था। तभी अचानक अन्ना गोवंश सडक पर आ गया और उसकी बाइक गोवंश से भिड गई और वह सडक पर बाइक सहित गिर गया और घायल हो गया। राहगीरों ने उसके घरवालों को सूचना दी। जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। जहां से उसे झांसी रिफर कर दिया गया। लेकिन प्राथमिक उपचार के बाद उसे कालपी घर वापस ले आए और बुधवार की सुबह उसे जब झांसी ले जा रहे थे। तभी रास्ते में उसकी मौत हो गई। जिससे उसके घर पर मातम छा गया। करन की शादी हो गई थी। उसके पुत्र देवा 15 वर्ष व पुत्री 9 वर्ष की है वही करन सबसे छोटा था। उसके दो बडे भाई संजय, विजय बाहर रहते है। करन की मौत से मोहल्ले में भी मातम छा गया।

प्राइवेट अस्पताल बालाजी हॉस्पिटल के झोलाछाप डॉक्टर ने ली प्रसूता की जान

जन एक्सप्रेस। उरई

माधौगढ़ कस्बे में स्थित प्राइवेट अस्पताल के झोलाछाप डॉक्टर की लापरवाही के कारण प्रसव के दौरान जच्चा बच्चा की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा काटते हुए अस्पताल गेट के बाहर सड़क पर शव रखकर जाम लगा दिया। खबर मिलते ही मौके पर पहुंचे एसडीएम व सीओ ने आक्रोशित परिजनों को समझा बुझाकर जाम खुलवाया। माधौगढ़ कस्बे में चितौरा रोड़ स्थित बालाजी क्लीनिक अस्पताल में प्रसूती ऊषा 30 वर्ष पत्नी विक्रम उर्फ़ मुन्नू 3 दिनों से उपचार ले रही थी। मृतक ऊषा के परिजनों ने आरोप लगाते हुए बताया कि अस्पताल के डॉक्टर मोटी रकम ऐठने के लिए खून की बोतल व अन्य बोतलें लगा रहे थे। इस बीच प्रसूती की हालत बिगड़ रही थी, लेकिन फिर भी न मानते हुए डाक्टर उपचार करते रहे। जब हालत पूरी तरह बिगड़ गयी तो उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। जहां पर प्रसूता की हालत में सुधार नहीं हुआ और उसने दम तोड़ दिया। महिला की मौत से आक्रोशित परिजनों ने माधौगढ़ सामुदायिक स्वास्थ केंद्र पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। बताया कि हम लोग पहले उसे सीएचसी माधौगढ़ ले गये थे। लेकिन उन्होंने मरीज की हालत खराब बताते हुए बालाजी अस्पताल भेज दिया था। जहां महिला से मोटी रकम ऐठने के लिए ही उपचार दिया जा रहा था।

चुनाव जीतने के बाद पहली बार पहुंचे सरीला में सांसद का जोरदार स्वागत

जन एक्सप्रेस। सरीला (हमीरपुर)

चुनाव जीतने के बाद सरीला प्रथम आगमन पर नवनिर्वाचित सांसद अजेन्द्र सिंह राजपूत का इंडिया गठबंधन के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया। नवनिर्वाचित सांसद ने कस्बे में आयोजित सभा को संबोधित किया, जहां सपा की महिला सभा की जिलाध्यक्ष नीलम यादव के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ताओं ने फूल माला पहनाकर स्वागत किया और मुंह मीठा कर जीत की बधाई दी। जिस पर नवनिर्वाचित सांसद ने इंडिया गठबंधन के सभी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का आभार प्रकट किया और हमेशा जनता के हर सुख दुःख में खड़े रहने का वादा किया। इस मौके पर पुष्पेन्द्र यादव ममना, विधानसभा प्रत्याशी चन्द्रवती वर्मा, शिक्षक सभा के जिलाध्यक्ष शिव सिंह यादव, महिला सभा की जिलाध्यक्ष नीलम यादव, विधानसभा अध्यक्ष गोकुल राजपूत, जिला सचिव लाखन सिंह यादव, राजेश राजपूत, वरिष्ठ नेता नत्थू अहिरवार, पवन श्रीवास, बृजेन्द्र यादव, सुदामा विश्वकर्मा, शमीम खां, अरुण राजपूत सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मझगवा पुलिस ने 6 जुआरियों कर भेजा जेल

जन एक्सप्रेस/राठ(हमीरपुर)। पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद में चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण एवं अपराधियो के विरुद्ध अभियान के क्रम में जुआ खेलते 6 जुआरियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जुआरियों में एमपी जिला छतरपुर के तोरिया मोहल्ला निवासी वीरेंद्र कुमार, राठ के पठानपुरा मोहल्ला निवासी हरिश्चंद्र, राठ कोतवाली क्षेत्र के पहाड़ीगढ़ी बसेला निवासी चंद्रकरन, राठ के पठानपुरा मोहल्ला निवासी उमेश अनुरागी, महोबा जिला के अकोनी निवासी देवीदीन, राठ क्षेत्र के पहाड़ीगढ़ी बसेला निवासी शीतेंद्र राजपूत को जुआ खेलते हुए गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध जुआ अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से कुल 25,800 रुपए, 52 ताश के पत्ते, 3 मोबाइल, 6 अदद मोटरसाइकिल बरामद किए हैं।

करोड़ों रुपए की लागत से राठ उरई राज्य राजमार्ग ध्वस्त

जन एक्सप्रेस। सरीला (हमीरपुर)

सरकार द्वारा करोड़ों रुपए की लागत से निर्मित पनवाड़ी - बिलरायां राज्य राजमार्ग लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की उदासीनता और सड़क निर्माण में हुए मानकविहीन निर्माण में जिम्मेदारों द्वारा किए गए भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुका है। बारिश की शुरूवात में चंद बूंदे पड़ते ही राठ से चिकासी पुल तक कई जगह गहरे और यातायात में जानलेवा रूप ले चुके बड़े बड़े गढढे हो चुके है। और स्थानीय जनप्रतिनिधि और विभाग इसको गंभीरता से न लेकर मूकदर्शक बनकर इस जर्जर हो चुके मार्ग पर किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहे है। एक तरफ जहां लोक निर्माण विभाग के जिम्मेदार अधिकारी ओवरलोड परिवहन को सड़क की दुर्गति का कारण मानते है वहीं उखड़ चुकी सड़क और गढढे अपनी घटिया गुणवत्ता प्रयोग की दास्तान खुद मौके पर और तस्वीरों में बयां कर रही है। सरकार द्वारा समय समय पर सरकारी निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार करने वाले जिम्मेदारों पर ज़ीरो टॉलरेंस पॉलिसी अपनाकर लगातार कार्यवाही की जाती है लेकिन जिम्मेदार विभागीय अधिकारी और ठेकेदारो की मिलीभगत कर सरकारी निर्माण कार्यों में मानक विहीन कार्य कराते है। तब यदा कदा ऐसी तस्वीरें आती है। करोड़ों रुपए की लागत से निर्मित सड़क राठ और चिकासी पुल के मध्य कई जगह धंसकर जर्जर हो चुकी है और बड़े गढढ़ो ने इस सड़क पर यातायात को जानलेवा बना रखा है। इस फोर लेन सड़क में जगह जगह हो चुके गढढो में बारिश की शुरुवात होते ही पानी भर चुका है। सड़क में हो चुके अनगिनत गढढे और इस जर्जर हो चुके मार्ग की जानकारी होने के बाद भी विभाग किसी बड़ी अनहोनी के इंतजार में है। अपना दल (एस) से जिलाध्यक्ष महेंद्र राजपूत ने मुख्यमंत्री सहित लोक निर्माण विभाग के शासन में बैठे आला अधिकारियों को पत्र भेजकर बताया कि राठ से चिकासी तक बहुत बड़े बड़े गढढे हो गए है। सौ करोड़ रुपए की लागत से बनी यह सड़क एक बर्ष पूर्व तैयार की गई थी। ठेकेदार व लोक निर्माण विभाग के जिम्मेदारों की मिलीभगत से यह सड़क मानक विहीन निर्माण के कारण अपनी दुर्गति को प्राप्त हो चुकी है। जनमानस और राहगीरों का निकलना दूभर हो गया है। उन्होंने शिकायती पत्र भेजकर मुख्यमंत्री और जिम्मेदार लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से अपने समयकाल का एक वर्ष ही पूर्ण करके ध्वस्त हो चुकी इस सड़क निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग करने वाले ठेकेदार और जर्जर हो चुकी सड़क की गुणवत्ता की जांच शासन स्तर से कराए जाने की मांग की है। मामले में अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग हमीरपुर से बात की गई तो उन्होंने कहा कि ओवरलोड परिवहन के चलते सड़क जर्जर हुई है उनके संज्ञान में अभी हुए बड़े गढढो की जानकारी नहीं है टीम को भेजकर जांच कराते है।

janexpressnews janexpresslive janexpresslive

कानपुर नगर एक्सप्रेस

www.janexpresslive.com/epaper | हिंदी दैनिक, जन एक्सप्रेस । | लखनऊ । गुरुवार । 11 जुलाई 2024 | 03

मौसम पूर्वानुमान

पूर्वानुमान
भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार,अगले पांच दिनों में हल्के बादल छाए रहने के कारण तेज हवाओं (धूलभरी आँधी) एवं गरज चमक के साथ स्थानीय स्तर पर छुटपुट बूंदाबादी होने के आसार हैं तथा दिन और रात के तापमान सामान्य से अधिक रहने के आसार है

अधिकतम (डिग्री०से०) : 35.0 (+0.9)
न्यूनतम तापमान (डिग्री०से०) : 28.0 (+1.6)
सापेक्षिक आर्द्रता अधिकतम : 85 प्रतिशत
सापेक्षिक आर्द्रता न्यूनतम : 69 प्रतिशत
हवा की औसत गति : 3.1 कि०मी०/घंटा
हवा की दिशा- शांत
वर्षा (मि०मी०) : 1.0

- कृषि मौसम वैज्ञानिक

रेप के बाद कॉन्ट्रेक्ट पर निकाह, फिर दहेज के लिए धक्के देकर घर से बाहर निकाला

✳ पीड़ित महिला का आरोप नंद अपने पुलिस मित्रों की दम पर जीवन बर्बाद करने की दे रही धमकी, पूर्व में चकेरी में तैनात रहे इंस्पेक्टर की दम पर नन्द ने बना रखा है भोकाल

जन एक्सप्रेस । कमलेश फाइटर/विष्णु राठौर

कानपुर नगर। शहर में कल एक बड़ा ही अजीबो गरीब चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां पुलिस कमिश्नर के कार्यालय पहुंची एक फरियादी महिला ने रेप के बाद कॉन्ट्रेक्ट निकाह कराए जाने की बात कही है, पीड़ित महिला की माने तो उसे एक युवक ने पहले शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए, महिला ने जब युवक से निकाह करने की बात कही तो युवक मुकर गया। पीड़िता युवक के घर उसके परिजनों से मिलने पहुंची तो युवक के परिजनों ने उससे एक कॉन्ट्रेक्ट किया। कॉन्ट्रैक्ट के तहत महिला को प्रेम में धोखा देने वाले युवक के बड़े भाई से निकाह करके गुजर बसर करने की बात कही गई, आरोप है कि युवक की दबंग बहन ने जिसके कई पुलिस वालों से अच्छे ताल्लुकात हैं। उसके द्वारा पीड़ित महिला के जबरन हाथ जला दिए गए और उसे मारा पीटा गया, जबरन प्रेमी युवक को बचाने के लिए उसके बड़े भाई से पीड़ित महिला का निकाह करा दिया गया। और निकाह के बाद जब पीड़ित महिला को पता चला की जिस प्रेमी के बड़े भाई से उसका निकाह कराया गया है वह पहले से ही शादी शुदा है। लगातार धोखा खाती हुई चली आ रही पीड़ित महिला से अब 25 लाख रुपए दहेज के एवज में मांगे जा रहे हैं। पीड़ित महिला का कहना है कि वह लगातार पुलिस विभाग और अधिकारियों के चक्कर काट रही है लेकिन उसे अभी तक पुलिस न्याय नहीं दिला सकी है।

इमरान निकला शादीशुदा

पीड़ित ने बताया कि उसके साथ उसके प्रेमी सलमान खान के परिजनों ने बहुत गंदा मजाक और अत्याचार किया है। बताया कि इमरान पहले से शादीशुदा था, उसके निकाह कर लेने के कुछ दिनों बाद ही इमरान की पहली पत्नी भी घर में आ गई। इस बात का पता चलने पर जब पीड़िता ने विरोध किया तो सलमान इमरान और सभी परिजनों के साथ-साथ उसकी नंद ने जिसके पुलिस से अच्छे संबंध हैं बुरी तरह से मारा पीटा और जान से मारने की धमकी दी।

दहेज न देने पर मिल रही तलाक देने की धमकी

पीड़िता ने बताया कि उसका परिवार बहुत ही गरीब है। लेकिन उसका पति प्रेमी और उसकी नन्द पच्चीस लाख नकद की नाजायज मांग कर रहे हैं। मांग पूरी न करने पर आने वाले समय में तीन तलाक देने के साथ ही हत्या करवा देने की धमकी दे रहे हैं। पीड़िता का कहना है कि वह थाने चौकी के चक्कर लगा लगाकर थक गई है अधिकारियों की चौखट पर भी कई मर्तबा नाक रगड़ी है लेकिन उसे अभी तक न्याय नहीं मिला है।

पूर्व चकरी इंस्पेक्टर और कई पुलिस वालों की दम पर नन्द जीवन बर्बाद करने की दे रही धमकी

पीड़िता ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना चकेरी समेत अन्य कई थानों में पूर्व में तैनात रहे एक इंस्पेक्टर से उसकी नंद के बड़े अच्छे संबंध थे। इस कारण से कई खाकीधारी उसकी नंद से मिलने जुलने आते रहते हैं। जिस कारण उसकी नंद उसे पुलिस विभाग से न्याय भी नहीं मिलने दे रही है हर जगह अपने खाकी धारी मित्रों को भेज कर मामले को दबवा देती है और उन्हीं के माध्यम से पीड़िता का जीवन बर्बाद करने की धमकी दे रही है। फिलहाल पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार ने पीड़िता की एप्लीकेशन लेकर न्यायाचित कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दिया है।

सबूत के साथ जन एक्सप्रेस खोलेगा खाकी धारी की पोल

जल्द ही जन एक्सप्रेस सबूत के साथ पूर्व में थाना चकेरी में तैनात रहे इंस्पेक्टर और अन्य उन पुलिस मित्रों के नाम का खुलासा करेगा जिनकी दम पर पीड़ित महिला की नंद रौब गांठती है और अत्याचार उत्पीड़न करती है।

पुलिस कमिश्नर के कार्यालय बुधवार को पहुंची पीड़ित महिला ने जानकारी देते हुए बताया कि वह थाना चकेरी क्षेत्र स्थित एक मकान में किराए पर निवास करती थी। जहां थाना चमनगंज क्षेत्र में निवास करने वाला सलमान खान भी आता जाता था और वह पीड़िता के पीछे पड़ गया। धीरे-धीरे पीड़िता को अपने प्रेम जाल में फंसाया और उसका शारीरिक शोषण किया। पीड़ित महिला का आरोप है कि जब उसने सलमान खान से निकाह करने की बात कही तो उसने मिलना जुलना तो बंद कर ही लिया साथ में अपना मोबाइल स्विच ऑफ कर लिया। पीड़िता जब प्रेमी युवक के घर पहुंची तो प्रेमी युवक के परिजनों ने उसके प्रेमी सलमान खान से निकाह ना करा कर उसके बड़े भाई इमरान से निकाह करने का कॉन्ट्रेक्ट करने की बात कही। पीड़िता की माने तो रिश्ते में उसकी नंद लगने वाली जिसके खाकीधारियो से अच्छे संबंध हैं उसके द्वारा पीड़िता को मारा पीटा गया और हाथ जला दिया गया। जबरन सलमान के भाई इमरान से उसका निकाह भी कर दिया गया।

बागवानों को एडवाइजरी जारी कर फल पौधों के रोपण की दी जानकारी

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के उद्यान विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. वी.के.त्रिपाठी ने बुधवार को बागवानों के लिए एडवाइजरी जारी की। उन्होंने बताया कि फल पौधों के रोपण के लिए जुलाई माह सही समय है। बरसात के इस मौसम में यदि बागवान रोपण के लिए बाग तैयारी नहीं कर पाए है तो वे परेशान न हो बल्कि ऐसे क्षेत्र का चुनाव करें जहां पर जल भराव न होता हो, जल निकास का उचित प्रबंध हो और वह क्षेत्र यातायात की सुविधाओं से जुड़ा हो। डॉ. त्रिपाठी ने बताया कि उत्तर भारत में इस समय आम, अमरूद, नींबू, बेल, बेर, अनार आदि का बगीचा रोपण कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आम की दशहरी, लंगड़ा, चौसा के लिए 8 × 8 मीटर की दूरी पर तथा आम्रपाली, अम्बिका और मल्लिका के लिए 6×6 मीटर की दूरी पर, अमरूद की लखनऊ 49, इलाहाबादी सफेदा, रेड फ्लैश चित्तीदार, बेदाना, ललित आदि किस्मों के साथ अनार की गणेश मृदुला, रूबी, नींबू की कागजी नींबू विक्रम सीडलेस प्रजातियों के साथ किन्नू मौसमी के रोपण के लिए 6 × 6 मीटर की दूरी पर गड्ढों की खुदाई करते हैं। उन्होंने बगीचा रोपड़ के लिए गड्ढा खोदते समय कि ऊपर की आधी मिट्टी अलग और नीचे की आधी मिट्टी अलग रखने को कहा। गड्ढो के भराव के लिए 10 से 15 किलोग्राम सड़ी हुई गोबर की खाद को ट्राईकोडरमा से उपचारित करने के साथ उसमें 500 ग्राम नीम की खली तथा 50 ग्राम एजोटोवेक्टर और 50 ग्राम पीएसबी कल्चर डालकर गड्ढे को जमीन से चार-पांच इंच ऊपर तक भर दें। उन्होंने बागवानों को बताया कि इसके बाद किसी नर्सरी से प्रजाति के अनुसार सही पौधा लेकर खेत में पौधे को उतनी गहराई तक रोपित करें जितना नर्सरी में था और साथ ही किसी लकड़ी आदि का सहारा देकर हल्की सिंचाई कर देना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि खरपतवारों को खुरपी से निकालते हुए आने वाले मौसम में सर्दी से और बाद में गर्मी से, तथा कीड़े मकोड़े एवं बीमारियों को सही में समय नियंत्रित करते हुए कई वर्षों तक अपने बगीचे से गुणवत्ता युक्त फल प्राप्त करने के साथ आर्थिक लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं।

समाजवादी महिला सभा ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

कल्याणपुर बारह सिरोही निवासियों सहित समाजवादी महिला सभा ग्रामीण में समाजवादी जिला अध्यक्ष अर्चना रावल, एडवोकेट विपिन राजपूत, पूर्व पार्षद प्रत्याशी पवन हिंदुस्तानी ने कल विधायक नीलिमा कटियार से भेंट कर खराब सड़क, नाली और जल भराव की समस्या को लेकर ज्ञापन दिया। ज्ञापन देते हुए बताया कि बारह सिरोही जामुन वाली गली में बरसों पूर्व से खराब पड़ी सड़क और नाली की समस्या से लोग त्रस्त हैं। कहा कि यहां पर रहने वाले लोगों को बरसात में जल भराव के कारण निकलने में समस्या होती है बच्चों को स्कूल जाने में समस्या होती है वहीं गंदा पानी घरों तक घुस जाता है जिससे महामारियां फैली रहती हैं।
इससे पहले पूर्व पार्षद को बंधक बनाया था जिसके बाद क्षेत्रीय समस्याएं दूर करने का आश्वासन दिया गया था लेकिन आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई और क्षेत्र की समस्या जस की तस बनी हुई है नीलिमा कटियार ने ज्ञापन लेते हुए जल्द समस्याओं को हल करने का आश्वासन दिया है।

आकाशीय बिजली की चपेट में आकर अधेड़ सहित मवेशी की मौत

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

साढ़ थाना क्षेत्र के भीतरगांव चौकी अंतर्गत तिवारीपुर गांव मे आकाशीय बिजली गिरने से एक अधेड़ समेत एक मवेसी की मौत हो गयी। मौके पर पहुंची पुलिस ने अधेड़ के शव का पंचनामा भर के पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया है
तिवारीपुर गांव निवासी परदेशी निषाद 47 वर्ष गांव के बाहर खेतों मे सब्जी आदि की खेती किए है बुधवार दोपहर बाद लगभग चार बजे तेज हवा के साथ पानी बरसने लगा जिससे बचने के लिए परदेशी पास मे मौजूद एक आम के पेड़ के नीचे खड़ा हो गया तभी पास मे चर रही उसकी बकरी भी आ गयी तभी तेज आवाज के साथ आकाशीय बिजली उसी आम के पेड़ मे आ गिरी जिससे परदेशी निषाद व बकरी की मौके पर ही मौत हो गयी आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना की मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भर के पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया है साढ़ थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

22 वर्षों से टूटी सड़क निर्माण के लिए विधायक सांगा को सौंपा ज्ञापन

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

गुजैनी क्षेत्र के अंतर्गत रविदास पुरम, छठ पूजा स्थल मर्दनपुर एकता पार्क होते पांडु नदी के एतिहासिक पुल से समाधा आश्रम के सामने से होते हुए गोपालपुर पुल को जाने वाली सड़क की हालात बद से बद्तर हो चुकी है। 22 वर्षों से जगह-जगह से सड़क टूटी हुई होने से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं सड़क के बीचों बीच बने हुए गहरे गड्ढडे, राहीगरो एवं वाहन चालकों के लिए खतरा बने हुए हैं। यह समझ में नहीं आता कि सड़क में गड्ढा है या गड्ढे में सड़क है। ग्रामीणों ने बताया कि इस सड़क से वाहन लेकर गुजरना खतरें से खाली नहीं है। ग्रामीणों के कई प्रयासों के बाद भी अभी तक किसी ने भी उनकी फरियाद नहीं सुनी है। बीतें दिन बुधवार को एक बार फिर बिठूर विधानसभा विधायक अभिजीत सिंह सांगा को क्षेत्र वासियों ने ज्ञापन देकर सड़क के निर्माण कराए जाने के लिए गुहार लगाई है। वही विधायक द्वारा जल्द ही सड़क निर्माण कराने का आश्वासन दिया है। मौके पर मनीष वंसदानी, मुकेश कुमार, अमरनाथ, हरीश बजाज, सुशील खत्री, महावीर प्रजापति, एवम समस्त क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

शान ओ शौकत से निकला आशिक अली का आलम

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर। बीते दिन बुधवार को तीन मोहर्रम को इमाम हुसैन की शहादत की याद में आशिक अली का आलम पूरी शान ओ शौकत के साथ निकाला गया। आशिक आशिक अली का आलम जुलूस लगभग 150 वर्षो से उठाया जा रहा है। इस दौरान जुलूस फूल वाली गली सादिक शाह बाबा की मजार से शुरू हुआ। यह जुलूस इफ्तिकाराबाद से होता हुआ दलेल पुरवा चौराहा,रूपम चौराहे, अपने कदीमी रास्तों से होता हुआ रात में फूलवाली गली पहुंच कर समाप्त हुआ। जुलूस में दर्जनों हरे,सफेद इस्लामी परचम झंडा भी थे ऊंट और घोड़े मोहर्रम रंगों से सजे हुए थे। जुलूस में इमाम हुसैन की याद में ताजिया भी थी। महिलाओं ने अपने घरों से ही आलम के दर्शन किए। अकीदतमंदो ने स्टेज लगाकर मुहर्रम का तबर्रुक (प्रसाद) का वितरण कर जुलूस का इस्तकबाल किया।

घरेलू कलह के कारण विवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान

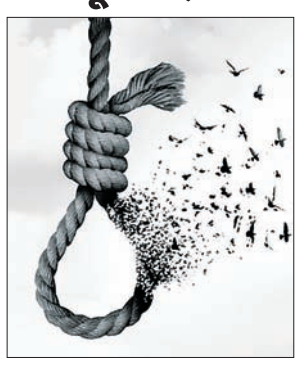

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

कल्याणपुर थाना क्षेत्र के नानकारी में मंगलवार देर रात एक महिला ने घरेलू कलह के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, सुबह पति ने देखा तो उनके होश उड़ गए सूचना पर पहुंची पुलिस ने फोरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।
नानकारी निवासी अतुल गौतम ट्रांसपोर्टेशन का काम करते हैं परिवार में पत्नी अनीता 30 वर्ष और एक बेटी 4 साल की दूसरी बेटी ढाई साल की है और एक चार महीने का बेटा है । मंगलवार देर रात अनीता का किसी बात को लेकर अतुल से विवाद हो गया था दोनों के बीच कहा सुनी होने के बाद अनीता दूसरे कमरे में सोने चली गई थी वहीं बच्चे अतुल के साथ सो रहे थे देर रात अनीता ने पंखे के सहारे गले में फंदा डालकर आत्महत्या कर लिया सुबह जब अनीता काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं आई तो अतुल उसे जगाने पहुंच कमरे का दरवाजा खोलते ही पति के होश उड़ गए अनीता का शव फंदे से लटक रहा था।
अतुल गौतम ने 2018 में घर के पास रहने वाली अनीता से लव मैरिज की थी परिजनों के मुताबिक शादी के कुछ दोनों तक तो सब कुछ ठीक चल रहा था लेकिन इसके बाद दोनों के बी काफी कहां सुनी हुआ करती थी छोटी-छोटी बातों को लेकर आए दिन विवाद हो जाता था।

पुलिस की पूछताछ में अनीता के घर वालों ने बताया कि अतुल का किसी दूसरी महिला से अफेयर था जिसके कारण वह आए दिन फोन पर बात करता था और इसी बात पर दंपति के बीच विवाद हुआ करता था कल देर रात भी दोनों के बीच इसी बात पर विवाद हुआ था विवाद के बाद अनीता ने खुदकुशी कर ली है।

नवनियुक्त लेखपालों को बांटे गए नियुक्ति पत्र

जन एक्सप्रेस । विनीत सिन्हा

कानपुर नगर। नवनिर्वाचित लेखपालों को नियुक्ति पत्र वितरण का कार्यक्रम बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में राजस्व परिषद के तत्वाधान में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से नव चयनित राजस्व लेखपालों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। जनप्रतिनिधियों द्वारा 18 लेखपालों को नियुक्ति पत्र वितरण किया गया पूरे प्रदेश में 7720 लेखपालों का चयन हुआ। वहीं 5 लेखपालों को नियुक्ति पत्र लेने के लिए लखनऊ भेजा गया था। वहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी 5 नवनियुक्त लेखपालों को नियुक्ति पत्र सौंपे। कानपुर में सांसद रमेश अवस्थी, मेयर प्रमिला पांडेय, विधायक महेश त्रिवेदी और नीलिमा कटियार ने सभी को नियुक्त पत्र सौंपे। डीएम राकेश कुमार सिंह ने बताया कि 5 लेखपालों को नियुक्ति पत्र लेने के लिए लखनऊ भेजा गया है। जबकि 6 लेखपाल पहले से किसी सरकारी सेवाओं में थे, इस वजह से नियुक्ति पत्र लेने नहीं आ सके।
18 लेखपालों को नियुक्त पत्र सौंपे गए। लेखपालों की नियुक्ति के बाद राजस्व में वृद्धि होगी। कानपुर नगर में 29 लेखपालों को नियुक्ति मिली है। इसमें से 17 महिलाएं और 12 पुरुष हैं।

रावतपुर कोतवाल ने मुर्गा समेत पांच वाहन चोरों को दबोचा

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

रावतपुर पुलिस ने कोतवाल के नेतृत्व में वाहन चेकिंग के दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार पांच वाहन चोरों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है जिसमें दो नाबालिक चोर भी शामिल हैं। चोरों की निशान देही पर एक स्कूटी समेत चार मोटरसाइकिल बरामद हुई हैं वहीं चोरों के पास से तमंचा एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ है।
एडीसीपी पश्चिम बृजेंद्र कुमार द्विवेदी ने बताया कि चोरी और लूट की घटनाओं की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत रावतपुर पुलिस अवधपुरी तिराहा जीटी रोड पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान संदिग्ध वाहन सवार पांच लोगों को रोक कर पूछताछ की जिस गाड़ी पर पांचो युवक सवार थे वह चोरी की थी। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपियों ने अपना नाम कल्याणपुर निवासी हिमांशु, सुखऊ पुरवा नवाबगंज निवासी आदित्य उर्फ मुर्गा, मकड़ी खेड़ा निवासी आकाश प्रजापति बताया वही दो चोर नाबालिक हैं। आरोपियों की निशान देही पर चोरी की तीन मोटरसाइकिल और एक स्कूटी बरामद की है। यह सभी वाहन 9 नंबर क्रॉसिंग, केशव पुरम, चकेरी और ग्वालटोली से चोरी की गई थी।आदित्य उर्फ मुर्गा पर पहले से नवाबगंज थाने में गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं सभी आरोपी अपनी अय्याशियों को पूरा करने के लिए चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे।

गिरफ्तार करने वाली टीम में रावतपुर थाना प्रभारी अशोक कुमार सरोज, उप निरीक्षक अंकुर चौधरी, राजकुमार, शैलेंद्र सिंह, विवेक त्यागी, धर्मेंद्र सिंह, निखिल कुमार, यूटी चेतन कुमार,कांस्टेबल अनिल कुमार और मोहम्मद अख्तियार की मुख्य भूमिका रही। गुड वर्क करने वाली टीम को पुलिस प्रशासन की ओर से पंद्रह हजार रुपए का पुरस्कार दिया गया है।

दो गुटों में जमकर हुई मारपीट, पुलिस के आने पर भागे

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर। थाना नजीराबाद और काकादेव की सरहद में पड़ने वाली राजा पुरवा मलिन बस्ती के सुलभ शौचालय वाली रोड पर रात्रि के लगभग 9:30 से 10:00 के करीब आधा सैकड़ा से अधिक दो गुटों के युवकों में जमकर मारपीट हुई। सूचना एक अज्ञात युवक के द्वारा थाने स्तर पर पहुंचाई गई तो थाना नजीराबाद की जेके मंदिर चौकी के पुलिसकर्मी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस को आता देख बवाल करने वाले दोनों गुटों के युवक गलियों में भाग गए। वहीं दबी जुबान में मोहल्ले वालों का कहना था कि यहां पर युवकों में आपसी लड़ाई होना एक आम बात हो गया है। अगर इन दबंग युवकों को कोई लड़ाई करने से मना करता है तो यह उसी के साथ मारपीट करते हैं जिस कारण कोई इन दबंग युवकों के खिलाफ गवाही देने की हिम्मत नहीं करता है। बुधवार की रात्रि एक युवक मोटरसाइकिल से जा रहा था उसी समय कुछ युवकों की उस मोटरसाइकिल वाले से कहा सुनी हो गई। देखते ही देखते युवकों की भीड़ लग गई और आपस में मारपीट का नजारा देखने को मिला। सूत्रों की माने तो एक अंजान युवक ने जाकर नजीराबाद थाने में सूचना दी तो तत्काल नजीराबाद की जेके मंदिर चौकी और थाने के कुछ दरोगा और सिपाही घटनास्थल पर पहुंच गए। लाठी डंडे फटकार कर बवाल कर रहे युवकों को खदेड़ दिया। तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर बवाल को शांत कराने की नजीराबाद पुलिस की स्थानीय नागरिकों द्वारा सराहना भी की गई है। वहीं दूसरी ओर क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। स्थानीय नागरिकों की माने तो यहां पर आए दिन लड़ाई झगड़ा होता रहता है। इस लड़ाई झगड़े के मामले में किसी भी पक्ष के द्वारा स्थानीय थाने स्तर पर तहरीर नहीं दी गई है।

डीआरएम ने सेन्ट्रल स्टेशन पहुंच किया निरीक्षण

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर। प्रयागराज मंडल के डीआरएम हिमांशु बडोनी ने बुधवार को सेंट्रल पर चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण करने आए थे। उन्होंने रेलवे के अधिकारियों संग बैठक कर दिशा निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि सेंट्रल स्टेशन पूरी तरह से परिवर्तित हो जाएगा। यात्रियों की किसी तरह की दिक्कत नहीं होगी। सिटी साइड की ओर मल्टी स्टोरी बिल्डिंग में मॉल, कई तरह की दुकानें होंगी, जबकि पार्किंग का कार्य भी चल रहा है। उस तरफ रेलवे के कुछ कार्यालय और टिकट और आरक्षित टिकट सेंटर आ जाएंगे। सिटी साइड की ओर चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया कॉनकोर्स निर्माण के लिए दोनों ओर के प्लेटफार्म पर सपोर्ट के लिए पोल लगेंगे। इस कॉनकोर्स पर यात्री ट्रेनों की प्रतीक्षा करेंगे। कुछ खामियां दिखने पर संबंधित को ज़रूरी दिशानिर्देश दिए वहीं पत्रकारों के सवाल पर बोले डीआरएम जब कोई बड़ा कार्य होता हैं तो बहुत सारी दिक्कतें आती हैं हम इस लिए बार बार निरीक्षण करने आते हैं की यात्रियों को कम से कम असुविधा हों और विकास कार्य भी चलता रहें बारिश की वजह से मेट्रो का कार्य कुछ लेट हो गया है जो जल्द ही पूरा होगा।

फास्ट फॉरवर्ड

नवागत जिला विद्यालय निरीक्षक का किया स्वागत

जन एक्सप्रेस/रायबरेली। भारतीय जनता पार्टी शिक्षक प्रकोष्ठ रायबरेली के जिला संयोजक दिलीप द्विवेदी के नेतृत्व में जनपद रायबरेली के नवागत जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह का भव्य स्वागत,बुके देकर,माल्यार्पण एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर किया गया तथा संगठन के सभी पदाधिकारियों का जिला विद्यालय निरीक्षक ने परिचय प्राप्त किया 7 जिला संयोजक ने जिला विद्यालय निरीक्षक का स्वागत करते हुए कहा जिला संगठन रायबरेली जनपद आगमन पर आपका स्वागत एवं अभिनंदन करता है 7 इस अवसर पर जिला सहसंयोजक नागेंद्र सिंह , जिला मीडिया प्रभारी डॉक्टर कमलाकांत, सुनील कुमार द्विवेदी, जिला संयोजक शिक्षणेत्तर महासभा मनीष मिश्रा, जिला संयोजक उच्च शिक्षा महासभा डॉक्टर जितेंद्र प्रताप सिंह , रतन सिंह, संजय त्रिवेदी, अजय अवस्थी, चंद्रधर शर्मा, जगदंबा सिंह, हीरालाल, अनिल कुमार वर्मा एवं अन्य शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे 7

आचार्य पंकज दास को राम जानकी मंदिर महा त्यागी आश्रम की मिली महंती

जन एक्सप्रेस/अयोध्या धाम। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या में शहीद मार्ग निकट दिगंबर अखाड़ा के समीप श्री राम जानकी मंदिर श्री महात्यागी आश्रम के वर्तमान महंत राम भजन दास ने अपने योग एवं कृपा पात्र शिष्य आचार्य पंकज दास को अपनी स्वेच्छा से उपस्थित गणमान्य संतो महथो की उपस्थिति में अयोध्या संत परंपरा के अनुसार कंठी वह चादर ओढाकर ठाकुर राम जानकी मंदिर महात्यागी आश्रम की जिम्मेदारी सौंपी स उसके पश्चात उपस्थित संत महथो एवं वरिष्ठ लोगों का स्वागत सत्कार अंग वस्त्र ओढ़ाकर दक्षिणा भेंट कर स्वागत किया साथ ही लोग भोजन प्रसाद ग्रहण कर कृतार्थ हुए। श्री राम जानकी मंदिर मे त्यागी आश्रम के नवनियुक्त महंत आचार्य पंकज दास ने मीडिया प्रति निधियो से बातचीत के दौरान बताया कि हमारे गुरुजी महंत राम भजन दास ने जिस उम्मीद व भरोसा जता कर यह जिम्मेदारी सौंपी है उसे पर कभी आचनहीं आने पाएगा महात्यागी आश्रम राम जानकी मंदिर से मानव कल्याणार्थ हेतु गौ सेवा संत सेवा विद्यार्थी सेवा बंदर सेवा व सनातन धर्म की रक्षा हेतु निरंतर कार्यक्रम चलता रहेगा मंदिर परिसर में कोई भूखा ना रहे किसी अभ्यागत को कोई परेशानी ना हो इसका विशेष ख्याल रखा जाएगा ।उक्त महंती समारोह में मुख्य रूप से महंत रामप्रकाश दास खड़ेश्री मंदिर महथ अंगद दास महंत सतेंद्र दास महंत सीताराम दास कौस्तुभमणि आचारी महापौर गिरीश पति त्रिपाठी महंत अवध रामदास मुकेश तिवारी मुन्ना दास महंतराजेंद्र दास वैद्य अन्य संत महंत गण सैकड़ो की संख्या में उपस्थित रहे है।

विधायक व डीएम ने जनपद में नव चयनित लेखपालों को वितरित किया नियुक्ति पत्र

जन एक्सप्रेस। अयोध्याधाम

कलेक्ट्रेट सभागार में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लखनऊ में प्रदेश के नव चयनित लेखपालों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया। लखनऊ में आयोजित इस कार्यक्रम में जनपद अयोध्या से नव चयनित 103 लेखपालों में 50 नव चयनित लेखपालों को भी मुख्यमंत्री द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया तथा जनपद के शेष नव चयनित लेखपालों को माननीय विधायक अयोध्या व जिलाधिकारी द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर विधायक व जिलाधिकारी ने नव चयनित लेखपालों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए अपने दायित्वो का पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ निर्वहन करने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि राजस्व विभाग प्रशासन की रीढ़ है और लेखपाल राजस्व विभाग की रीढ़ होता है।
सभी लाभार्थीपरक योजनाओं का लेखपाल और ग्राम पंचायत सचिव रीढ़ होते हैं। सभी योजनाओं में लेखपालों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, लेखपाल का कार्य जमीनी स्तर का कार्य है, जिसे सभी लेखपाल बेहतर ढंग से पूर्ण मनोयोग एवं निष्ठा के साथ करें। सभी लाभार्थीपरक योजनाओं की अच्छी जानकारी रखें, इस हेतु योजनाओं को पढ़े और प्रत्येक लाभार्थीपरक योजना के पात्रता की शर्तों योग्यता व आवेदन की प्रक्रिया की जानकारी रखें। विभिन्न योजनाओं में प्राप्त आवेदनकर्ताओं के आवेदनों का नियमानुसार का ससमय निराकरण करने के साथ ही ऐसे पात्र व्यक्ति जिन्होंने आवेदन नहीं किया हो अथवा उन्हें योजना की जानकारी नहीं है को योजनाओं की जानकारी प्रदान करते हुए उन्हें उनकी पात्रता श्रेणी में आने वाले योजनाओं से लाभान्वित कराएं। इससे आप अधिक से अधिक जरूरतमंद अर्थात गरीब की मदद कर पाएंगे यही जीवन की सातर्कता है। जिलाधिकारी ने प्रत्येक लेखपाल एवं कर्मचारी को उपलब्ध संसाधनों का बेहतर सदुपयोग करने तथा जो व्यक्ति कर्मचारी अधिकारी अच्छा कार्य कर रहा है से सीखने को कहा।
इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नगर सलिल कुमार पटेल, उप जिलाधिकारी सदर राजकुमार पांडेय, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार वर्मा, तहसीलदार सोहावल विनोद कुमार चौधरी सहित नव चयनित लेखपाल उपस्थित है।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा-163 के अन्तर्गत 20 अगस्त तक निषेधाज्ञा लागू

जन एक्सप्रेस/रायबरेली। जनपद में 21 जुलाई को गुरु पूर्णिमा व श्रावण मास प्रारम्भ होकर 19 अगस्त 2024 तक मनाया जायेगा। श्रवण में प्रत्येक सोमवार को जनपद में हिन्दू सम्प्रदाय के श्रद्धालुओं द्वारा गंगा नदी के डलमऊ, गोकना, गेगासो, रालपुर व अन्य स्नान घाटों व सई नदी के लालूपुर खास, भवरेश्वर मंदिर सहित विभिन्न घाटों पर स्नान कर शिव मन्दिरों पर जलाभिषेक किया जाता है जिसमें काफी संख्या में श्रद्धालुओं का आवागमन होता है। चन्द्र दर्शन के अनुसार मुहर्रम का पर्व 08 जुलाई से प्रारम्भ होकर 31 जुलाई 2024 तक मनाया जायेगा। मुख्य रूप से मुहर्रम पर्व 17 जुलाई 2024 को 10वीं मुहर्रम, मनाया जायेगा। 15 अगस्त को राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस, 09 अगस्त को नागपंचमी, 19 अगस्त को रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया जाना है इसके अतिरिक्त उप/सामान्य निर्वाचन के नामांकन, मतदान/मतगणना, जनपद में होने वाली विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी/वार्षिक परीक्षाओं का आयोजन किया जाना है। संचारी रोगों के प्रभावी रूप से रोकथाम के सम्बन्ध में शासन द्वारा समय-समय पर जारी दिशा निर्देश का क्रियान्वयन किया जाना है।

पीड़ित परिवार ने डीएम को दिया शिकायत पत्र

जन एक्सप्रेस। अयोध्या

पीड़ित परिवार ने जिलाधिकारी को दिया शिकायती पत्र शिकायती पत्र में कहा गया है कि पीड़ित उमा सोनकर पत्नी दिलीप सोनकर निवासिनी नाका हनुमान गढ़ी थाना कोतवाली नगर जनपद अयोध्या की है। पीड़ित के घर के पीछे मैदान में निखिलेश सोनकर पुत्र बैजनाथ सोनकर गांजा बेचने का काम करता है जिसके ऊपर छक्कै समेत कई मुकदमें हैं पीड़ित व मुहल्ले के लोगो ने कई बार इसका विरोध किया निखलेश सोनकर व उसके साथ मनीष सोनकर, अप्पू सोनकर पुत्रगण बैजनाथ सोनकर व अतीक अंसारी, विशाल शर्मा घर के पीछे खड़ी बहू बेटी पर अभद्र टिप्पणी करते रहते है । 8 जुलाई को समय करीब रात्रि 11 बजे निखलेश सोनकर, अप्पू सोनकर मनीष सोनकर, पुत्रगण बैजनाथ सोनकर व अतीक अंसारी, विशाल शर्मा पीड़ित के घर के सामने आकर मां बहन की गाली देने लगे पीड़ित के पुत्र शनि सोनकर ने विरोध किया तब विपक्षी निखलेश सोनकर अपने साथियों के साथ शनि को जमीन पर गिरा कर लाठी डंडो से मारने लगे बीच बचाव करने शिवराम, शुभम, गोलू आये तो विपक्षीगणों ने बीच-बचाव करने आये लोगो को उन्हें भी लाठी, डंडो से बुरी तरह मारा हल्ला गुहार होने पर मुहल्ले के लोग आये जिससे विपक्षीगण गोलू के सोने की चौन छीन लिये और कहा कि पुलिस के पास जाओगें तो जान से मरवा दूंगा, शनि सोनकर ने इस घटना की सूचना 112 नं0 पुलिस को दी तब मौके पर आयी पुलिस को तहरीर देने को कहा पीडित अपने साथ चोटहिल लोगों को लेकर कोतवाली पहुंचा जहां तहरीर लेकर पीड़ित पक्ष को कोतवाली में बैठा लिया । निखलेश सोनकर जो मुख्य आरोपी और गांजे का व्यापार करता है उसे चौकी से घर भेज दिये व उसके तीन साथियों को भी कोतवाली में खानापूर्ति करने के लिए बैठा लिया पीड़ित को रातभर कोतवाली में रखने के बाद सुबह शान्तिभंग में दोनो पक्षों को चलान कर दिया पीड़ित ने घटना की सूचना वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दिया लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई।

डीएम-एसपी ने सावन मेला और कावड़ यात्रा के लिए गोकनाघाट का किया निरीक्षण

जन एक्सप्रेस। रायबरेली

कांवड़ यात्रा व सावन मेले को लेकर जिलाधिकारी हर्षिता माथुर व पुलिस अधीक्षक अभिषेक अग्रवाल ने ऊंचाहार स्थित गोकना घाट का निरीक्षण किया। यहाँ पर्यटन विभाग द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता परखते हुए उन्होंने संबंधित को निर्देश दिया कि कार्य समय से पूरा कराया जाए। इस दौरान कावड़ यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो इसके दृष्टिगत गोलाघाट को भी व्यवस्थित कर लिया जाए। कावड़ यात्रा के दौरान सड़क मार्गो को भी व्यवस्थित किया जाए और घाटों पर वाहनों को खड़ा करने के लिए उचित दूरी का चिन्हांकन कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि स्नान के दौरान किसी भी दुर्घटना से बचने के लिए बैरिकेटिंग कराई जाए। साथ ही घाटों की साफ सफाई का भी ध्यान रखा जाए। जिलाधिकारी ने इसके उपरांत सुपर मार्केट स्थित श्री जगमोहनेश्वर महादेव मंदिर चन्दापुर धाम और आस्तीक मन्दिर लालूपुर खास का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि सावन मेले के दौरान भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त रखा जाए।
इस अवसर पर संबंधित विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे।

दवा लेकर पैदल घर जा रही महिला की दुर्घटना में मौत

जन एक्सप्रेस/बीकापुर- अयोध्या ।कूरेभार से फैजाबाद की तरफजा रही अनियंत्रित तेज रफ्तार बोलेरो की चपेट में आने से करीब 40 वर्षीय महिला की मौत हो गई। हादसा मंगलवार की देर शाम करीब 8 बजे कोतवाली क्षेत्र के न्यू मार्केट खजुरहट बाजार में प्रयागराज अयोध्या हाईवे पर दुर्घटना हुआ। बताया गया कि तिवारीपुर ताजपुर निवासी पार्वती देवी पत्नी रामसुंदर खजुरहट बाजार में संचालित मेडिकल स्टोर से दवा खरीद कर पैदल घर जा रही थी। इसी दौरान कूरेभार की तरफसे फैजाबाद की तरफ जा रही तेज रफ्तार बोलेरो ने टक्कर मार दिया और अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे स्थित विद्युत पोल और पान की गुमटी को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। मौके पर मौजूद कई लोग भाग खड़े हुए और बाल बाल बच गए। दुर्घटना के बाद मौके पर भीड़ इकट्ठा हो गई। स्थानीय लोगों द्वारा दी गई सूचना के बाद मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस द्वारा हादसे का शिकार हुई महिला पार्वती को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीकापुर लाया गया।

रोजगार मेले में 63 अभ्यर्थी चयनित हुए

जन एक्सप्रेस। रायबरेली

प्रदेश में युवाओं को रोजगार स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर भारत अभियान तथा हर हाथ को काम के तहत राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (बछरावां) शिवगढ़, रायबरेली के संयुक्त तत्त्वाधान में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया।
कार्यक्रम का शुभारम्भ सुश्री तनुजा यादव, सहायक जिला रोजगार सहायता अधिकारी द्वारा किया गया। उन्होंने अभ्यर्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि यहां मिल रहा छोटा सा अवसर आपके जीवन को नया आयाम दे सकता है। नियोजकों से संवाद करें, सेवा शर्तों के बारे में पता करें। उसी नियोजक के यहां सेवा का चयन करें, जिससे आपके सपने साकार हो सकें सुश्री तनुजा यादव ने साथ-साथ रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीयन करने की जानकारी संस्थान के प्रशिक्षार्थियों को दी गयी। कम्पनी प्रतिनिधियों द्वारा अपनी कम्पनी की सेवा शर्तों के बारे में जानकारी दी गयी। वाई0पी0 रामेन्द्र कुमार पाण्डेय द्वारा रोजगार मेले में एनसीएस पोर्टल पर निःशुल्क पंजीयन तथा कैरियर मार्गदर्शन दिया गया।
मेले में विभिन्न कम्पनियों द्वारा साक्षात्कार की प्रक्रिया पूर्ण की गयी। जिसमें 118 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। विभिन्न पदों हेतु नराया सिक्योरिटी एजेन्सी, पीपल ट्री ऑनलाइन प्राइवेट लिमिटेड, शिवशक्ति एग्रीटेक लि0 आदि कम्पनियों द्वारा कुल 63 अभ्यर्थियों को प्राथमिक रूप से चयनित किया गया एवं कुछ कम्पनियों के चयन परिणाम आपेक्षित है। इस कार्यक्रम की संक्षिप्त रूपरेखा सुश्री तनुजा यादव सहायक जिला रोजगार सहायता अधिकारी ने रखी एवं सर्वेश कुमार राय कॅरियर काउंसलिंग प्रभारी जिला सेवायोजन कार्यालय ने सभी कंपनियों एवं रोजगार के बारे में विस्तृत रूप से बताया।

जम्मू कश्मीर के कठुआ में सुरक्षा बलों पर हुए आतंकी हमले में शहीद हुए जवानों को दी गई श्रद्धांजलि।

जन एक्सप्रेस। रायबरेली

जिला व शहर कांग्रेस कमेटी के द्वारा जम्मू कश्मीर के कठुआ में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए जवानों को डिग्री कॉलेज चौराहा स्थित शहीद चौक पर कैंडल जलाकर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई कांग्रेस के जिला अध्यक्ष पंकज तिवारी ने कहा कांग्रेस पार्टी आतंकियों द्वारा सेना के जवानों पर किए गए हमले की घोर निंदा करती है इस आतंकी हमले में पांच जवान शहीद हुए इसके बाद सभी कांग्रेस जनों ने कैंडल जलाकर शहीदों की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और सच्चे मन से श्रद्धांजलि अर्पित की इस श्रद्धांजलि सभा में प्रमुख रूप से जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष वी के शुक्ला जिला कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष व संगठन प्रभारी विजय शंकर अग्निहोत्री निर्मल शुक्ला महेश शर्मा राजकुमार दीक्षित प्रमोद त्रिपाठी रोहित सिंह वीरेंद्र यादव सूर्य कुमार बाजपेई अभय सिंह आशीष द्विवेदी अजीजुल हसन मोहम्मद राशिद हरमिंदर सिंह सलूजा अमीन पठान ललित तिवारी सर्वोत्तम मिश्रा हाफिज निसार अमित मिश्रा अरशद अली रविंद्र त्रिपाठी सहित तमाम लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

कानून व्यवस्था एवं अभियोजन कार्यों को लेकर डीएम व एसपी ने की बैठक

जन एक्सप्रेस। अमेठी

जिलाधिकारी निशा अनंत व पुलिस अधीक्षक अनूप सिंह ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में कानून व्यवस्था एवं अभियोजन कार्यों को लेकर सभी उप जिलाधिकारियों, पुलिस क्षेत्राधिकारी व थानाध्यक्षों के साथ बैठक की।बैठक में जिलाधिकारी ने भूमि विवाद निस्तारण,आपसी रंजिश अपराध रोकथाम,विवेचना निस्तारण, अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु पाबंदी की कार्यवाही, गुंडाएक्ट,जिलाबदर एवं हिस्ट्रीशीटर आदि की समीक्षा किया।तथा अपराधियों पर सतर्क दृष्टि बनाए रखने का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि महिला उत्पीड़न पास्को एक्ट ,हत्या, बलात्कार अपहरण,दहेज प्रथा आदि प्रकरणों में त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।डीएम ने कहा कि पॉस्को अधिनियम वाले मामलों पर विशेष ध्यान देते हुए शीघ्र निस्तारित कराएं। अपराधिक प्रवृत्ति वाले व्यक्तियों के शस्त्र लाइसेंस निरस्त किए जाएं।और जिन व्यक्तियों के लाइसेंस निरस्त किए गए हैं,उनका शत प्रतिशत तामिला सुनिश्चित कराया जाए।जिलाधिकारी ने जनसमस्याओं के निस्तारण को लेकर कहा कि शिकायतें लंबित ना रखी जाएं शिकायतें प्राप्त होते ही तत्काल नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही कर उनका निस्तारण सुनिश्चित कराया जाए।उन्होंने जनपद में अवैध शराब के विरुद्ध संयुक्त रूप से अभियान चलाकर कार्यवाही करने का निर्देश दिया।बैठक में पुलिस अधीक्षक ने सभी सीओ व थानाध्यक्षों को निर्देश दिया कि जघन्य अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएं।उन्होंने कहा कि जिन अपराधियों को जिला बदर किया गया है वे छ माह तक जिले से बाहर रहे,यह व्यवस्था सभी थानाध्यक्ष सुनिश्चित करेंगे।बैठक में अपर जिलाधिकारी अर्पित गुप्ता,अपर पुलिस अधीक्षक हरेन्द्र सिंह,संयुक्त निदेशक अभियोजन समस्त उपजिलाधिकारी पुलिस क्षेत्राधिकारी व थानाध्यक्ष मौजूद रहे।

शिक्षकों की मौलिक मांगें पूर्ण हुए बिना ऑनलाइन उपस्थित संभव नहीं: मुकेश प्रताप सिंह

जन एक्सप्रेस। मिल्कीपुर अयोध्या

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की महत्वपूर्ण बैठक मिल्कीपुर क्षेत्र के पी ए पी पूर्व माध्यमिक विद्यालय परिसर में संयुक्त संघर्ष समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र प्रसाद वर्मा की अध्यक्षता में आहूत की गई।
बैठक में शिक्षकों की समस्याओं का निराकरण कराने लिए शिक्षक संघ की ओर से व्यापक एवं चरणबद्ध रणनीति बनाई गई है। बैठक का संचालन करते हुए ब्लॉक अध्यक्ष मुकेश प्रताप सिंह ने कहा उत्तर प्रदेश की प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा 31 उपार्जित अवकाश, 12 द्वितीय शनिवार अवकाश अर्ध आकस्मिक अवकाश, प्रतिकार एवं अध्ययन अवकाश, पुरानी पेंशन कैशलेस चिकित्सा, शिक्षकों की पदोन्नति आदि मांगे वर्षों से लंबित है किंतु आज तक इन समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया है। जब तक शासन द्वारा इन समस्याओं का निराकरण नहीं कर दिया जाता तब तक ऑनलाइन हाजिरी संभव नहीं है।ब्लॉक मंत्री भगवती यादव ने बताया कि 11 और 12 जुलाई को ब्लॉक स्तर पर बैठक कर सभी शिक्षकों से ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में सहमति प्राप्त किया जाएगा। 13 जुलाई को जिला कार्य समिति की बैठक में इसे जिलाध्यक्ष और जिला मंत्री को सौंपा जाएगा। 14 जुलाई को दोपहर 2रू00 बजे से ट्विटर पर ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में अभियान चलाया जाएगा।15 जुलाई को जिला कार्य समिति द्वारा ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन दिया जाएगा। 23 जुलाई को बीएसए ऑफिस पर विशाल धरना दिया जाएगा।
ब्लॉक संघर्ष समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र वर्मा ने कहा कि जब तक शिक्षकों की मांगों को पूरा नहीं किया जाएगा, तब तक शिक्षक किसी भी प्रकार की ऑनलाइन उपस्थिति का समर्थन नहीं करेंगे ।इसके लिए हम संघर्ष करने को तैयार है।साथ ही ट्विटर अभियान में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने के लिए सभी से आवाह्न किया।

जनप्रतिनिधियों एवं जिलाधिकारी ने नवचयनित लेखपालों को वितरित किया नियुक्ति पत्र

जन एक्सप्रेस। अमेठी

मिशन रोजगार के अंतर्गत निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के तहत उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित 7720 लेखपालों को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नियुक्ति पत्र वितरित किया।जिसका सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी में किया गया।कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरी, विधायक गौरीगंज राकेश प्रताप सिंह,जिलाधिकारी निशा अनंत सहित अन्य अधिकारी एवं नवचयनित लेखपाल मौजूद रहे।इसी क्रम में जनपद अमेठी के लिए चयनित लेखपालों को बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी में नियुक्ति पत्र वितरित किया गया।बताते चलें कि उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा 7720 लेखपालों का चयन किया गया है।जिसमें जनपद अमेठी के लिए 83 लेखपालों में से 45 लेखपालों को लखनऊ में आयोजित मुख्यमंत्री के द्वारा नियुक्ति पत्र वितरित किया गया।तथा 20 लेखपालों को कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी में जन प्रतिनिधियों एवं जिलाधिकारी द्वारा नियुक्ति पत्र वितरित किया गया।अन्य शेष लेखपालों की नियुक्ति की कार्यवाही संबंधित उपजिलाधिकारियों द्वारा की जा रही है।इस अवसर पर जन प्रतिनिधियों एवं जिलाधिकारी ने नव चयनित लेखपालों को नियुक्ति पत्र वितरित कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अपने पदीय कार्यों एवं दायित्वों का कुशलता पूर्वक एवं पूर्ण जिम्मेदारी के

सिद्धपीठ श्री हनुमानगढ़ी में 1100 घण्टे में (10000000) एक करोड़ स्ट्रोक कपालभाति प्राणायाम करने का बनाया विश्व कीर्तिमान

अयोध्या की धरती से स्वामी महेश योगी ने रचा एक नया इतिहास

- 1980 घंटे में लगभग 1 करोड़ 51 लाख स्ट्रोक कपालभाति करने का रहा कठोर दृढ़ संकल्प

जन एक्सप्रेस। अयोध्या

सिद्धपीठ श्री हनुमानगढ़ी बसंतिया पट्टी के लोकप्रिय संत, श्री हनुमान जी के अनन्य भक्त, डा. महेश दास उर्फ स्वामी महेश योगी ने हनुमान जी को साक्षी मानकर 2 अप्रैल 2024 से अन्न का त्याग कर प्रतिदिन 11 घंटे कपालभाति करने का संकल्प लिया था। आज सिद्धपीठ श्री हनुमानगढ़ी में श्री हनुमान जी के सम्मुख (प्रातः 4 बजे) मंगला आरती से (रात्रि 11बजे) शयन आरती तक कपालभाति किया तथा अनवरत साधना के सौ दिन पुर्ण हुए। इन्होंने 100 दिन की साधना पुर्ण करने के साथ ही लगभग 1100 घण्टे में कपालभाति प्राणायाम के एक करोड़ स्ट्रोक लगाकर एक आश्चर्य जनक विश्व कीर्तिमान बनाकर पूरी दुनिया में अयोध्या धाम का गौरव बढ़ाया है।
स्वामी महेश योगी ने निराहार रहकर लगातार 80 दिनों में अष्टसिद्धि योग साधना पूर्ण की तत्पश्चात अब 71 दिनों तक रूद्र राजयोग की साधना कर रहे हैं। स्वामी जी की यह साधना एक कठोर दृढ़ संकल्प की पूर्ति के लिए है इनका उद्देश्य है भारत के चारों दिशाओं में चार दिव्य योगधाम की स्थापना करना है, जिसमें (पश्चिम भारत गुजरात में रूद्र धाम, उत्तर भारत जम्मू कश्मीर में हनुमत धाम,

दक्षिण भारत केरल में रामेष्ठ धाम, पूर्वी भारत मेघालय में पिगाक्ष धाम) तथा अयोध्या की पावन भूमि पर ब्रह्मर्षि वशिष्ठ योगपीठ की स्थापना। यह योग धाम आध्यात्मिक केंद्र के साथ-साथ प्राचीन भारतीय संस्कृति के अनुरूप योगतत्व, ज्ञानतत्व, ऋषि दर्शन, वैदिक दर्शन, धार्मिक शिक्षा व साधना का प्रमुख केन्द्र होगा जहां से भारत की भावी पीढ़ी सनातनी संस्कार ग्रहण कर सके जिससे योग, आध्यात्म, तप, साधना, संस्कार एवं अनुसंधान के पथ पर नए भारत का अभ्युदय हो और भारत विश्वगुरु के रूप में पुनर प्रतिष्ठित हो।14 वर्ष की उम्र से ही संत जीवन में रह रहे स्वामी महेश योगी ने पूर्व में भी अनेकों आश्चर्यजनक विश्व कीर्तिमान स्थापित किया है। शिक्षा जगत के कई बड़े पदों पर भी कार्य कर चुके हैं। योग, कला, साहित्य व आध्यात्म के क्षेत्र में अपने साधक शिष्यों के साथ अंतरराष्ट्रीय फलक पर अब तक 114 विश्व कीर्तिमान स्थापित कर दुनिया के फलक पर अयोध्या समेत भारत का गौरव बढ़ाया है।
जिसके उपलक्ष्य में उन्हें अनेकों विश्व खिताबों के साथ साथ भारत गौरव सम्मान, जयप्रकाश नारायण (जेपीअवार्ड), गवर्नर अवॉर्ड, पूर्वांचल गौरव सम्मान, अयोध्या गौरव, सिद्धार्थ नगर रत्न, साहित्य भूषण, कला शिक्षक श्री, राष्ट्रीय योग रत्न, महर्षि धन्वंतरि सम्मान आदि विविध सम्मान प्राप्त हैं। सन 2022 में चित्रकूट, तुलसी पीठाधीश्वर, पद्म विभूषण, जगदुरू श्री रामभद्राचार्य जी महाराज ने स्वामी महेश योगी को ष् ब्रह्मर्षि ष् की उपाधि से भी विभूषित किया।

janexpressnews janexpresslive janexpresslive

लखनऊ एक्सप्रेस

तापमान

	अधिकतम	न्यूनतम
लखनऊ	33°C	27°C
कानपुर	33°C	27°C
देहरादून	31°C	25°C
नई दिल्ली	38°C	28°C

www.janexpresslive.com/epaper | हिंदी दैनिक, जन एक्सप्रेस । | लखनऊ । गुरुवार । 11 जुलाई 2024

सीएम योगी ने वितरित किए नियुक्ति पत्र

बोले, पहले जिले एक परिवार में बंटते थे और चाचा-भतीजा वसूली करते थे

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लोकभवन में आयोजित मिशन रोजगार कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के तहत चयनित 7720 लेखपालों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर सीएम योगी ने नवचयनित लेखपालों को उनके कर्तव्यों के प्रति आगाह किया। उन्होंने कहा कि ये नियुक्ति प्रक्रिया पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ संपन्न हुई है। इसमें कहीं कोई भेदभाव नहीं हुआ, कोई सिफारिश की आवश्यकता नहीं पड़ी। ऐसे में ये आपकी जिम्मेदारी बनती है कि बिना किसी सिफारिश के प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के साथ ही एक गरीब की ईज ऑफ लिविंग के लिए आपको अपने स्तर पर विशेष कार्य करना है। एक गरीब के जीवन के लिए आपकी ऊर्जा और प्रतिभा लगे, निवेश की संभावनाओं में आपका सकारात्मक सहयोग मिले, जाति,

निवास, आय प्रमाणपत्र के लिए जो समय सीमा तय की गई है उसके अनुसार आम जनमानस और युवाओं को सहयोग प्राप्त हो। वरासत, नामांतरण और पैमाइश से जुड़ी कार्यवाही समय से पूरी हों। लोगों के बीच में आपकी अच्छी छवि बने और लेखपाल के नाम से लोग घबराएं नहीं। कार्यक्रम के दौरा सीएम योगी के समक्ष मिशन रोजगार को लेकर एक लघु फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया। लोकभवन के साथ ही विभिन्न कमिश्नरी में भी कार्यक्रम का लाइव आयोजन किया गया। उन्होंने प्रदेश की पूर्ववर्ती सपा सरकार पर हमला करते हुए कहा कि 2017 से पहले भर्ती प्रक्रिया में तमाम समस्याएं थीं। एक परिवार आपस में जिले बांट लेता था और चाचा-भतीजे वसूली पर निकल जाते थे लेकिन नियुक्ति प्रक्रिया में निष्पक्षता से युवाओ में विश्वास आया है। युवाओं का विश्वास ही हमारी ताकत है। उन्होंने कहा कि ये वही प्रदेश है जब यहां का युवा बाहर जाता था तो पहले ही छांट दिया जाता था लेकिन आज युवा का सम्मान होता है। लोग

जल्द पूरी की जाएंगी 4700 नई नियुक्तियां

सीएम योगी ने कहा कि इस नियुक्ति प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने के लिए 2022 में राजस्व विभाग ने अपना अधियाचन अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को दिया था। चयन की प्रक्रिया पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ आयोग ने संपन्न की लेकिन कुछ लोगों की फितरत होती है कि हर अच्छे कार्य में रोड़ा अटकाया जाए। नवचयनित लेखपालों के नियुक्ति पत्र वितरण में भी रोड़े अटकाने के कार्य हुए, लेकिन राजस्व विभाग और अधीनस्थ सेवा चयन आयोग इसके लिए लड़ा और अंततः सुप्रीम कोर्ट से भी फैसला अपने पक्ष में करके आज 7720 नवचयनित युवाओं को उनकी आकांक्षा के अनुरूप ये नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा रहे हैं। यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद 4700 और नई नियुक्ति के अधियाचन हम भेज चुके हैं और जल्द ही उस प्रक्रिया को भी पूर्ण करने वाले हैं। इस प्रक्रिया के पूरा होते ही 3837 लेखपाल जो प्रदेश में नियुक्त होने चाहिए, उनकी संख्या पूरी हो जाएगी।

समझ गए हैं ये नया उत्तर प्रदेश है। नए युवा हैं। सीएम योगी ने नव चयनित लेखपालों से अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आपका जनता के बीच नजदीकी जुड़ाव होता है। किसी को पट्टे की जमीन देनी है, किसी को वरासत का कार्य करना है, किसी के नामांतरण का कार्य करना है, कृषि को अकृषि घोषित करते हुए निवेश की संभावना को आगे बढ़ाना है, कहीं पर पैमाइश की कार्यवाही को बढ़ाना है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में एक फुट, दो फुट के लिए हिंसक घटनाएं होती हैं। अगर हम समय पर पैमाइश करके सीमांकन कर लें तो कोई विवाद नहीं होगा। कोई दबंग भूमाफिया जबर्दस्ती सरकारी या गरीब की जमीन पर कब्जा कर रहा है तो वहां एंटी भूमाफिया टास्क के साथ जाकर हम बड़ी कार्रवाई करें। कहीं पर निवेश के लिए कोई प्रस्ताव आया है तो उसको समयबद्ध तरीके से

प्रदेश की नई पहचान को बरकरार रखने के लिए लगानी होगी ऊर्जा

2017 के पहले की तस्वीर सबने देखी है। लेखपालों के आधे पद खाली पड़े थे क्योंकि भर्ती नहीं होती थी। भर्ती की प्रक्रिया में तमाम होल थे। प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही चाचा-भतीजे की जोड़ी वसूली के लिए निकल पड़ती थी और पूरे खानदान को जिले आवंटित हो जाते थे। ये वही उत्तर प्रदेश है जिसका युवा बाहर कहीं जाता था तो उसे पहले ही साइड कर दिया जाता था। कुछ जिलों की छवि तो ऐसी बना दी गई थी कि लोग नौकरी की बात तो दूर होटल और धर्मशाला में भी जगह नहीं देते थे। आज युवा कहीं भी जाएगा बड़े सम्मान की निगाहों से देखा जाता है, क्योंकि उन्हें मालूम है कि यह नए उत्तर प्रदेश का नया युवा है, इसकी प्रतिभा का लोहा दुनिया मान रही है। ये जो कार्य हुए हैं, उसने उत्तर प्रदेश को एक पहचान दी है। यह जो नई पहचान बनी है, उसे बरकरार रखने की आवश्यकता है और इसमें पूरी ताकत और ऊर्जा लगानी है। इस अवसर पर वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, अध्यक्ष राजस्व परिषद डॉ रजनीश दुबे, प्रमुख सचिव राजस्व पी गुरु प्रसाद, राजस्व विभाग के अधिकारीगण मौजूद रहे।

प्रदेश में निवेश और योजनाओं से करोड़ों नौकरियों का हुआ सृजन

सीएम योगी ने प्रदेश में मिशन रोजगार को लेकर कहा कि पिछले 7 वर्ष में आपने देखा होगा कि प्रदेश सरकार नियुक्ति की प्रक्रिया को पूरी इमानदारी और बिना भेदभाव के युवा की योग्यता और उनकी क्षमता के अनुरूप आगे बढ़ा रही है। इसी का परिणाम है कि 6 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान की गई है और आज वो सभी युवा अलग-अलग क्षेत्र में प्रदेश के विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। प्रदेश में एक लाख 55 हजार से अधिक पुलिस कार्मिकों की नियुक्ति की गई है, जबकि 1 लाख 54 हजार से अधिक शिक्षकों की भर्ती की प्रक्रिया को पूरा किया गया। इसके अतिरिक्त अन्य विभागों में भी इसी प्रकार की भर्तियों की प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा किया गया है। सीएम ने कहा कि प्रदेश में अब तक हमारी सरकार 15 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश को धरातल पर उतार चुकी है। हमारे पास अभी लगभग 30 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव बाकी है, जिन्हें धरातल पर उतारने की कार्यवाही चल रही है। प्रदेश में निवेश का बेहतरीन माहौल बना है, एमएसएमई सेक्टर को प्रोत्साहित करने का कार्य हुआ, इन सबसे भी हमने प्रदेश में एक करोड़ 62 लाख युवाओं को अपने ही जनपद में नौकरी की संभावनाएं उपलब्ध कराई हैं। पहली बार इतनी बड़ी संख्या में अपने जनपद और गांव में रोजगार की सुविधा प्राप्त हुई। यही नहीं, प्रदेश ने स्वरोजगार के लिए भी केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को आगे बढ़ाने का कार्य किया, जिससे प्रदेश में 62 लाख लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ। आज इसी का परिणाम है कि यूपी का अनइंप्लायमेंट रेट तेजी से नीचे गिर रहा है और अधिक से अधिक युवाओं को नौकरी व स्वरोजगार से जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ है।

आगे बढ़ा दें। बाढ़ जैसी आपदा में समय पर लोगों को राहत दे दें। कृषक दुर्घटना बीमा में कृषक, उसके परिवार के किसी सदस्य या फिर बटाईदार और उसके परिवार के सदस्य की किसी आपदा में मृत्यु होने पर समयबद्ध तरीके से राहत की धनराशि उसके परिवार को मिल जाए। गलत तरीके से कोई भी कार्य न करें और टेक्नोलॉजी का उपयोग करें। राजस्व की पूरी व्यवस्था ही डिजिटाइज हो रही है। लैपटाप और टैबलेट उपलब्ध कराने की कार्यवाही को ट्रेनिंग के समय से ही जोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में निवास करने वाला कोई भी व्यक्ति अगर परंपरागत रूप से ग्राम समाज की आबादी की जमीन पर मकान बनाकर रह रहा है तो उसकी जमीन का मालिकाना हक उसे घरौनी के माध्यम से मिल सके। अब तक 63 लाख से ज्यादा लोगों को हमने यह व्यवस्था दे दी है और हमारा प्रयास है कि इस वर्ष तक सभी 1.25 करोड़ परिवारों को यह सुविधा उपलब्ध करा देंगे।

मंदबुद्धि महिला के परिजन मिले, पुलिस का दिखा सराहनीय कार्य

- सड़क पर पड़ी चोटिल महिला को पुलिस ने अस्पताल में कराया था भर्ती
- पुलिस की कड़ी मेहनत एवं खोजबीन के बाद मंदबुद्धि महिला परिजनों से मिली

जन एक्सप्रेस
खबर का असर

पीयूष द्विवेदी

इटौंजा लखनऊ। लखनऊ कमिश्नरेट उत्तरी जोन के इटौंजा थाना क्षेत्र अंतर्गत बीते मंगलवार सुबह माल रोड स्थित गुराही गांव के सामने एक अज्ञात महिला जोकि मंदबुद्धि चक्कर आ जाने से सड़क पर मुंह के भल गिर पड़ीं थी। राहगीरों ने स्थानीय पुलिस एवं स्वास्थ्य विभाग 108 नंबर मिलाकर एंबुलेंस को घायल महिला की जानकारी दी, वहीं इसी सूचना पर पहुंचे दरोगा तेजवीर सिंह ने स्थानीय लोगों की मदद से महिला को एंबुलेंस में बैठवाया और इटौंजा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां अज्ञात महिला का इलाज किया जा रहा था। बता दे कि छोटी महिला मंदबुद्धि की खबर छपने के बाद खबर का असर हुआ और पुलिस रात भर कड़ी मशक्कत व मेहनत के बाद महिला के परिजनों से महिला को मिलने में कामयाब हो गई। मंगलवार को दिनभर महिला का नाम व महिला का पता नहीं चल पाया महिला की खबर अज्ञात से संवाददाता को लिखनी पड़ी थी वही इटौंजा थाना प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कड़ी मेहनत करते हुए महिला के परिजनों का पता लगाकर महिला से मिलवाया। पुलिस के इस कार्य से क्षेत्रीय लोग पुलिस की तारीफ एवं प्रशंसा कर रहे हैं।

डीसीपी व एसीपी के नेतृत्व में इटौंजा थाना प्रभारी निरीक्षक ने मंदबुद्धि महिला को परिजनों से मिलवाने में पाई कामयाबी

लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट उत्तरी जोन डीसीपी अभिजीत आर शंकर के पर्यवेक्षण में बीकेटी एसीपी सुजीत दुबे के निर्देशन में इटौंजा थाना प्रभारी निरीक्षक मार्कंडण्य यादव ने मानसिक विक्षिप्त महिला को उनके परिजनों के सकुशल सुपुर्द किया। बता दें कि इटौंजा थाना प्रभारी निरीक्षक मार्कंडण्य यादव के नेतृत्व में दरोगा धीरेन्द्र राय तेजवीर सिंह व जाहिद सिपाही पुलिस बल के साथ माल रोड पर भ्रमणशील दौराने गस्त करते समय गुराही गांव पेट्रोल पंप के पास सड़क के किनारे एक विक्षिप्त मंदबुद्धि महिला मिली जो अपना नाम पता कुछ नही बता पा रही थी। इटौंजा थाना स्थानीय पुलिस टीम मय महिला आरक्षी द्वारा इलाज के दृष्टिगत उक्त महिला को प्रथम दृष्टया सीएचसी इटौंजा भेजा गया तथा इलाज कराया गया। वहीं इटौंजा थाना प्रभारी निरीक्षक मार्कंडण्य यादव ने बताया कि अर्धविक्षिप्त मंदबुद्धि महिला के बारे मे एवं परिजनों के विषय में भी जानकारी करने का काफी प्रयास किया गया तो जानकारी हुई कि उसका नाम पुष्पा पत्नी गुड्डू निवासी मुबारकपुर थाना सैरपुर जनपद लखनऊ जो झलकारी बाई अस्पताल में बच्चो की देखरेख में संविदा पर कार्यरत थी, उनके पति की मृत्यु 10 वर्ष पहले हो गई थी और पति की मृत्यु के बाद पारिवारिक तनाव व अवसाद के कारण दिनांक 11/06/2024 को अर्धविक्षिप्त मंदबुद्धि अवस्था मे घर से निकल गयी थी और इनका मायका ग्राम गंजरहा पुरवा सेक्टर-8 थाना विकास नगर लखनऊ का होना पाया गया है, थाना प्रभारी ने बताया कि मंदबुद्धि महिला के परिजनों से सम्पर्क कर उनके भाई बहन और माता को महिला से मिलाया गया तथा जिनके द्वारा मंदबुद्धि महिला की शिनाख्त की गई। महिला को सकुशल उनके भाई प्रेम को सुपुर्द किया गया है। वहीं इटौंजा पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र की जनता एवं उनके परिजनों द्वारा आभार व्यक्त करते हुए भूरि-भूरि प्रशंसा की गई है।

गैर जनपद में स्थानांतरित होने के बावजूद मनमाने तरीके से लेखपाल कर रहें हैं कार्य

- जोन-6 के जेहटा गांव में तैनात लेखपाल का हुआ गैर जनपद ट्रांसफर उसके बावजूद भी कर रहें हैं कार्य

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

चकबंदी लेखपाल सैफुल हक संबंध नगर निगम लखनऊ का स्थानांतरण बाराबंकी से कानपुर नगर हो जाने के बावजूद भी बिना किसी सक्षम अधिकारी के आदेश के नगर निगम जोन- 6 ग्राम जेहटा लखनऊ में कार्य कर रहे हैं, सूत्रों ने बताया कि एक जनपद से दूसरे जनपद में ट्रांसफर हो जाने के बाद कर्मचारियों को उसे जनपद में ज्वाइन करना पड़ता है, उसके बावजूद भी नगर निगम लेखपाल सैफुल हक नगर निगम क्षेत्र के जेहटा मैं बिना किसी आदेश के कार्य कर रहें हैं।

> हमें इस संबंध में जानकारी नहीं है चकबंदी कार्यालय से पता लग सकता है
> -संजय सिंह, तहसीलदार नगर निगम लखनऊ

> चकबंदी निदेशालय से बाराबंकी से इनका कानपुर नगर के लिए ट्रांसफर हुआ है कल आए थे लेकिन ज्वाइन नहीं किया बड़े बाबू ने बताया
> -मोहम्मद असलम, बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी कानपुर नगर

समीक्षा अधिकारियों और सहायक समीक्षा अधिकारियों ने किया प्रदर्शन, अपर मुख्य सचिव को सौपा मांगपत्र

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

उत्तर प्रदेश सचिवालय सेवा के समीक्षा अधिकारियों और सहायक समीक्षा अधिकारियों ने आज अपर मुख्य सचिव सचिवालय प्रशासन के कार्यालय के समक्ष अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया।कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि अगर कल तक समाधान नही निकला तो मुख्य सचिव से गुहार लगाई जायेगी।जबरन थोपे जा रहे आदेश हम नही मानेंगे। एसीएस के.रविन्द्र नायक को अपनी समस्याओं से सम्बंधित मांगपत्र सौपकर समाधान की मांग की।

इटौंजा विद्युत उपखण्ड एस.डी.ओ ने संभाला कार्यभार, कहा ईमानदारी से निष्पक्ष करेंगे काम

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

लखनऊ जिले के जानकीपुरम डिवीजन क्षेत्र के अंतर्गत इटौंजा विद्युत उपखण्ड एसडीओ राजकुमार यादव का पिछले दिनों स्थानांतरण हो गया था। वहीं बुधवार को नवनवागत एस.डी.ओ पवन सिंह ने इटौंजा विद्युत उपखण्ड का कार्यभार संभाल लिया। वहीं कार्यभार संभालते ही एसडीओ पवन सिंह ने इटौंजा पावर हाउस केंद्र के सभी जगह का निरीक्षण किया, और तैनात कर्मचारियों से वार्ता कर अन्य जानकारी प्राप्त की। इस मौके पर इटौंजा विद्युत उपखण्ड जेई योगेश यादव ने फूल देकर एस.डी.ओ पवन सिंह का स्वागत किया। इस मौके पर पवन सिंह एसडीओ ने बताया कि निष्पक्ष एवं ईमानदारी से सभी का काम करना है, विद्युत की सप्लाई एवं अन्य विषयों पर काम कर समस्या का समाधान करना है।

गोमती नदी का जलस्तर बढ़ने से तराई इलाकों के गांवों में झोपड़ी व सड़कों पर भरा पानी

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

लखनऊ जिले के बख्शी का तालाब तहसील क्षेत्र इटौंजा थाना अंतर्गत सुल्तानपुर, बहादुरपुर, अकडरियां कलां, अकडरियां खुर्द, लासा,हरदा कॉलोनी, हीरापुरवा, दुघरा, जमखनवां,इन गांवों में बाढ़ की धान की बेंड, भिन्डी,तुराई, लौकी,बजरा अन्य फसलें बर्बाद हो गई है और गांव के लोगों में बाढ़ की आशंका को लेकर दहशत दिख रही है। बता दें कि बीते कई दिनों से हो रही बरसात व नेपाल से छोड़ा गया पानी से गोमती नदी का जलस्तर भी बढ़ने लगा है। पीलीभीत लखीमपुर होते हुए सीतापुर होकर यह पानी गोमती नदी में आकर मिल जाता है जिससे जलस्तर बढ़ने से नदी के किनारों पर बसे गांवों के लोगों को परेशान कर दिया है। वहीं माल रोड से लासा गांव को जोड़ने वाली सड़क पर पानी बह रहा है और लासा अकड़रिया खुर्द गांव के पास बनी झोपड़ी में पानी घुस गया है वहां पर जानवरों को काफी दिक्कत हो रही हैं। हर रोज सुबह गोमती नदी का जलस्तर बढ़ा मिलता है। हालांकि मुख्य गांवों के जोड़ने वाले मार्ग अभी पानी से काफी दूर है और खेतों खलिहानों एवं अन्य जगहों पर पानी भर गया है जिससे कि लोगों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस के अवसर पर दो मत्स्य अधिकारी प्रशस्ति पुरस्कार से सम्मानित

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

भाकृअनूप राष्ट्रीय मत्स्य आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो द्वारा 10 जुलाई को राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस के अवसर पर, मत्स्य के क्षेत्र में किए गए अच्छे कार्यों को लेकर मत्स्य विकास अधिकारी हेमंत कुमार वर्मा व विवेक निगम को निदेशक राष्ट्रीय मत्स्य आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो डॉक्टर उत्तम कुमार सरकार द्वारा प्रशस्ति पुरस्कार देकर किया गया सम्मानित।

भ्रष्टाचार और पद का दुरुपयोग करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों पर चला सीएम योगी का चाबुक

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

भ्रष्टाचार में लिप्त और पद का दुरुपयोग करने वाले सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों पर फिर एक बार सीएम योगी का चाबुक चला है। जनपद फिरोजाबाद के अंतर्गत सिरसागंज तहसील में गलत तरीके से भूमि का विक्रय करने, संदिग्ध रूप से अपने करीबियों को जमीन दिलाने के मामले में कड़ा एक्शन लेते हुए सरकार ने यहां उप जिलाधिकारी, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, लेखपाल और पेशकार को सस्पेंड कर दिया है। जांच के लिए गठित कमेटी की अनुशंसा के बाद यह कार्रवाई की गई है। शासन की ओर से डीएम को इनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई के साथ-साथ एफआईआर कराने के भी निर्देश दिए गए हैं। वहीं, प्रदेश सरकार के सतर्कता विभाग की ओर से इन सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की जांच के भी निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश के सतर्कता विभाग की ओर से उपजिलाधिकारी विवेक राजपूत, नायब तहसीलदार नवीन कुमार, राजस्व निरीक्षक मुकेश कुमार सिंह, लेखपाल अभिलाष सिंह और उपजिलाधिकारी के रीडर प्रमोद शाक्य की आय से अधिक संपत्ति की जांच के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, शासन की ओर से इन सभी के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई के साथ विधिक कार्रवाई (एफआईआर) किए जाने की संस्तुति की गई है।

गलत तरीके से जमीन हड़पने का है मामला

उपजिलाधिकारी, फिरोजाबाद विवेक राजपूत द्वारा सिरसागंज तहसील में तैनाती के दौरान जून 2024 में ग्राम रुधैनी की जमीन से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए अवर न्यायालय द्वारा पारित आदेश को खारिज कर संदिग्ध रूप से आदेश पारित किया गया। आदेश के महज 5 दिन के अंदर अनियमित तरीके से पद का दुरुपयोग करते हुए भूमि अपने गृह जनपद के निवासियों एवं अन्य सगे संबंधियों को दिला दी गई। इस मामले में प्रथम दृष्टया उत्तरदायी पाते हुए उत्तर प्रदेश शासन ने विवेक राजपूत को तत्कालीन प्रभाव से निलंबित कर दिया तथा विभागीय कार्रवाई की संस्तुति कर दी है। इसी प्रकार, प्रभारी तहसीलदार/नायब तहसीलदार नवीन कुमार पर भी पद का दुरुपयोग कर राजस्व अधिकारियों की मिली भगत से जमीन हड़पने एवं सरकारी सेवक आचरण नियमावली के उल्लंघन पर कार्यालय राजस्व परिषद ने कार्रवाई करते हुए निलंबित कर दिया। लेखपाल अभिलाष सिंह को भी जमीन हड़पने व फसल बर्बादी के संबंध में की गई शिकायत की जांच में दोषी पाए जाने पर उपजिलाधिकारी द्वारा निलंबित किया गया और विभागीय कार्रवाई के साथ-साथ एफआईआर के भी निर्देश दिए गए हैं।

मायावती का आरोप, हाथरस कांड की एसआईटी रिपोर्ट राजनीति से प्रेरित, भोले बाबा पर चुप्पी चिंता का कारण

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

बसपा सुप्रीमो मायावती ने हाथरस कांड पर पेश की गई एसआईटी रिपोर्ट को राजनीति से प्रेरित बताया है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में मुख्य आयोजक भोले बाबा पर खामोशी चिंता का कारण है। पूरे घटनाक्रम में उसे क्लीनचिट देने का प्रयास किया गया है। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा कि यूपी के जिला हाथरस में सत्संग भगदड़ कांड में हुई 121 निर्दोष महिलाओं व बच्चों की दर्दनाक मौत सरकारी लापरवाही का जीता-जागता प्रमाण है किन्तु एसआईटी द्वारा सरकार को पेश रिपोर्ट घटना की गंभीरता के हिसाब से नहीं होकर राजनीति से प्रेरित ज्यादा लगती है। यह अति-दुःखद है। उन्होंने कहा कि इस अति-जानलेवा घटना के मुख्य आयोजक भोले बाबा की भूमिका के सम्बंध में एसआईटी की खामोशी भी लोगों में चिन्ताओं का कारण है।

और बढ़ा कालानमक धान का क्रेज

- पिछले साल की तुलना में बीज की बिक्री करीब 20 फीसदी बढ़ी
- छत्तीसगढ़, बिहार, एमपी, राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तराखंड और हरियाणा से भी आई मांग

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर जबसे कालानमक धान को सिद्धार्थनगर का ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद) घोषित किया गया है तबसे इसका क्रेज बढ़ता जा रहा है। पिछले साल की तुलना में बीज की बिक्री में करीब 20 फीसदी की वृद्धि इसका सबूत है। यही नहीं स्वाद, सुगंध और पौष्टिकता में बेमिसाल होने के नाते अन्य राज्यों में भी इसका विस्तार हो रहा है। इस साल छत्तीसगढ़, बिहार, एमपी, राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तराखंड और हरियाणा से भी बीज की ठीकठाक मांग आई है। कालानमक धान पर दो दशक से काम कर रहे पद्मश्री से सम्मानित कृषि वैज्ञानिक डॉ. आरसी चौधरी के अनुसार उनके पास जितने बीज की मांग जीआई वाले पूर्वांचल के 11 जिलों से आई है लगभग उतनी ही मांग छत्तीसगढ़ से भी निकलने का अनुमान है। बीज की बढ़ी मांग की तस्दीक गोरखपुर के बड़े बीज बिक्रेता उत्तम बीज भंडार के श्रद्धानंद तिवारी भी करते हैं। उनके मुताबिक पिछले साल के मुकाबले कालानमक धान के बीज की मांग अधिक है। इसी नाते आपूर्तिकर्ता कंपनियों की संख्या भी खासी बढ़ी है। प्रतियोगिता के नाते दाम भी वाजिब है। दोनों लोंगों का कहना है कि आज कालानमक धान का जो भी क्रेज है उसकी एकमात्र वजह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का निजी प्रयास है।

मात्र सात साल में करीब चार गुना हुआ रकबा

कृषि वैज्ञानिक डॉ. आरसी चौधरी के मुताबिक पिछले साल कालानमक धान का रकबा सिर्फ जीआई वाले जिलों में करीब 80 हजार हेक्टेयर था। 2024 में बीज बिक्री के अबतक के आंकड़ों के अनुसार यह एक लाख हेक्टेयर तक पहुंच जाएगा। अन्य जिलों और प्रदेशों को शामिल कर लें तो यह रकबा अपेक्षा से बहुत अधिक होगा। मात्र सात साल में इसके रकबे में करीब चार गुना वृद्धि हुई। 2016 में इसका रकबा सिर्फ 2200 हेक्टेयर था, जो 2022 में बढ़कर 70 हजार हेक्टेयर से अधिक हो गया। 2024 में इसके एक लाख हेक्टेयर से अधिक होने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री की निजी रुचि की वजह से हुआ यह चमत्कार

कालानमक धान की इस लोकप्रियता के पीछे योगी सरकार की बड़ी भूमिका है। सिद्धार्थनगर का ओडीओपी घोषित करने के बाद से सरकार ने इसे लोकप्रिय बनाने के लिए कई प्रयास किए। मुख्यमंत्री के निर्देश पर शासन के उच्चाधिकारियों ने किसानों के साथ सिद्धार्थनगर जाकर बैठकों के साथ फील्ड विजिट किया। किसानों से उनकी समस्याएं जानीं। सरकार की ओर से कपिलवस्तु में कालानमक महोत्सव का शुभारंभ खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। कुशीनगर में आयोजित अंतराष्ट्रीय बौद्ध महोत्सव में आये बौद्ध देश के अतिथियों को गिफ्ट हैंपर के रूप में कालानमक चावल दिया गया। खास अवसर पर खास अतिथियों को दिए जाने गिफ्ट हैंपर में कालानमक अनिवार्यतः होता ही है। दो साल पहले मुख्यमंत्री ने सिद्धार्थनगर में कालानमक के लिए कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) का लोकार्पण भी किया था। इसमें कालानमक के ग्रेडिंग, पैकिंग से लेकर हर चीज की अत्याधुनिक सुविधा एक ही छत के नीचे मिल जाती है। योगी सरकार के इन सारे प्रयासों का नतीजा सबके सामने है। यही नहीं, दो साल पहले प्रधानमंत्री ननरेंद्र मोदी ने कालानमक को लोकप्रिय बनाने के लिए वहां के तत्कालीन जिलाधिकारी दीपक मीणा को सम्मानित भी किया था।

जन एक्सप्रेस

सम्पादकीय

बढ़ती आबादी के मुकाबले सुविधाओं का स्तर

साल 2030 तक, पृथ्वी पर कामकाजी हर पांच लोगों में से एक भारतीय होगा। हाल ही में, मानव विकास संस्थान और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने भारत रोजगार रिपोर्ट 2024 नामक एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें बताया गया है कि भारत बढ़ती युवा बेरोजगारी दर से जूझ रहा है। भारत के बेरोजगार कार्यबल में लगभग 83 प्रतिशत युवा हैं, और कुल बेरोजगारी में माध्यमिक या उच्च शिक्षा प्राप्त युवाओं की हिस्सेदारी 2000 में 35.2 प्रतिशत से लगभग दोगुनी होकर 2022 में 65.7 प्रतिशत हो गई है। देश में बेरोजगारी का आलम से तो सभी वाकिफ है ही।

विश्व के सबसे बड़े युवा आबादी वाले देश के रूप में भारत है, देश में क्षेत्रफल की तुलना में आबादी हद से ज्यादा बढ़ चुकी है, जिससे विकास का चक्र धीमा होकर समाज के हर वर्ग और हर नागरिक तक सुविधाएं पहुंचाना मुश्किल हो जाता है। विभिन्न परिस्थितियों के कारण हर किसी को आगे बढ़ने का मौका नहीं मिलता या आवश्यक विकास संभव नहीं हो पाता, जिससे देश में संसाधनों का अत्यधिक दोहन, गलिच्छ बस्तियां, अशुद्ध वातावरण, प्रदूषण, अशुद्ध हवा-पानी, निम्न जीवनमान जैसी समस्याओं का निर्माण होता है और आगे ये समस्याएं आर्थिक असमानता, भुखमरी, कुपोषण, बेरोजगारी, महंगाई, नशाखोरी, अपराधवृत्ति, मिलावटखोरी, भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं को तेजी से बढाती है, लोग अपने स्वार्थ के हिसाब से जीने लगते हैं और नैतिकता, नीति-नियम, सामूहिक जिम्मेदारी, देश के प्रति कर्तव्य भावना बस नाम के लिए रह जाती है। अन्नदाता किसानों की आत्महत्याएं रुकने का नाम नहीं ले रही है। हर वर्ग के सर्वांगीण विकास के लिए सरकारी योजनाएं, आयोग, कानून, नीतियां, मंत्रालय, विभाग, संगठन होकर भी लोग समस्याओं से जूझते है क्योंकि उन्हें उचित सुविधाएं आवश्यकता अनुसार नहीं मिल रही है। विश्व के कई विकसित देशों की जनसंख्या के मुकाबले हमारे देश के एक-एक राज्य की जनसंख्या है। नवीनतम संयुक्त राष्ट्र डेटा वर्ल्डोमीटर विस्तार के आधार पर, 1 जुलाई, 2024 तक भारत की वर्तमान जनसंख्या 1,441,696,095 थी। भारत की जनसंख्या विश्व की कुल जनसंख्या का 17.76 प्रतिशत है। जनसंख्या के आधार पर भारत नंबर 1 पर है। बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के अनुसार सितंबर 2023 तक देश पर 205 लाख करोड़ रुपया कर्ज हो गया, पिछले दस साल में 150 लाख करोड़ कर्ज बढ़ गया, जबकि 2004 में कर्ज 17 लाख करोड़ रुपये था। विश्व आर्थिक मंच रिपोर्ट 2021 अनुसार, भारत की शिक्षा की गुणवत्ता दुनिया में 90 वें स्थान पर है, ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक 2023 में भारत 180 देशों में से 93वें स्थान पर है। 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत की झुग्गी-झोपड़ियों की आबादी लगभग 6.5 करोड़ है जो शहरी भारत का 17 प्रतिशत और भारत की कुल आबादी का 5.4 प्रतिशत है। 2011 में, महाराष्ट्र में झुग्गियों में रहने वाली आबादी 1.18 करोड़ थी, इसके बाद आंध्रप्रदेश में लगभग 1.02 करोड़ थी। देश में संपत्ति व आय प्राप्ति में बहुत असमानता है, जो लगातार बढ़ रही है। भारत में संपत्ति असमानता से पता चलता है कि शीर्ष 10 फीसदी आबादी के पास कुल राष्ट्रीय संपत्ति का 77 प्रतिशत हिस्सा है, सबसे अमीर 1 फीसदी के पास देश की 53 प्रतिशत संपत्ति है, जबकि सबसे गरीब में से आधे लोगों के पास राष्ट्रीय संपत्ति का केवल 4.1 प्रतिशत हिस्सा है। विश्व असमानता रिपोर्ट 2022 के अनुसार, शीर्ष 10 फीसदी के पास कुल राष्ट्रीय आय का 57 प्रतिशत है तथा शीर्ष 1 फीसदी के पास राष्ट्रीय आय का 22 प्रतिशत है। सबसे निम्न 50 फीसदी की हिस्सेदारी 13 प्रतिशत हो गई है। देश के कुल वस्तु एवं सेवा कर अर्थात जीएसटी का लगभग 64 प्रतिशत पैसा नीचे की 50 फीसदी आबादी से आया, जबकि केवल 4 प्रतिशत शीर्ष 10 फीसदी से आया। एफएओ, आईएफएडी, यूनिसेफ, डब्ल्यूएफपी और डब्ल्यूएचओ की संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया की 42.1 प्रतिशत आबादी को स्वास्थ्यवर्धक पोषक भोजन तक पहुंच नहीं है, जबकि भारतीय आबादी के लिए यह आंकड़ा 74.1 प्रतिशत है।

एक्सप्रेस आलेख

चीन में 1980 से पहले केवल एक बच्चा पैदा करने की अनुमति थी, जिसका उल्लंघन करने पर दम्पति को न केवल सरकारी योजनाओं से वंचित कर दिया जाता था बल्कि सजा भी दी जाती थी लेकिन वहां यह नीति सफल नहीं हुई। इसीलिए चीन सरकार ने 2016 में इस नीति में बदलाव कर दो बच्चों की अनुमति दी और बाद में तीन बच्चों की अनुमति देनी पड़ी। चीन की तानाशाही सरकार द्वारा नीतियों में बड़ा बदलाव करते हुए दम्पत्तियों को तीन बच्चे करने की अनुमति क्यों दी गई, इसके कारण समझना भी जरूरी है। दरअसल वहां लोगों की सामान्य प्रजनन दर में निरन्तर गिरावट आ रही है और विशेषज्ञों के मुताबिक यही स्थिति भारत में भी होनी है।

विश्व जनसंख्या दिवस: बढ़ती आबादी के बढ़ते खतरे

योगेश कुमार गोयल

भारत में गरीब महिलाओं की प्रजनन दर करीब 3.2 है जबकि सम्पन्न महिलाओं में यह दर केवल 1.5 पाई गई है। इसी प्रकार अनपढ़ महिलाओं के औसतन 3.1 बच्चे होते हैं जबकि शिक्षित महिलाओं में यह संख्या औसतन 1.7 है। इसका स्पष्ट अर्थ है कि जनसंख्या विस्फोट का सीधा संबंध सामाजिक और शैक्षिक स्थितियों से जुड़ा है।

जनसंख्या संबंधित समस्याओं पर वैश्विक चेतना जागृत करने के लिए प्रतिवर्ष 11 जुलाई को 'विश्व जनसंख्या दिवस' मनाया जाता है। भारत के संदर्भ में देखें तो तेजी से बढ़ती आबादी के कारण ही हम सभी तक शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरतों को पहुंचाने में पिछड़ रहे हैं। बढ़ती आबादी की वजह से ही देश में बेरोजगारी की समस्या विकराल हो चुकी है। हालांकि विगत दशकों में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से नए रोजगार जुटाने के कार्यक्रम चलाए गए लेकिन बढ़ती आबादी के कारण ये सभी कार्यक्रम 'ऊंट के मुंह में जीरा' ही साबित हुए। बढ़ती जनसंख्या के कारण ही देश में आबादी और संसाधनों के बीच असंतुलन बढ़ता जा रहा है। हकीकत यही है कि विगत दशकों में देश की जनसंख्या जिस गति से बढ़ी, उस गति से कोई भी सरकार जनता के लिए आवश्यक संसाधन जुटाने की व्यवस्था करने में सफल नहीं हो सकती थी। आज देश की बहुत बड़ी आबादी निम्न स्तर का जीवन जीने को विवश है। देश में करीब 40 फीसदी आबादी आजादी के बाद से ही गरीबी के आलम में जी रही है। गरीबी में जीवन गुजार रहे ऐसे बहुत से लोगों की यही सोच रही है कि उनके यहां जितने ज्यादा बच्चे होंगे, उतने ही ज्यादा कमाने वाले हाथ होंगे किन्तु यह सोच वास्तविकता के धरातल से परे है। लगातार बढ़ती महंगाई के जमाने में परिवार बड़ा होने से कमाने वाले हाथ ज्यादा होने पर जितनी आय बढ़ती है, उससे कहीं ज्यादा जरूरतें और विभिन्न उत्पादों की कीमतें बढ़ जाती हैं, जिनकी पूर्ति कर पाना सामर्थ्य से परे हो जाता है। इसलिए जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रमों की सफलता के लिए सर्वाधिक जरूरी यही है कि घोर निर्धनता में जी रहे ऐसे लोगों को परिवार नियोजन कार्यक्रमों के महत्व के बारे में जागरूक करने की ओर खास ध्यान दिया जाए क्योंकि जब तक इस कार्यक्रम में इन लोगों की भागीदारी नहीं होगी, तब तक लक्ष्य की प्राप्ति संभव नहीं है। देश में जनसंख्या वृद्धि का मुकाबला करने के लिए पिछले काफी समय से कुछ कड़े कानून बनाने की मांग हो रही है लेकिन इस दिशा में कुछ राज्य सरकारें दो से ज्यादा बच्चों वाले परिवारों को सरकारी नौकरी तथा स्थानीय निकाय चुनावों में उम्मीदवारी से अयोग्य अघोषित करने जैसे जिस तरह के उपायों पर विचार कर रही हैं, उन्हें किसी भी दृष्टि से तर्कसंगत नहीं माना जा सकता।

टू चाइल्ड पॉलिसी जैसे कानूनों के जरिये जनसंख्या नियंत्रण की कोशिशों को व्यावहारिक नहीं माना जा रहा बल्कि इसके लिए डराने-धमकाने वाले कानूनों के बजाय लोगों में जागरूकता पैदा किया जाना सबसे जरूरी है। बगैर कड़े कानूनों के देश के ऐसे राज्यों में जनसंख्या वृद्धि दर में कमी आई है, जहां साक्षरता दर ज्यादा है।

हालांकि जनसंख्या वृद्धि मौजूदा समय में गंभीर चुनौती है लेकिन ऐसे उपायों को संवैधानिक नजरिये से भी तर्कसम्मत नहीं माना जाता। चीन में 1980 से पहले केवल एक बच्चा पैदा करने की अनुमति थी, जिसका उल्लंघन करने पर दम्पति को न केवल सरकारी योजनाओं से वंचित कर दिया जाता था बल्कि सजा भी दी जाती थी लेकिन वहां यह नीति सफल नहीं हुई। इसीलिए चीन सरकार ने 2016 में इस नीति में बदलाव कर दो बच्चों की अनुमति दी और बाद में तीन बच्चों की अनुमति देनी पड़ी। चीन की तानाशाही सरकार द्वारा नीतियों में बड़ा बदलाव करते हुए दम्पत्तियों को तीन बच्चे करने की अनुमति क्यों दी गई, इसके कारण समझना भी जरूरी है। दरअसल वहां लोगों की सामान्य प्रजनन दर में निरन्तर गिरावट आ रही है और विशेषज्ञों के मुताबिक यही स्थिति भारत में भी होनी है। जनसंख्या में स्थायित्व और कामकाजी युवाओं की स्थिर संख्या के लिए महिलाओं की सामान्य प्रजनन दर 2.1 होनी चाहिए और चीन में यह दर निरन्तर गिर रही है। 1970 में चीन में यह दर 5.8 थी, जो 2015 में घटकर 1.6 और 2020 में केवल 1.3 ही रह गई जबकि बुजुर्गों की आबादी लगातार बढ़ती गई। नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टेटिस्टिक्स (एनबीएस) के अनुसार आने वाले समय में आबादी में अधिक उम्र वालों की संख्या बढ़ने से संतुलित विकास और जनसंख्या को लेकर दबाव बढ़ेगा। 1982 में हुई जनगणना में चीन की जनसंख्या में 2.1 फीसदी की सबसे ज्यादा वृद्धि दर्ज की गई थी लेकिन उसके बाद जनसंख्या में लगातार गिरावट दर्ज की गई, जिसके लिए वहां की कम्युनिस्ट सरकार द्वारा अपनाई गई दशकों पुरानी 'वन चाइल्ड पॉलिसी' को जिम्मेदार माना जाता है। विगत एक दशक में चीन की जनसंख्या करीब सात करोड़ बढ़ी है लेकिन बुजुर्गों की संख्या बढ़ने से चीन के लिए अलग ही समस्या उत्पन्न होने लगी है। दरअसल चीन को आशंका है कि अगले दस वर्षों में उसकी जनसंख्या में गिरावट आएगी, जिससे कामगारों की संख्या में कमी आने से उसकी खपत भी घटेगी। एनबीएस के आंकड़ों के मुताबिक चीन को जिन जनसांख्यिकीय संकट का सामना करना पड़ा था, वह और गहरा होने की उम्मीद थी, इसीलिए चीन को अपनी जनसंख्या नीति में बदलाव करने पर विवश होना पड़ा। जहां तक भारत की बात है तो यहां 1994 में महिलाओं की सामान्य प्रजनन दर 3.4 थी, जो घटकर 2015 में 2.2 रह गई थी यानी सामान्य के करीब। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार भारत की जनसंख्या 2050 तक बढ़ने के बाद से गिरनी शुरू हो जाएगी और 2100 तक पहुंचते-पहुंचते सामान्य प्रजनन दर केवल 1.3 ही रह जाएगी। इसका अर्थ है कि तब अधिकांश परिवारों में केवल एक ही बच्चा होगा और भारत उसी स्थिति में खड़ा होगा, जिसमें वन चाइल्ड पॉलिसी के बाद चीन खड़ा हुआ और उसे विगत सात वर्षों में दो बार अपनी जनसंख्या नीति में बड़ा परिवर्तन करना पड़ा। इसलिए टू चाइल्ड पॉलिसी जैसे कानूनों के जरिये जनसंख्या नियंत्रण की कोशिशों को व्यावहारिक नहीं माना जा रहा बल्कि इसके लिए डराने-धमकाने वाले कानूनों के बजाय लोगों में जागरूकता पैदा किया जाना सबसे जरूरी है। बगैर कड़े कानूनों के देश के ऐसे राज्यों में जनसंख्या वृद्धि दर में कमी आई है, जहां साक्षरता दर ज्यादा है।

एक्सप्रेस कविता

ईर्ष्या से कभी स्नेह का रिश्ता नही बनता ,
लोभ से कभी सच्चा रिश्ता नही बनता।
जहां राग, द्वेष और दुश्मनी व्याप्त हो,
ऐसे में कोई निस्वार्थ रास्ता नही बनता।
कौन किसी का दुखड़ा सुनता है यहां,
ऐसे में किसी से किसी का वास्ता नही बनता।

शौहाद्र, आत्मा से कहाँ मिलता कोई,
दिलों से दिल का रिश्ता नहीं मिलता।
आज हर तरफ सन्नाटा,अकेलापन है,
भाई से भाई का आत्मीय रिश्ता नही बनता।
प्यार,आत्मीयता अब हवा हो गई ,
मधुर वाणी वाला वक्ता नही मिलता।
औपचारिक,छद्म रिश्ते बच गए अब,
दिलों से दिल का कोई वास्ता नही रखता।

संजीव ठाकुर

एक्सप्रेस ज्ञान

अगर व्यक्ति शिक्षा से पहले संस्कार और भगवान से पहले माता-पिता को पहचान ले, तो कभी कठिनाई नहीं आएगी

आज का पंचांग

किसी भी शुभ कार्य को करने के लिए सही मुहूर्त, सही समय, और सही नक्षत्र का होना जरूरी होता है, आज हम आपको आज के दिन का सही समय जो की सही कार्य करने का है, और आज कब कौन सी दशा कौन से टाइम में चल रही है उसका समुचित विवरण हिन्दू कैलेंडर और हिन्दू पंचांग के अनुसार दे रहे है, आज आपका दिन मंगलमयी रहे, यही शुभकामना है। आज का दिन शुभ कार्य के लिए सही कार्य है या नहीं आज के चौघड़िया के अनुसार जानें। अगर आप आज वाहन खरीदने का विचार कर रहे हैं या आज कोई नया व्यापार आरंभ करने जा रहे हैं, गृह प्रवेश कर रहे हैं, गृह निर्माण कर रहे है, प्रॉपर्टी खरीद रहे है, या कोई अन्य शुभ कार्य करने के लिए सोच रहे है तो पहले यहाँ सही समय देख लें, आपका कार्य शुभ और सफल होगा, यही हमारी ओर से शुभ मंगल कामना है।

तिथिः	पंचमी 10:04 तक
नक्षत्रः	पूर्व फाल्गुनी 13:00
पक्षः	शुक्ल
वारः	गुरुवार
योगः	वरीघा, 28:01
सूर्योदयः	05:34
सूर्यास्तः	19:17
चंद्रमाः	सिंह राशि में
राहुकालः	14:08-15:51
विक्रमी संवत्ः	2082
शक सम्वतः	1945
मासः	आषाढ़
शुभ मुहूर्तः	11:58 - 12:53

जन एक्सप्रेस

ना चलती अब मर्जी !

था पहले चौंकाया ।
आगे भी चौंकाना ।।
दे रहे हैं लिख कर ।
मौसम है सुहाना ।।
खेद और नाराज़गी का ।
अंत है हो जाना ।।
ना करनी है कार्रवाई ।
गाना आगे गाना ।।
शह और मात तो ।
हर पल चलने वाला ।।
ना चलती अब मर्ज़ी ।
अंदाज़ हुआ निराला ।।
मिट गया है संशय ।
हुई दुविधा दूर ।।
भले लगी हो देर ।
मंथन पर भरपूर ।।

- कृष्णेन्द्र राय

एक्सप्रेस स्वास्थ्य

हर बार एसिडिटी होने पर दवा खाना ठीक नहीं

बाहर का जंक फूड लंबे समय तक खाने से आपको बदहजमी, अपच, पेट दर्द और पाचन से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा, एक टाइम में ज्यादा भोजन करने से भी आपको पेट में ब्लोटिंग की समस्या होने लगती है। कुछ लोगों को रोजाना खाना खाने के बाद एसिडिटी की समस्या होती है। ज्यादातर तला भूना या मसालेदार खाना खाने की वजह से एसिडिटी की समस्या भी हो सकती है। एसिडिटी की समस्या को कम करने के लिए हम अक्सर दवा ले लेते हैं। डॉक्टर्स की मानें तो एसिडिटी को कम करने के लिए बार-बार दवाएं लेना सेहत के लिए के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

पाचन संबंधी समस्याएं: एसिडिटी की दवा, विशेष रूप से मैग्नीशियम युक्त एंटासिड, दस्त जैसी पाचन संबंधी समस्याओं का कारण बन सकती हैं। इसके विपरीत, एल्युमिनियम युक्त गोलियां कब्ज का कारण बन सकती हैं। कुछ व्यक्तियों को मैग्नीशियम और एल्युमिनियम दोनों वाले एंटासिड का उपयोग करने पर दोनों लक्षणों का एक साथ अनुभव हो सकते हैं।

पोषक तत्वों की कमी: एसिडिटी की दवा का लंबे समय तक उपयोग आवश्यक पोषक तत्वों के अवशोषण में बाधा उत्पन्न कर सकता है। उदाहरण के के लिए कैल्शियम, पेट में एसिड की कमी कैल्शियम के अवशोषण को बाधित कर सकती है, जिससे हड्डियों के फ्रैक्चर और ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा, विटामिन बी12 के अवशोषण के लिए पेट का एसिड आवश्यक है। एसिड सप्रेसर्स के लंबे समय तक इस्तेमाल से विटामिन बी12 की कमी हो सकती है, जिसके परिणामस्वरूप एनीमिया और न्यूरोलॉजिकल समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा, मैग्नीशियम के स्तर को कम कर सकते हैं, जिससे मांसपेशियों में ऐंठन, अनियमित दिल की धड़कन और दौरे जैसे लक्षण हो सकते हैं।

किडनी की समस्याएं: इन दवाओं के लंबे समय तक इस्तेमाल को क्रोनिक किडनी डिजीज और एक्यूट किडनी की चोट के बढ़ते जोखिम से जोड़ा जाता है। ऐसा माना जाता है कि ये दवाएं समय के साथ किडनी के टिश्यू में सूजन और डैमेज का कारण बन सकती हैं।

इंफेक्शन: पेट का एसिड हानिकारक बैक्टीरिया को मारकर संक्रमण के खिलाफ एक बाधा के रूप में कार्य करता है। पेट के एसिड को कम करने से संक्रमण का जोखिम बढ़ सकता है जैसे-बैक्टीरियल दस्त और कोलाइटिस का कारण बन सकता है।

रिबाउंड एसिड हाइपरसेक्रेशन: लंबे समय तक इस्तेमाल के बाद अचानक बंद करने से पेट में एसिड का उत्पादन फिर से बढ़ सकता है, जिससे एसिड रिफ्लक्स और हार्टबर्न के लक्षण बिगड़ सकते हैं। यह एक ऐसा चक्र बना सकता है जहाँ व्यक्ति दवा को फिर से शुरू करने के लिए मजबूर महसूस करता है।

एक्सप्रेस विशेष

ब्रिटेन की नई हुकूमत के समक्ष चुनौतियों की भरमार?

डॉ. रमेश ठाकुर

उम्मीदों को सच करने वाली, अभिलाषाओं को जीवित करने वाली और नए इतिहास और संविधान को स्थापित करने वाली है। नई सरकार पर उम्मीदों का पहाड़ है। चर्मराई अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने की चुनौती के अलावा विभिन्न देशों के साथ संबंध सुधारने की परीक्षा।

किसी एक व्यक्ति या दल के पास सत्ता की चाबी ज्यादा समय तक जनता रखना भी नहीं चाहती। हमारे यहां संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में भी दुनिया ने चमत्कारी बदलाव देखें? हालांकि, प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने हार स्वीकार करते हुए लंदन वासियों से माफी मांगते हुए लेबर पार्टी के नेता 'कीर स्टार्मर ब्रिटेन' के अगले शासक बनने के लिए दिल खोलकर बधाई दी है।

ब्रिटेन के चुनाव परिणामों ने अचानक मौसम गर्मा दिया है। वहां राजनीति इतिहास का नया पन्ना लिखा जाएगा, क्योंकि सियासत की नई सुबह का आगाज हुआ है। चुनाव का ऐसा रिजल्ट, जिसकी कल्पना तक किसी ने नहीं की थी। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने भी नहीं सोचा होगा। ब्रिटेन वासियों ने तकरीबन-तकरीबन एक तरफा फैसला विपक्ष के हक में सुना डाला। चुनाव में विजय हासिल करने वाली 'लेबर पार्टी' ने ब्रिटेन के सियासी इतिहास में पूर्व में जीत के सभी रिकॉर्ड तोड़ डाले हैं। रिजल्ट देखकर पार्टी प्रमुख 'कीर स्टार्मर' फूले नहीं समा रहे। समाना चाहिए भी नहीं? आखिर उनका सपना जो सच हो रहा है। प्रधानमंत्री का ताज उनके सिर पर सजेगा। ब्रिटेनी नेशनल असेंबली में अभी तक वह नेता विपक्ष की भूमिका में थे। विपक्ष के तौर पर उन्होंने जो जनकल्याणी मुद्दे कुरेदे। उनको देशवासियों ने पसंद किया, काफी प्रभावित और आकर्षित भी हुए। चुनावी समर में उन्होंने जनता से जो जमीनी वादे किए, उन्हें लंदन के मतदाताओं ने सिर आंखों पर उठाया। जनता ने आंख मूंदकर विश्वास किया। फिलहाल उन सभी वादों को पूरा करने की जिम्मेदारी अब नए सरताज के कंधों पर है। चुनौतियां हजार हैं, लेकिन उन्हें खुद पर उम्मीद है कि चुनौतियों का सामना कर लेंगे। भारत के लिहाज से ऋषि सुनक की हार अच्छी नहीं है। क्योंकि प्रधानमंत्री रहते उनका मंदिरों में जाना, पूजा-अर्चना करना, हिंदू-हिंदुत्व की बातें करना, ये सब सनातनी प्रचार का हिस्सा माना जाता था। शायद ऐसा करना उनके लिए नुकसानदायक साबित हुआ हो। ब्रिटेन में बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग रहते हैं। अफसोस इस बात का है कि उन्होंने भी ऋषि सुनक से किनारा कर लेबर पार्टी को वोट किया। भारतीयों ने ऋषि सुनक को क्यों नकारा इसकी समीक्षा लंदन से लेकर भारत में खूब हो रही है। प्रधान मंत्री ऋषि सुनक बेशक अपनी संसदीय'नॉर्थलेरटन'सीट से जीते हों। पर, बहुत कम अंतर से? उनकी समूची पार्टी बुरी तरह से हारी है। विपक्ष की ऐसी सुनामी जिसमें मानो सत्तापक्ष असहाय होकर बह गया हो। ऋषि सुनक भी मात्र 23,059 वोटों से ही जीते हैं। वरना, शुरुआती रुझानों में उनकी भी हालत पतली थी। दो राउंड तक पीछे रहे। ताज्जुब वाली बात ये है कि 'नॉर्थलेरटन' वह क्षेत्र है, जहां सुनक स्वयं रहते हैं और भारतीयों की संख्या भी अच्छी-खासी है। बकायदा उनके घर मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ होता है, लोग शामिल होते हैं। इसके अलावा भारतीय तीज-त्यौहारों पर लोगों को जुटना होता हैं। ऐसे मौकों पर तरह-तरह के भारतीय व्यंजन पकते हैं। पर वो लोग-समर्थक भी उनसे झिटक गए। ऋषि के ज्यादातर मंत्री और पार्टी के वरिष्ठ प्रमुख नेता भी चुनाव में चित हो गए। कईयों की तो जमानतें भी जब्त हुई हैं। लंदन और भारत के मौजूदा चुनावों ने एक बात ये बता दी है कि मतदाताओं के मिजाज को पढ़ना अब आसान नहीं? कोई नेता या दल इस मुगालते में न रहे हैं कि फला समुदाय या मतदाता उनका है? बहरहाल, ब्रिटेन में आए चुनाव नतीजे एग्जिट पोल के मुताबिक ही रहे। कुल सीटें 650 हैं जिनमें एग्जिट पोल में लेबर पार्टी को 410 सीट मिलने का अनुमान था। कमोबेश, फाइनल नतीजे उसके आसपास ही रहे हैं। आए नतीजों को देखकर लेबर पार्टी चमत्कार मान रही है। जैसे, दिल्ली विधानसभा चुनाव नतीजों को देखकर खुद अरविंद केजरीवाल हक्के-बक्के रह गए थे। ब्रिटेन चुनावों की सूनामी में ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी की एकदम उड़ गई। लेबर पार्टी ने 650 सीटों में से 400 पार के साथ 14 साल बाद प्रचंड वापसी की है। ब्रिटेन में चार जुलाई को आम चुनाव हुए थे। चुनावी मुद्दे कुछ ऐसे थे, जिनमें ऋषि सुनक घिर गए थे। दो प्रमुख मसले जिसमें पहला कोरोना में व्यवस्थाओं का चरमराना, वहीं दूसरा देश की अर्थव्यवस्था का ग्राफ नीचे खिसक जाना? इन दोनों मुद्दों को लेबर पार्टी ने अपना चुनावी कैंपेन बनाया था। भारत के साथ मित्रता और देशवासियों के हितों की अनदेखी करने का मुद्दा भी लंदन के चुनाव में खूब उछला। बहरहाल, ब्रिटेन की नई हुकूमत के साथ हमारे संबंध कैसे होंगे? इस सवाल के अलावा बड़ा सवाल यह खड़ा हो चुका है कि आखिर भारतीयों का सुनक के प्रति मोहभंग हुआ क्यों? ऋषि के भारतीय मूल के होने पर प्रवासी भारतीयों को उन पर गर्व होता था। पर, जब वोटिंग का समय आया, तो ऐसा प्रतीत हुआ कि भारतीयों ने इमोशनल एंगल की जगह बदलने के लिए मतदान किया। दरअसल इसे कंजर्वेटिव पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार के 14 साल के शासन से उपजी निराशा मानी जा रही है।

मौसम, आंधी तूफान की सटीक जानकारी के लिए डाउनलोड करें सचेत एप

वज्रपात से बचाव को लेकर जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा एडवाइजरी जारी

जन एक्सप्रेस । हरदोई

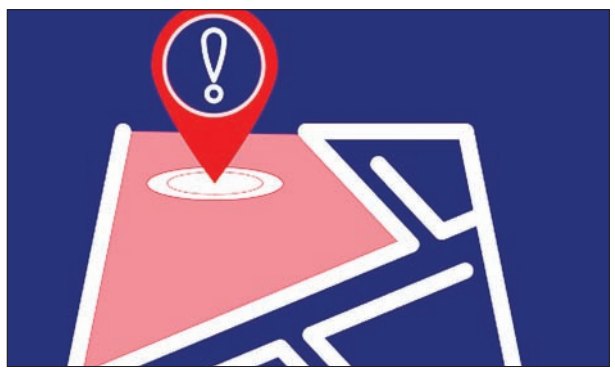

जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने जनसामान्य से अपील करते हुए कहा है कि खराब मौसम में आकाशीय बिजली गिरने/वज्रपात की घटनाएं घटित होने की संभावनाएं काफी बढ़ जाती हैं, जिससे जनहानि एवं पशु हानि व मकान क्षति तथा व्यक्ति के घायल होने की घटनाए प्रायः होती हैं। ऐसे में यह आवश्यक है कि आकाशीय बिजली से बचने के उपायों को अपनाया जाय ताकि वज्रपात से जनहानि न होने पाये। उन्होंने कहा है कि जनसामान्य अपने मोबाइल में मौसम विज्ञान विभाग भारत सरकार द्वारा विकसित दामिनी एप एवं सचेत एप डाउनलोड करें जिससे वज्रपात की पूर्व सूचना मिल सके और वज्रपात से बचा जा सके। उन्होने बताया कि प्रतिवर्ष वज्रपात से बड़ी संख्या में जनहानि व पशुहानि होती है तथा इन्फास्ट्रक्चर को भी भारी नुकसान पहुंचता है। वज्रपात से कम से कम क्षति हो इसके लिए प्रभावी व्यवस्था को अपनाने के साथ ही अधिसूचित आपदाओं की पूर्व चेतावनियों एवं अलर्ट को आम जनमानस तक समय से पहुचांकर आपदा को कम किया जा सकता है।

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व प्रियंका सिंह ने जनसामान्य को बचाव के बारे में जागरूक करते हुए बताया कि वज्रपात से बचने के लिए पेड़ों के नीचे, मोबाइल टावर व ऊंचे मकान के नीचे शरण न लें। बच्चों को बाहर न खेलने दें, लोहे की खिड़की, दरवाजे व हैण्डपम्प आदि को न छुएं। धातु से बने छाते का प्रयोग न करें, लैण्डलाइन एवं विजली के उपकरणों का उपयोग न करें, खुल वाहनों मे सवारी न करें, बचाव के लिए जमीन पर न लेटें तथा तैराकी या नौकायन न करें

आपदा विशेषज्ञ' ज्ञान दीप शर्मा ने कहा कि यदि मौसम खराब हो तो तुरन्त किसी पक्के घर में शरण लें, आसपास सुरक्षित स्थान न होने पर दोनों कानों को बंद कर पैरों को सटा लें तथा घुटनों का टेक लेकर उकडू बैठ जाएं। घरों में विद्युत उपकरणों को प्लग से अलग कर दें। यदि खेतों में हैं तो तुरन्त सूखे स्थान पर चल जाएं। हाईटेंशन तारों, पोखरों, बिजली के खंभों तथा कटीले तारों से दूर रहें उन्होंने बताया कि वज्रपात से कम से कम क्षति हो इसके लिए प्रभावी व्यवस्था को अपनाने के साथ ही अधिसूचित आपदाओं की पूर्व चेतावनियों एवं अलर्ट को आम जनमानस तक समय से पहुचांकर आपदा को कम किया जा सकता है। दामिनी ऐप लगभग 20 से 40 किमी के क्षेत्र में संभावित लाइटनिंग अलर्ट का नोटिफिकेशन प्रेषित करता है जिससे व्यक्तियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचने तथा बचाव का अवसर प्राप्त हो सकेगा। इसलिए स्वयं के मोबाइल में दामिनी एप डाउनलोड करने के साथ ही जनसामान्य को भी इस अति उपयोगी दामिनी एप के बारे में बताएं जिससे वज्रपात की पूर्व चेतावनी व अलर्ट अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सके तथा वज्रपात से होने वाली क्षतियों को न्यूनीकृत किया जा सके। मौसम की पूर्ण जानकारी हेतु सचेत एप डाउनलोड करें जिससे मौसम की जानकारी एवं विभिन्न आपदाओं की जानकारी व एडवाइजरी भी प्राप्त हो सके वह चेतावनी मिलती रहे।

कलेक्ट्रेट में हुई जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक

जन एक्सप्रेस । हरदोई। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि जिम में आवश्यक संसाधनों की खरीद की जाये। जिम के संचालन हेतु ट्रेनर की तैनाती की जाये। क्रय के मामलों के परीक्षण के लिए क्रय समिति गठित की जाये। स्टेडियम परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। जिम के संचालन हेतु इन्वर्टर लगाए जाएं। संसाधन बढ़ाने के उपाय किये जाएं। असलहों का लाइसेंस लेने वालों से रूपये 5000/- जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति में जमा कराया जाये। स्टेडियम परिसर में साफ सफाई की उचित व्यवस्था करायी जाये। ग्रामीण स्टेडियम में भी खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएं। हॉकी, फुटबाल, कबड्डी, कुश्ती, एथलेटिक्स आदि की प्रतियोगिताएं विकासखण्ड वार करायी जाएं। युवा कल्याण विभाग से भी सहयोग लिया जाये। तहसील स्तरीय समिति का गठन उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किया जाये।

पाठ्य पुस्तकों की हो रही कालाबाजारी

जन एक्सप्रेस । गोला गोकर्णनाथ खीरी

दिनों शहर में कुछ पुस्तक भंडार मनमाने रुपए वसूल कर पुस्तकों की कालाबाजारी कर रहे हैं। जिसे देखने वाला कोई नहीं है। अभिभावकों का खुला शोषण हो रहा है।शहर में ऐसा कोई एक बुक स्टोर नहीं है जिस पर अभिभावकों का शोषण न होता हो। कई बुक स्टोर ऐसे हैं जिनकी स्कूलों से सांठ गांठ है।लखीमपुर रोड पर अमर पुस्तक भंडार, नारायण बुक डिपो के अलावा तमाम बुक स्टोर जिनकी सीधे स्कूलों से सांठ गांठ रहती है। वह बड़े पैमाने पर पुस्तकों की कालाबाजारी कर रहे हैं। उनकी मनमर्जी चलती है वह कोर्स दूसरे की दुकान पर मिलेगा नहीं, अगर किसी तरह मंगा भी लिया जाए तो पता चलते ही स्कूल वाले उसे रिजेक्ट कर देते हैं। अभी कक्षा 9 इंग्लिश मीडियम का एक बच्चा कंप्यूटर साइंस की पुस्तक लेने अमर पुस्तक भंडार पर गया। तो उसे बताया गया कि यह पुस्तक 310 रुपए में मिलेगी जबकि पुस्तक पर ?300 रेट अंकित था। हालांकि अंकित रेट से कम पर भी पुस्तक दी जानी चाहिए, पर अगर ऐसा नहीं किया तो कम से कम जो रेट प्रिंट थे उसे पर तो देनी ही चाहिए थी। उससे भी अधिक रकम बताई गई। गरीब परेशान हो उठा।वह वहां से लौटा और फिर लखीमपुर रोड पर ही नारायण बुक डिपो के यहां पहुंच पुस्तक मांगी।वहां भी उसे 310 रुपए की पुस्तक बताई गई। इसी तरह उसने शहर में कई पुस्तक भंडार पर जाकर ट्राई किया, पर हर जगह वही हाल रहा।आखरी बार वह सब्जी मंडी के पास हालन बुक डिपो पर पहुंचा तो वहां उसे 300 प्रिंट वाली पुस्तक 300 में दी गई। मरता क्या ना करता मजबूरी बस उसने वह पुस्तक खरीदी। ऐसे तमाम बच्चे और अभिभावक हैं जो बेहद गरीब हैं।उनके पास महंगा कोर्स खरीदने के पैसे नहीं है, फिर भी कर्ज आदि लेकर वह अपने बच्चों को पढ़ाते हैं, पर कुछ स्कूल और बुक डिपो वाले कतई रहम नहीं कर रहे हैं। इस पर ना तो जनप्रतिनिधि ध्यान दे रहे हैं और ना ही अधिकारी। शिक्षा विभाग में यह सबसे बड़ा खेल हो रहा है। जिस पर अधिकारियों को तत्काल संज्ञान लेना चाहिए।

एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंची, मासूम बच्ची ने मां की गोद में दम तोड़ा

जन एक्सप्रेस । लखीमपुर खीरी

मझगई इलाके में बीमार बच्ची को लेकर माता-पिता बाढ़ के पानी से जैसे-तैसे गुजरकर सलीमाबाद चौराहे पर तो पहुंच गए। मगर एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंची। मासूम बच्ची ने मां की गोद में दम तोड़ दिया। बच्ची की मौत के बाद मां रो रोकर बेसुध हो गई। मामला मझगई थाना क्षेत्र के गांव सेमरहिया निवासी राकेश की दो वर्षीय पुत्री को बुखार आ रहा था। बाढ़ में रास्तों पर भरे पानी के कारण बच्ची को इलाज के लिए कहीं नहीं ले जा पा रहे थे। क्षेत्रीय लेखपाल ने बुखार से पीड़ित बच्ची के पिता राकेश को बुधवार सुबह सलीमाबाद चौराहे पर किसी तरह से लाने को कहा था। चौराहे पर एंबुलेंस मिलने की बात कही थी। आरोप है कि राकेश पत्नी के साथ बच्ची को लेकर सुबह चौराहे पर पहुंच गए थे, लेकिन एंबुलेंस 11 बजे आई। तब तक बच्ची की मौत हो गई। गोद में बेटी का शव लिए मां का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। बाढ़ के बीच बेबसी की इस तस्वीर ने हर किसी को झकझोर दिया। बेबस मां-बाप बच्ची का शव लेकर वापस अपने घर चले गए।

जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने जनसुनवाई के दौरान सुनी जनसमस्याएं

जन एक्सप्रेस । सीतापुर

आज जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी महोदय ने फरियादियों की सुनवाई गंभीरता से सुनकर संबंधित विभागाध्यक्ष को दूरभाष से निर्देश दिया कि फरियादियों की समस्याओं को प्राथमिकता पर निस्तारित करें। जिलाधिकारी महोदय ने विभिन्न अधिकारियों को कड़े निर्देश दिया कि आई0जी0आर0 एस0 को प्राथमिकता पर निस्तारित करे, निस्तारण में देरी व लापरवाही क्षम्य नही होगी, आई0जी0आर0 एस0 डिफाल्टर होने पर जिम्मेदार का एक दिन का वेतन काट दिया जाएगा। जिलाधिकारी महोदय ने भूमि विवाद, दाखिल खारिज से संबंधित शिकायतों को ससमय गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश राजस्व विभाग को दिए। समाज कल्याण विभाग को निर्देशित किया कि पेंशन व लाभार्थीपरक योजनाओं को लाभार्थियो को बिना विलंब के पहुंचाई जाये। पेंशन आदि से संबंधित शिकायतों को गंभीरता से निस्तारण सुनिश्चित करे।

नवनियुक्त लेखपालों को वितरित हुए नियुक्ति पत्र, जिले में मंत्रियो द्वारा बांटे गए नियुक्ति पत्र

जन एक्सप्रेस । सीतापुर

नवनियुक्त 7720 लेखपालों का नियुक्ति पत्र वितरण मा0 मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा लखनऊ में वितरण किया गया, जिसका लाइव प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागार में कारागार मंत्री सुरेश राही, राज्यमंत्री शहरी उन्मूलन एवं नगरीय विकास राकेश राठौर, विधायक सेवता ज्ञान तिवारी, विधायक सिधौली मनीष रावत, जिलाधिकारी अभिषेक आनंद, पर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व नीतीश कुमार सिंह द्वारा देखा गया। नवनियुक्ति लेखपालों का नियुक्ति पत्र वितरण के अवसर पर मुख्यमंत्री जी द्वारा लखनऊ में नवनियुक्ति लेखपालों को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मिशन रोजगार के अन्तर्गत निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के तहत सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति-पत्र वितरण किया जा रहा है। प्रदेश सरकार का 6 लाख सरकारी नौकरी देने का लक्ष्य था। शिक्षा विभाग व अन्य विभागों में बड़े पैमाने पर सरकारी नौकरी उपलब्ध कराया गया। राजस्व विभाग बहुत ही महत्वपूर्ण विभाग है जिसमें लेखपालों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। बिना किसी भेदभाव के सभी को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। निवेश के माध्यम से विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लोगों को अपने जनपद, गांवों में रोजगार के अवसर प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री जी द्वारा नवनियुक्त लेखपालों को बधाई दी। मा. कारागार मंत्री सुरेश राही, राज्यमंत्री शहरी उन्मूलन एवं नगरीय विकास राकेश राठौर, विधायक सेवता ज्ञान तिवारी, विधायक सिधौली मनीष रावत ने नवनियुक्ति लेखपालों का नियुक्ति पत्र वितरण के अवसर पर कहा कि आज 138 लेखपालों को नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है, जिसमें लोकभवन में 100 लेखपालों एवं जनपद मुख्यालय सीतापुर में 38 लेखपालों को नियुक्ति पत्र वितरित किये गये, सभी को बधाई दी गयी। मा0 मुख्यमंत्री जी के दिशा निर्देश में पारदर्शी व्यवस्था के अन्तर्गत चयन प्रक्रिया सम्पन्न हुआ। पहले भर्ती प्रक्रिया में भेदभाव किया जाता था। आज किसी भी अभिभावक को सिफारिश करने की आवश्यकता नही है। आप सभी लोग इसके साक्षी है। अपनी योग्यता के बल पर इस स्थान को प्राप्त किये है। उ0प्र0 सरकार द्वारा पारदर्शी व्यवस्था के अन्तर्गत लोगों को सरकारी नौकरी उपलब्ध कराया जा रहा है। निवेश के माध्यम से विभिन्न योजनाओं से युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। आप सभी पूरी ईमानदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें और सभी लोगो की समस्याओं का निराकरण करायें। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने कहा कि नियुक्ति पत्र पाने के बाद आप सभी राजस्व परिवार से जुड़ गये। आप सभी सक्रिय होकर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जाकर लोगों का सहयोग करें तथा अन्य कार्यों को सम्पादित करायें। सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधिगण एवं नवनियुक्त लेखपालों के प्रति आभार प्रकट किया गया।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व नीतीश कुमार सिंह, उपजिलाधिकारी सदर ज्ञानेन्द्र द्विवेदी, अन्य अधिकारी, कर्मचारीगण आदि उपस्थित रहे।

सांड ने युवक को उठाकर पटका, मौके पर हुई मौत

जन एक्सप्रेस । सीतापुर

महमूदाबाद। एक दिन पूर्व बिहार से मजदूरी कर घर वापस आए युवक की सांड के हमले में मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार्यवाही शुरू की है। सदरपुर के जहांगीराबाद के अब्दुल रशीद (22) पुत्र अब्दुल रऊफ सोमवार को मजदूरी करके बिहार से वापस अपने घर लौटा था। मंगलवार को अब्दुल रशीद किसी काम से बजेहरा गांव गया था। देर शाम वापस आते समय बजेहरा-जहांगीराबाद मार्ग पर रास्ते के बीचोबीच दो सांड आपस मे लड़ रहे थे। अचानक एक सांड रशीद को देखकर दौड़ पड़ा और उसे उठाकर पटक दिया। सांड के हमले में रशीद की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और मृतक के शव को उठाकर घर के आए और अंतिम संस्कार कर दिया। प्रभारी निरीक्षक राकेश सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी मिली थी, पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया था किंतु परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया है और शव को दफना दिया है।

फास्ट फॉरवर्ड

पात्र छात्र-छात्राओं का डाटा 12 जुलाई तक अपलोड करे:- जिलाधिकारी

जन एक्सप्रेस । हरदोई। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने अवगत कराया है कि शासन की अति महत्वाकांक्षी योजना स्वामी विवेकानन्द युवा तकनीकी सशक्तिकरण योजनान्तर्गत प्रत्येक माह के 01 से 12 तक महाविद्यालयों द्वारा अपने विद्यार्थियों का डाटा अपलोड करने एवं 14 से 17 तक डाटा वेरीफाई करने की प्रक्रिया सम्पन्न की जाती है, जिसके आधार पर विभाग द्वारा लॉक किए जाने के बाद समस्त अर्ह विद्यार्थियों को शासन के द्वारा निशुल्क स्मार्टफोन/टेबलेट उपलब्ध कराये जाते हैं। जनपद स्तर से महाविद्यालय द्वारा सत्र 2023-24 में अध्ययनरत विद्यार्थियों का डाटा डी0जी0 शक्ति पोर्टल पर अपलोड नहीं कराया गया। जनपद को 14338 टेबलेट वितरण हेतु प्राप्त हो चुके हैं, जिनका वितरण माह जुलाई, 2024 में ही किया जाना है, परन्तु पोर्टल पर अर्ह बच्चो की संख्या 6287 ही प्रदर्शित हो रही है। उन्होंने समस्त नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया है कि आपसे संबंधित संस्थानों में जितने भी अर्ह छात्र-छात्राएं हों उनका डाटा दो दिन में पोर्टल पर अपलोड करवा दें ताकि वेरीफाई होने के उपरांत वितरण की कार्यवाही जुलाई, 2024 में करायी जा सके। पात्र छात्र-छात्राओं का डाटा 12 जुलाई 2024 तक अपलोड न होने की स्थिति में नोडल अधिकारी के रूप में आपका उत्तरदायित्व निर्धारित किया जायेगा।

नगर पंचायत ने 23 अतिक्रमणकारियो को किया नोटिस जारी

जन एक्सप्रेस । हरदोई। पाली। पाली नगर पंचायत ने कस्बा के 23 ऐसे दुकानदारों को नोटिस जारी किया है जो रास्ता पर अतिक्रमण किये हुए हैं। इन्हें पांच दिन में अतिक्रमण हटाकर रास्ता खोलने का निर्देश दिया गया है। कस्बा के मोहल्ला आजाद नगर निवासी रघुवीर सिंह ने उच्च न्यायालय लखनऊ खण्ड पीठ में याचिका दायर की थी। उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद अतिक्रमण कारियों को नोटिस जारी किया गया है। नोटिस जारी होने के बाद दुकानदारों में खलबली मची है। कस्बा निवासी रघुवीर सिंह ने उच्च न्यायालय की लखनऊ खण्ड पीठ में दायर याचिका में बताया है कि भगवंतपुर बाहर डाउन एरिया वर्तमान समय में नगर पंचायत के विस्तारित क्षेत्र में गाटा संख्या 30/ 0.6200 हे0 राजस्व अभिलेखों में मार्ग की क्षेणी में दर्ज है। जिस पर लोगों ने अतिक्रमण कर रास्ते पर कब्जा कर लिया है। जिसकी पैमाइस भी राजस्व टीम द्वारा की गई है जिसमें रास्ते की भूमि पर अतिक्रमण होना पाया भी गया है। अधिशासी अधिकारी जयप्रकाश सिंह यादव ने बताया कि शिकायतकर्ता की शिकायत पर 23 ऐसे दुकानदारों को सोमवार को नोटिस जारी किया गया है जो अतिक्रमण फैलाने की श्रेणी में आते हैं। नोटिस के जरिये इन्हें पांच दिनों का समय दिया गया है। तय समय में सभी अतिक्रमणकारी स्वत: रास्ते की जमीन से अपनी गुमटी और पक्की दुकानों को हटा लें। अन्यथा की स्थिति में नगर पंचायत द्वारा अतिक्रमण हटाया जाएगा।

बेरोजगार स्वरोजगार प्रशिक्षण हेतु 30 जुलाई तक करें आवेदन: हर्ष प्रताप सिंह

जन एक्सप्रेस । हरदोई। सहायक आयुक्त उद्योग हर्ष प्रताप सिंह ने अवगत कराया है कि वित्तीय वर्ष में अन्य पिछड़ा वर्ग के 18 से 45 वर्ग के चयनित बेरोजगार लोगों को स्वरोजगारयुक्त बनाने के लिए बजट प्राप्त होने पर लगभग 37 प्रशिक्षार्थियों को तथा अनुसूचित जाति सब प्लान योजना के तहत लगभग 90 प्रशिक्षार्थियों को चार माह का सामूहिक प्रशिक्षण दिलाया जायेगा, जिसमें पुरूषों को इलेक्ट्रीशियन व महिलाओं को सिलाई, कढ़ाई का प्रशिक्षण दिया जायेगा और इसमें एक माह का उद्यमिता विकास हेतु सैद्धान्तिक तथा तीन माह का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी शामिल है। श्री सिंह ने कहा है कि इच्छुक अभ्यर्थी विभागीय वेबसाइट पर 30 जुलाई 2024 ऑनलाइन आवेदन करें, अभ्यर्थियों का चयन उनके शैक्षिक योग्यता, अनुभव एवं साक्षात्कार के आधार परकिया जायेगा और दोनों योजनाओं में पूर्व प्रशिक्षण प्राप्त अथवा अन्य किसी राजकीय योजना में प्रशिक्षण ले चुके एवं शिक्षारत अभ्यर्थी मान्य नहीं होगें।

स्वयं का उद्योग स्थापित करने के लिए 30 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन करें:-सिंह

जन एक्सप्रेस । हरदोई। उपायुक्त उद्योग हर्ष प्रताप सिंह ने जनपद के शिक्षित बेरोजगार युवक, युवतियों से कहा है कि प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत इस वित्तीय वर्ष में अपना स्वयं का उद्योग स्थापित करने के लिए विभागीय वेबसाइट पर 31 जुलाई 2024 तक ऑनलाइन आवेदन करें। उन्होने बताया कि उक्त योजना के लिए आवेदक की आयु 18 से 45 वर्ष के बीच हो और हाईस्कूल पास हो तथा किसी बैंक आदि का चूककर्ता नहीं हो। आवेदक द्वारा चयनित उद्यम यदि उत्पादन क्षेत्र में है तो परियोजना लागत रू0-22 लाख तथा सेवा क्षेत्र में रू0-10 लाख से अधिक न हो।

नव नियुक्त लेखपालों को वितरित किये गए नियुक्ति पत्र

आम जन की तकलीफों का निदान बिना भेदभाव एवं निष्पक्ष करें: मंगला प्रसाद सिंह

व्यवहार ऐसा बनाये ताकि कोई सत्यनिष्ठा पर संदेह न करें: सौम्या गुरूरानी

जन एक्सप्रेस । हरदोई

स्वामी विवेकानंद सभागार में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ बोर्ड द्वारा चयनित लेखपालों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये गए। प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन लोक भवन लखनऊ में किया गया जहाँ जनपद के कुल 50 लेखपालों को माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किये गए। इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री ने कहा कि चयन प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी व निष्पक्ष रही और अब नव नियुक्त लेखपाल अपने कार्य की छाप छोड़ें।

जनपद स्तरीय कार्यक्रम में शेष लेखपालों को नियुक्ति पत्र स्वामी विवेकानन्द सभागार मं माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती व विधायक सवायजपुर माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू द्वारा वितरित किये गए। जिला पंचायत अध्यक्ष ने इस अवसर पर कहा कि जिस तहसील में सेवा करें पूरे मनोयोग से कार्य करें। अपने वरिष्ठों से काम की बारीकियां सीखें। विधायक सवायजपुर माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू ने कहा कि जनता को न्याय दिलाने में लेखपाल लोग अपनी भूमिका निभाएं। मिले हुए अवसर का उपयोग जनता की सेवा में करें। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने इस अवसर पर कहा कि पहली बार सेवा में आने की खुशी अलग ही होती है, इसलिए सभी लेखपाल आम जन की तकलीफों को दूर करने में अपनी भूमिका निभाएं और कार्यभार तत्काल ग्रहण कर लें तथा कार्य के दौरान अपने व्यवहार को शालीनता रखें। मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरुरानी ने नव नियुक्त लेखपालों को बधाई देते हुए कहा कि लेखपाल भूमि सम्बन्धी विवादों के निस्तारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। व्यवहार ऐसा बनाये ताकि कोई सत्यनिष्ठा पर संदेह न कर सके। नियमों का व्यावहारिक ज्ञान रखें। अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह ने बताया कि जनपद को कुल 147 लेखपाल मिले हैं। लेखपाल की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। इस अवसर पर सभी सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अपर जिला जज ने किया राजकीय सम्प्रेक्षण गृह का निरीक्षण

जन एक्सप्रेस । हरदोई

उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार एवं जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राज कुमार सिंह के सरंक्षण एवं अनुमति से एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में आज अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भूपेन्द्र प्रताप द्वारा राजकीय सम्प्रेक्षण गृह हरदोई का निरीक्षण किया गया। अपर जिला जज द्वारा किशोरों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकरी प्राप्त की गई तथा अधीक्षक को निर्देशित किया कि किशोरों की समस्याओं का समाधान तत्काल करे यदि कोई समस्या का समाधान आपके स्तर से नही हो पा रहा है तो उसके सूचना जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में भेजे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आवश्यक कार्यवाही करेगा। किशोरों से खान-पान व उनकी पढ़ाई के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। निरीक्षण के दौरान राजकीय सम्प्रेक्षण गृह प्रभारी सर्वेश कुमार श्रीवास्तव व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के लिपिक अभिषेक अवस्थी आदि उपस्थित रहे।

टी सी के लिए दो माह से स्कूल के चक्कर लगा रहे अभिभावक पोर्टल पर दर्ज कराई शिकायत

जन एक्सप्रेस । सीतापुर

महमूदाबाद। दो माह से टीसी व मार्कशीट पाने के लिए दौड़ रही छात्रा व उसके पिता ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर प्रधानाध्यापिका पर कार्रवाई की मांग की है। प्रधानाध्यापिका की कार्यशैली से अभिभावकों में आक्रोश व्याप्त है। बीईओ ने मामले की जानकारी होने से इनकार किया। विकास खंड पहला की ग्राम पंचायत देवकलिया के प्राथमिक विद्यालय नवीनगर में वर्ष 2023 में यहीं की निवासिनी रेशमा पुत्री सुरेश कक्षा पांच में पढ़ रही थी। शिक्षण सत्र 2023-24 में रेशमा के पांचवी की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली थी। आरोप है कि छात्रा रेशमा टीसी व मार्कशीट विद्यालय से पाने के लिए अपनी माता सुशीला व पिता सुरेश के साथ प्राथमिक विद्यालय नवीनगर कई बार गई गई और इंचार्ज प्रधानाध्यापिका हेमलता से टीसी व मार्कशीट देने की बात कही तो हेमलता के द्वारा कहा गया कि जब तुम्हे बुलाया गया था, तब क्यों नही आई थी। अब जब हमें काम से फुर्सत होगी तब टीसी मार्कशीट दूंगी। इसके बाद से रेशमा अपने माता-पिता के साथ मई और जुलाई माह में कई बार टीसी लेने स्कूल जा चुकी है किंतु उसे अभी तक टीसी नहीं मिल सकी है। आरोप है कि विद्यालय की इंचार्ज प्रधानाध्यापिका द्वारा छात्रा व उसके माता-पिता को स्कूल से भगा दिया गया और अब कहा गया कि रेशमा ने परीक्षा नहीं है इसलिए टीसी और मार्कशीट नहीं मिल पाएगी। छात्रा के पिता ने बताया कि उसकी पुत्री रेशमा ने पूरी परीक्षा दी है। रेशमा ने घर पहुंचकर परिजनों से पूरी बात बताई। छात्रा के पिता ने आईजीआरएस माध्यम से विद्यालय इंचार्ज हेमलता पर कई आरोप लगाते हुए ऑनलाइन मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत करते हुए टीसी व मार्कशीट दिलाए जाने की मांग की है। बीईओ पहला सुरेंद्र कुमार ने बताया कि प्रकरण संज्ञान में आया है, प्रधानाध्याकि को तत्काल कल तक छात्रा व उसके अभिभावक को बुलाकर टीसी निर्गत किए जाने के निर्देष दिए गए हैं।

घर में घुसकर मारपीट करने में चार नाम जद दो अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज

जन एक्सप्रेस । मोहम्मदी खीरी

क्षेत्र के गांव सहदेवा में पीड़ित के छोटे भाई की ससुराल के लोगों ने घर में घुसकर मारपीट कर और उसके भाई को जान से मार डालने की धमकी देते हुए उसकी पत्नी को जबरन ले जाने का विरोध करने पर पिटाई कर दी शोर गुल सुनकर पड़ोसियों के ललकारने पर चले गए थे।पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने जांच कर सभी नामित आरोपियों के खिलाफ संगीन धाराओं में केस दर्ज कर लिया है।गांव सहदेवा निवासी सलीम ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया सोमवार शाम 6 बजे करीब उसका छोटा भाई मोहसिन बाहर गया हुआ था। उसके साले नौशाद, सास छुट्टकन्ना, और भोगियापुर थाना उचौलिया निवासी शरीफ, नरहरा मोहम्मदी निवासी रब्बिन्ना पत्नी जुबेर और दो लोग अज्ञात अचानक गाड़ी से आकर घर में घुस पड़े और गाली गलौज करने लगे विरोध करने पर पिटाई शुरू कर दी और उसके छोटे भाई को तलाशते हुए जान से मार डालने की धमकी देने लगे थे।

पड़ोसियों के ललकारने पर छोटे भाई की पत्नी को जबरन गाड़ी में बिठाकर लेकर चले गए थे।पीड़ित की सूचना पर पुलिस ने सभी नामित आरोपियों के खिलाफ बुधवार को केस दर्ज कर लिया है।

धर्मपुर में कचरा प्रबंधन केंद्र का हाल बेहाल

कचरा केंद्र में पल रही है मुर्गा मुर्गी, जिम्मेदार मौन

जन एक्सप्रेस। 000

देवरिया- जनपद के रुद्रपुर ब्लाक अंतर्गत ग्राम पंचायत धर्मपुर में ठोस कचरा प्रबंधन के लिए स्वच्छता संसाधन केंद्र का निर्माण किया गया है ,जिसके निर्माण में सरकार का लाखों रुपये खर्च किया हुआ। यह केंद्र गांव को साफ-सुथरा रखने के उद्देश्य से बनाया गया था, लेकिन अब यह केंद्र जिम्मेदारों की बेपरवाही से सरकार की मंशा पर पानी फेरता नजर आ रहा है।

मॉडल गांव बनाने के प्रयास में लाखों रुपए हुए खर्च, पर सुविधाएं हैं शून्य

धर्मपुर ग्राम पंचायत को मॉडल गांव के रूप में विकसित करने के लिए सरकार द्वारा लाखों रुपये खर्च किए गए हैं। इसके बावजूद गांव में न तो इंटरलॉकिंग की व्यवस्था है और न ही स्वच्छ शौचालय हैं।

यक्ष प्रश्न- जिम्मेदारों की लापरवाही है या ग्रामीणों की बेपरवाही

धर्मपुर गांव में आरसी सेंटर का निर्माण और सरकार द्वारा खर्च किए गए लाखों रुपये का उद्देश्य पूरा नहीं हो पा रहा है। सरकारी तंत्र और स्थानीय प्रशासन की लापरवाही के कारण गांव में कचरे की समस्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। इसका खामियाजा ग्रामीणों और विशेष रूप से बच्चों को भुगतना पड़ रहा है।

प्राथमिक विद्यालय के पीछे फेंका जा रहा कचरा

ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के लोग प्राथमिक विद्यालय के पीछे कचरा फेंकते हैं, जिससे वहां पढ़ने और आने-जाने वाले बच्चों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

आरसी सेंटर का किया जा रहा दुरुपयोग

गांव को स्वच्छ बनाए रखने के लिए अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र अर्थात आरसी सेंटर का निर्माण लाखों रुपये खर्च करके किया गया था। इसमें सुख कूड़ा, गीला कूड़ा, प्लास्टिक कूड़ा, कांच का कूड़ा, पॉलिथीन का कूड़ा और गोबर का कूड़ा फेंकने के लिए अलग-अलग चेंबर बनाए गए थे। लेकिन धर्मपुर गांव में लोग आरसी सेंटर का उपयोग बकरी और मुर्गी पालन के लिए कर रहे हैं।

ग्राम प्रधान के बयान पर ग्रामीणों का आरोप

ग्राम प्रधान सच्चिदानंद तिवारी से जब बात की गई तो उन्होंने कहा कि गांव में कूड़ा फेंकना उनका काम नहीं है, जबकि सरकार ने इसके लिए कार्य करने वालों की नियुक्ति भी की है। वहीं ग्रामीणों का आरोप है कि प्रधान की मिलीभगत और उच्च अधिकारियों की लापरवाही के कारण गांव में ऐसी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पूरे गांव का कूड़ा कचरा प्राथमिक विद्यालय के पीछे फेंका जा रहा है, जिससे गांव की स्वच्छता व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है।

लाखों रुपए की लागत से बनी सार्वजनिक नाली पहली बारिश में ही हुई ध्वस्त

जन एक्सप्रेस। आनन्दनगर महराजगंज

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी सार्वजनिक नाली , पहली बारिश में ही भरभराकर हुई ध्वस्त, ग्रामीणों ने इस नाली को लेकर विरोध जताया है ।वहीं दूसरी ओर पूरे गांव में पानी जमा होने लगा। कमीशन खोरी में बनी यह नाली पहली बरसात भी नहीं सह पाई अभी तो पूरा बरसात बाकी है।

बताते चले लक्ष्मीपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत गजपति में बीते कुछ माह पहले एक सार्वजनिक पक्की नाली का निर्माण किया गया था उक्त नाली निर्माण से गांव के कई घरों के पानी भी जाने लगा और लोगों की परेशानी भी दूर हो गई लेकिन उक्त नाली को जिम्मेदारों ने इस कदर निर्माण कार्य कराया कि पहली बारिश में नवनिर्मित नाली ढह गई। निर्माण में लोगो ने घटिया ईंट और समाग्री उपयोग किया। जिससे यह नाली बीच में ही खेला कर दिया और उक्त नाली के गिर जाने से ग्रामीणों को दिक्कत होने लगी और पानी की जमाव से गंदगी का अंबार भी होने लगा ऐसे में भारी संख्या में ग्रामीणों के बीच नाराजगी है लोग जिम्मेदार सचिव और ग्राम प्रधान पर उंगुलिया उठाने लगे है।इस क्रम में ग्राम प्रधान सहादत कहा कि पानी का अधिक दबाव होने से उक्त नाली टूट गया है।निर्माण होने के वक्त बगल में मिट्टी नही पड़ा था जल्द पुनः निर्माण करवाकर मिट्टी डलवा दिया जाएगा साथ ही लोगों के समस्या को दूर किया जायेगा। बोले बीडीओ, जांच कर की जाएगी कार्रवाई-इस संबंध में लक्ष्मीपुर बीडीओ अमित कुमार मिश्रा ने बताया कि जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

कस्टम टीम ने नेपाल भेजे जा रहे केले के पौधों सहित युवक को किया गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस। निचलौल/महराजगंज

इंडो नेपाल सीमा से सटे कनमिसवा के समीप कस्टम की टीम ने अवैध रूप से नेपाल भेजे जा रहे पिकअप पर लदे केले के पौधे के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर लिया।

कस्टम अधीक्षक रविन्द्र तिवारी ने बताया कि सीमावर्ती क्षेत्र में अवैध तस्करी पर प्रभावी रोकथाम हेतु कस्टम की टीम गस्त पर थी इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर कनमिसवा के पास पिकअप पर लदा लगभग चार हजार केले के पौधों के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी युवक ने अपना नाम अर्जुन निवासी इंदिरा नगर पालिका परिषद महराजगंज बताया है। बरामद केले के पौधा मय पिकअप को कब्जे में लेते हुए कस्टम एक्ट के तहत अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

भाजपा के समर्पित कार्यकर्ता दल द्रोही के हाथों नहीं स्वीकार करेंगे सम्मान: अरुण सिंह गुड्डू

राज्यमंत्री विजयलक्ष्मी का भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया विरोध, बताया भाजपा द्रोही

जन एक्सप्रेस। सलेमपुर देवरिया

भारतीय जनता पार्टी द्वारा बीते लोकसभा चुनाव में विजय श्री हासिल करने में कार्यकर्ताओं के परिश्रम और मतदाताओं द्वारा भाजपा पर भरोसा जताने पर मतदाता, कार्यकर्ता सम्मान समारोह विधानसभावार आयोजित कर कार्यकर्ताओं व मतदाताओं को सम्मानित किया जा रहा है।इसी क्रम में बुधवार को सलेमपुर लोकसभा क्षेत्र के सलेमपुर विधानसभा क्षेत्र में स्थानीय श्रीरैनाथ ब्रम्ह महाविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यकर्ता मतदाता सम्मान समारोह आयोजित किया गया था। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार की ग्राम्य विकास एवं समग्र ग्राम विकास राज्यमंत्री विजयलक्ष्मी गौतम थी और अन्य अतिथियों में पोस्टर बैनर में छपे नामों में पूर्व सांसद रविन्द्र कुशवाहा,एम एल सी डाक्टर रतनपाल सिंह,जिला पंचायत अध्यक्ष पंडित गिरीश चंद्र तिवारी का नाम था, पर ये लोग कार्यक्रम से दूरी बनाए रहे।

सपा प्रत्याशी को जीताने में राज्यमंत्री विजयलक्ष्मी गौतम की महत्वपूर्ण भूमिका

हिंदूवादी नेता अरुण कुमार सिंह गुड्डू ने बताया कि हम सभी भारतीय जनता पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता हैं, जबकि राज्यमंत्री विजयलक्ष्मी गौतम को भी भाजपा कार्यकर्ताओं ने ही दिन रात मेहनत कर विधायक बनाने में योगदान दिया परंतु राज्यमंत्री विजयलक्ष्मी गौतम ने लोकसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशी के विरुद्ध अनावश्यक दुष्प्रचार कर चुनाव हराने का काम किया है। हिंदूवादी नेता ने राज्यमंत्री विजयलक्ष्मी गौतम पर आरोप लगाते हुए कहा कि स्थानीय विधायक राज्यमंत्री विजयलक्ष्मी गौतम समाजवादी पार्टी प्रत्याशी को जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है जो भाजपा के साथ गद्दारी की है।

कार्यकर्ताओं ने राज्यमंत्री पर लगाया भाजपा प्रत्याशी को हराने का आरोप

सम्मान समारोह के निर्धारित समयानुसार भाजपा कार्यकर्ता और भाजपा समर्थक मतदाताओं का हुजूम कार्यक्रम स्थल पर पहुंच गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक व प्रदेश सरकार की राज्यमंत्री विजयलक्ष्मी गौतम , भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह के साथ मंचासीन रही , कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ और जैसे ही राज्यमंत्री विजयलक्ष्मी गौतम कार्यकर्ताओं के सम्मान में बोलना शुरू की कि भाजपा के समर्पित कार्यकर्ता उग्र हो गए और राज्यमंत्री के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में क्षेत्रीय विधायक सह राज्यमंत्री विजयलक्ष्मी गौतम पर आरोप लगाते हुए कहा कि जिसने लोकसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशी को हराने का काम किया उसके हाथों कार्यकर्ताओं को सम्मानित कराना पार्टी कार्यकर्ताओं का अपमान है।

भाजपा नेताओं ने राज्यमंत्री को बताया भितरघाती

कार्यक्रम में उग्र कार्यकर्ताओं ने सम्मान समारोह का बहिष्कार करते हुए कहा कि राज्यमंत्री विजयलक्ष्मी गौतम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लेकर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व तक के बारे में समाजवादी पार्टी के नेताओं और दलालों से अपशब्दों का प्रयोग करते हुए दुष्प्रचार करतीं हैं जिसका दर्जनों आडियो क्लिप बीते दिनों से वायरल हो रहा है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि भाजपा के समर्पित कार्यकर्ता कभी भी ऐसे दल द्रोही जनप्रतिनिधि के हाथों सम्मान स्वीकार नहीं करेगा। सम्मान समारोह का बहिष्कार करने वाले भाजपा नेताओं में अखिलेश सिंह, चुनचुन, राम नैन सिंह, अटल पांडेय, ओम नारायण सिंह, बिभूति प्रसाद, देवेंद्र प्रसाद, विपिन कुश्वहा, बृजेश कुश्वहा, अतुल मिश्रा, बाँके बाबा, अनुज दुबे, पंकज पासवान, छोटे लाल गुप्ता, अरुण सिंह फ़ाफ़ा, उमा कांत मिश्रा आदि मुख्य रहे।

प्राइवेट डेरी वालों पर नालियों में गोबर डालने पर होगा चालान

सुपरवाइजर को कार्य में लापरवाही बरतने पर दी गई अंतिम चेतावनी

जन एक्सप्रेस। गोरखपुर

महापौर डाक्टर मंगलेश श्रीवास्तव एवं नगर आयुक्त गौरव सिंह की अध्यक्षता में महानगर के जोन नंबर 5 व 6 में साफ सफाई एवं डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन एवं स्वच्छ सर्वेक्षण के कार्यों के संबंध में बैठक की गई। बैठक में पार्षदगण ,अपर नगर आयुक्त ,जोनल अधिकारी जोन नंबर 5 व 6 सफाई निरीक्षक, सुपरवाइजर एवं डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन के ड्राइवर उपस्थित रहे ।बैठक में नगर आयुक्त द्वारा समय सफाई निरीक्षक एवं सुपरवाइजर को प्रवर्तन दल के साथ चालान की कार्रवाई करने हेतु निर्देश दिया गया और जिन वार्डों में संकरी गलियां है उनमें ट्राई साइकिल लगाकर कूड़ा वसूली करने ,कमर्शियल एरिया में कूड़े की वसूली, व यूजर चार्ज बढ़ाने हेतु निर्देशित किया गया। वार्ड 47 के सफाई सुपरवाइजर एवं सफाई निरीक्षक को कूड़ा कलेक्शन बढ़ाने हेतु अधिक ध्यान देने हेतु निर्देश दिया गया जिन वार्डों में यूजर चार्ज कम है उन्हें और बढ़ाए जाने ,मल्टी स्टोरी बिल्डिंग ,हॉस्टल में परिवारों की संख्या के हिसाब से यूजर चार्ज लगाने और इसके अलावा पार्षदगण से अपने-अपने घर के डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन का यूजर चार्ज जमा कर वार्ड के लोगों को प्रेरित करने हेतु निर्देशित किया गया । जोन नंबर पांच में सिविल लाइंस को आत्मनिर्भर वार्ड के रूप में चुना गया है।

सफाई सुपरवाइजर संग साप्ताहिक बैठक करें पार्षद

आयुक्त ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 के संबंध में पार्षद गणों को बताया गया कि जोन नंबर पांच को रुपए 5 लाख की वसूली का लक्ष्य है ।वार्ड संख्या 69 के सुपरवाइजर को कार्य में लापरवाही हेतु अंतिम चेतावनी दी गई । वार्ड में प्राइवेट डेरी वालों पर गोबर नाली में डालने हेतु चालान करने के निर्देश दिए गए समस्त वार्डों से कूड़ा हटाओ को प्राथमिकता पर हटवाया जाए समस्त सफाई निरीक्षक सफाई सुपरवाइजर एवं डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन के ड्राइवर को पार्षद गणों के साथ साप्ताहिक बैठक करने का निर्देश दिया गया।

स्वदेशी तकनीकी पर आधारित है बीएसएनएल की 4जी सेवा

पांच हजार से अधिक अन्य कंपनियों के उपभोक्ताओं ने ली बीएसएनएल सेवा

जन एक्सप्रेस। गोरखपुर

लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद निजी टेलीकॉम कंपनियों ने अपने रिचार्ज प्लान के दामों में इजाफा कर दिया है जिसका फायदा भारतीय संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल)को होता नजर आ रहा है। भारतीय संचार निगम लिमिटेड ग्राहकों को स्वदेशी तकनीक और आधारित बीएसएनएल की 4जी सेवा उपलब्ध कराने की तैयारी में जुट गई है। लगभग सौ जगहों पर ग्राहकों को 4जी सुविधा भी मिल रही है। बीएसएनएल के एजीएम सेल्स एंड मार्केटिंग नीरज कुमार सिंह ने बताया कि निजी टेलीकॉम कंपनियों द्वारा टेरिफ रेट में वृद्धि होने के बाद से भारतीय संचार निगम लिमिटेड की तरफ युवाओं को रुझान देखने को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि बीते एक सप्ताह में 5 हजार के आसपास अन्य कंपनियों से ग्राहकों ने अपने नंबरों को बीएसएनएल में पोर्ट कराए हैं। बीएसएनएल के एजीएम सेल्स एंड मार्केटिंग नीरज कुमार सिंह ने बताया कि 1206 साइट पर 4जी का काम चल रहा है। 6 माह के अंदर सभी साइट पर ग्राहकों को 4जी सेवा मिलेगी अभी लगभग 100 साइट पर 4जी सेवा का कार्य पूर्ण कर लिया गया है 4जी सेवा में बीएसएनएल के अच्छे परिणाम देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि बीएसएनएल का जो टैरिफ है वह अन्य टेलीकॉम कंपनियों के टेरिफ रेट से लगभग 35जी काम है और हमारी सेवा बेहतर होने के वजह से अन्य कंपनियों से बीएसएनएल में लोग अपने नंबर को पोर्ट करा रहे हैं।

एसएसबी द्वारा निशुल्क पशु चिकित्सा शिविर का किया गया आयोजन

शिविर में 160 पशुओं का किया गया इलाज, दी गई दवा

जन एक्सप्रेस। निचलौल/महराजगंज

डो नेपाल सीमा पर तैनात 22 वाहिनी एसएसबी द्वारा सीमावर्ती ग्राम पंचायत शीतलापुर में निशुल्क पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के 160 पशुओं का इलाज का दवा वितरित किया गया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ग्राम पंचायत शीतलापुर में एसएसबी द्वारा निशुल्क पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पशु चिकित्सक द्वितीय कमान अधिकारी डॉ. सुशांत शहाजी पारेकर द्वारा शीतलापुर, रेंगहिया, कनमिसवा के पशुपालको के 160 पशुओं का इलाज कर दवा वितरित किया गया। बीओपी इंचार्ज मुकेश कुमार सिंह ने बताया की समय समय पर एसएसबी द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों में निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन कर पशुपालकों को पशुओं की सुरक्षा के लिए जागरूक किया जाता है।

इस दौरान ग्राम प्रधान महेंद्र पासवान, आरक्षी पहाड़ी भट्टाचार्य, सागर पटेल, विकास चंद्र आदि मौजूद रहे।

गोरखपुर जिले में भूमाफिया बेखौफ, प्रशासन मौन, पीड़ित आत्मदाह को मजबूर

जन एक्सप्रेस। गोरखपुर

जनपद में दिनों दिन भू माफियाओं के बढ़ते आतंक से सीएम का गृह जनपद सुर्खियों में है। इन भूमाफियाओं के दबदबे से पुलिस प्रशासन भी मौन है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आतंक मुक्त, भ्रष्टाचार मुक्त, अपराध और अपराधी मुक्त एवं जीरो टॉलरेंस की नीतियों पर पुलिस प्रशासन द्वारा पानी फेरा जा रहा। प्रशासन की निष्क्रियता से दिन प्रतिदिन ऐसे भूमाफियाओं की तादात बढ़ती जा रही है। और शासन और प्रशासन मौन साधे हैं।,

पिडित की भूमिधारी की जमीन पर दबंग कर रहे कब्जा

मामला सीएम योगी के गृह जनपद के तहसील गोला थाना बड़हलगंज क्षेत्र के गांव मरवटिया का है ।पिडित अखिलेश यादव ने उपजिलाधिकारी गोला को प्रार्थना पत्र देते हुए कहा की हमारे भूमिधरी मौजा मरवटिया के आराजी संख्या. 10 व 13 में दबंग विपक्षी रमेश पुत्र रामकिशन आदि द्वारा जबरजस्ती निर्माण कार्य किया जा रहा है। पिडित ने बताया कि इस संबंध में उप जिलाधिकारी व थाना प्रभारी बड़हलगंज को कई बार प्रार्थना पत्र देने के बावजूद कोई उचित कार्यवाही नही हुई है। इस लिए मैं सपरिवार कल दिनांक 11/07/2024 को समय 11 बजे दिन में आपके कार्यालय के मुख्य द्वार पर धरना प्रदर्शन करेंगे और यदि न्याय नहीं मिला तो सपरिवार आत्मदाह भी करेंगे,जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

नव चयनित लेखपालों को प्रदान किया गया नियुक्ति पत्र

जन एक्सप्रेस। अम्बेडकर नगर

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत चयनित 109 लेखपालो का नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित किया गया। जिसके मुख्य अतिथि एमएलसी डॉ. हरिओम पांडे, विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा उर्फ साधु वर्मा, जिलाधिकारी अविनाश सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष त्र्यंबक तिवारी, अपर जिलाधिकारी डॉ. सदानंद गुप्ता उपस्थित रहे। जनपद अंबेडकर नगर के तहसील अकबरपुर में 26 लेखपाल, तहसील आलापुर में 28 लेखपाल, तहसील जलालपुर में 23 लेखपाल, तहसील टांडा में 20 लेखपाल तथा तहसील भीटी में 12 लेखपाल की नियुक्ति होना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा नव चयनित लेखपालों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम लोक भवन सभागार लखनऊ में आयोजित किया गया है ,जिसका सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागार में दिखाया गया। सर्वप्रथम मुख्यमंत्री द्वारा नव चयनित लेखपालों को नियुक्ति पत्र वितरित कर सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले सभी 7720 नव चयनित युवा लेखपालों को बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग एक महत्वपूर्ण विभाग है।

जिसमें लेखपालों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है बिना किसी भेदभाव के सभी को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नवचयनित लेखपालों को उनके कर्तव्यों के प्रति आगाह किया। उन्होंने कहा कि ये नियुक्ति प्रक्रिया पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ संपन्न हुई है। इसमें कहीं कोई भेदभाव नहीं हुआ, कोई सिफारिश की आवश्यकता नहीं पड़ी। ऐसे में ये आपकी जिम्मेदारी बनती है कि बिना किसी सिफारिश के प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के साथ ही एक गरीब की ईज ऑफ लिविंग के लिए आपको अपने स्तर पर विशेष कार्य करना है। सजीव प्रसारण के उपरांत एमएलसी,जिला पंचायत अध्यक्ष, जिलाधिकारी, भाजपा जिला अध्यक्ष, अपर जिलाधिकारी तथा उप जिलाधिकारी द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत नव चयनित 109 लेखपालों को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान एमएलसी द्वारा नव चयनित सभी लेखपालों को बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी गई। उन्होंने कहा कि पारदर्शी तरीके से सभी लेखपाल कार्य करें, किसानों तथा आम जनमानस के साथ अच्छा व्यवहार करें। जिला पंचायत अध्यक्ष तथा भाजपा जिला अध्यक्ष ने भी नव चयनित सभी लेखपालों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि नियुक्ति प्रक्रिया पूरी ईमानदारी और पारदर्शी के साथ संपन्न हुई है इसमें कहीं कोई भेदभाव नहीं हुआ है।

जिलाधिकारी ने जनपद में नव चयनित सभी लेखपालों को राजस्व परिवार में सम्मिलित होने पर हार्दिक बधाई दी गई। उन्होंने नव चयनित लेखपालों से अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आपका जनता के बीच नजदीकी जुड़ाव होता है। किसी को पट्टे की जमीन देनी है, किसी को वरासत का कार्य करना है, किसी के नामांतरण का कार्य करना है, कृषि को अकृषि घोषित करते हुए निवेश की संभावना को आगे बढ़ाना है, कहीं पर पैमाइश की कार्यवाही को बढ़ाना है।

सरकार हाथरस जैसी घटनाओं को रोकने के लिए हमेशा प्रयासरत: आशीष पटेल

इतिहास में पेपर लीक से जुड़े दोषियों को सबसे बड़ी दी जाने वाली है सजा: प्रभारी मंत्री

जन एक्सप्रेस। सुल्तानपुर

प्राविधिक शिक्षा एवं जिले के प्रभारी मंत्री आशीष पटेल बुधवार को जिला मुख्यालय के पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस पहुंचे। जहां उन्होंने गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी ली। शहर विधायक विनोद सिंह, राजप्रसाद उपाध्याय, सीताराम वर्मा, राजेश गौतम, एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह के साथ मुलाकात की। इसके बाद वे कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां पर डीएम कृतिका ज्योत्सना, एसपी सोमेन वर्मा, सीडीओ अंकुर कौशिक समेत विभागीय अफसर के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारने का निर्देश अधिकारियों को दिया। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा सभी जनप्रतिनिधीगण के साथ हम भी हाथरस की घटना पर शोक व्यक्त करते हैं। ऐसी घटनाएं बहुत ही दुःख और संवेदना बढ़ाने वाली होती हैं। सरकार ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए हमेशा प्रयासरत रहती है। दोषियों पर कार्रवाई की जाती है और इस घटना पर खास तौर पर सरकार सजग और सतर्क है। उन्होंने कहा महंगाई के मुद्दे पर सरकार हर नागरिकों तक जरूरतमंद सामग्री पहुंचाने का प्रयास कर रही है। जहां कमी रह जा रही है वहां पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। उधर मंत्री ने कहा कि अनुप्रिया पटेल की तरफ से आरक्षण के उठाए गए मुद्दे को उचित पटल पर पहुंचा दिया गया है। इस विषय पर और मुझे कोई टिप्पणी नहीं करनी है। वही हाथरस की घटना पर आए बसपा सुप्रीमो मायावती की टिप्पणी, जिसमें कहा गया कि हाथरस पर आई जांच रिपोर्ट राजनीति से प्रेरित है इसको लेकर मंत्री ने कहा कि आयोग के गठन और रिपोर्ट के आधार पर सरकार कार्रवाई करने के प्रति संकल्पित है।

परीक्षाओं के पेपर लीक होने के मुद्दे पर उन्होंने कहा केंद्र सरकार हो या उत्तर प्रदेश सरकार अपने स्तर पर जांच कर रही है। यूपी सरकार इस मुद्दे पर कड़ा कानून लेकर आई है। ऐसा प्रोविजन किया गया है कि भारत के इतिहास में पेपर लीक से जुड़े दोषियों को सबसे बड़ी सजा दी जाने वाली है।

एक पेड़ मां के नाम मुहिम के तहत एसडीएम ने किया वृक्षारोपण

जन एक्सप्रेस। लंभुआ/सुलतानपुर

सरकार द्वारा चलाए जा रहे वन महोत्सव **एक वृक्ष मां के नाम** के तहत बाबा जनवारी नाथ धाम में वन विभाग द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में एसडीएम और वनरक्षक अधिकारी ने वृक्षारोपण करते हुए लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया।

वन महोत्सव कार्यक्रम के तहत **एक पेड़ मां के नाम** अभियान के तहत बाबा जनवारी नाथ धाम परिसर में उप जिला अधिकारी लंभुआ विदुषी सिंह एवं वनरक्षक अधिकारी अतुल कुमार सिंह ने एक पेड़ मां के नाम लगाया। वृक्षारोपण के दौरान एसडीएम ने कहा कि अत्यधिक बरसात से ही भू-गर्भीय जलस्तर बढ़ेगा और पर्यावरण की रक्षा होगी, वायु प्रदूषण भी कम होगा लेकिन इसके लिए हरियाली वापस लानी होगी। फलदार और छायादार पेड़ लगाने होंगे। एसडीएम विदुषी सिंह ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा के लिए सिर्फ सरकार को ही अपने दायित्व पूरे करने हैं, इस सोच को बदलने की आवश्यकता है। सरकार के प्रयासों में जनता सहयोग करेगी तो उसके परिणाम शत-प्रतिशत निकलेंगे। उन्होंने लोगों से इस बरसात में अधिक से अधिक पेड़ लगाने और उन्हें संरक्षित करने का आवाह्न किया। वन क्षेत्राधिकारी लंभुआ अतुल कुमार सिंह ने लोगों से अपील की कि सभी लोग मिलकर एक पेड़ मां के नाम अवश्य लगाएं। वृक्षारोपण करने के बाद मां के नाम लगाए गए पौधे को पेड़ बनाने तक उसकी देखभाल जरूर करें। वहीं सामाजिक कार्यकर्ता एवं मंडल मंत्री युवा मोर्चा कृष्ण सिंह जमखुरी ने भी अपने जन्मदिन के शुभ अवसर पर वृक्षारोपण किया। इस दौरान मंडल अध्यक्ष संजय सरोज,कुलदीप दुबे अध्यक्ष(शिव शंभू ट्रस्ट) सेक्टर संयोजक विनीत सिंह मौजूद रहे एवं धाम के साफ सफाई में भी दर्जन पर सफाई कर्मचारी भी मौजूद रहे।

लखनऊ-वाराणसी हाइवे पर ट्रक ने बाइक सवार वृद्ध को रौंदा, इलाज के दौरान अस्पताल में हुई मौत, हिरासत में चालक कब्जे में ट्रक

जन एक्सप्रेस। सुल्तानपुर

लखनऊ-वाराणसी हाइवे पर लंभुआ कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत नरहरपुर बाईपास के पास साइकिल सवार वृद्ध को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल वृद्ध को पहले सीएचसी फिर राजकीय मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। जहां बुधवार को इलाज के दौरान वृद्ध की मौत हो गई। वृद्ध की मौत से परिवार में रोना पिटना मचा है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम में भेजकर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के नरहरपुर में सामान लेने जा रहे साइकिल सवार वृद्ध को तेज रफ्तार ट्रक ने मंगलवार शाम टक्कर मार दी थी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। इसकी सूचना आसपास के स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस एवं पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस एवं एंबुलेंस की मदद से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लंभुआ ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार कर स्थिति को गंभीर देखते हुए राजकीय मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया था। वृद्ध की बुधवार को इलाज के दौरान मृत्यु हो गई।

मृतक वृद्ध की पहचान लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कामापुर निवासी राम सुमेर प्रजापति (60) पुत्र दौलत राम के रूप में हुई थी। बताया जा रहा कि वृद्ध नरहरपुर सामान लाने जा रहे थे, जैसे ही वह साइकिल लेकर नरहरपुर बाईपास के पास पहुंचे थे कि पीछे से आ रही तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी थी। जिससे वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गया था वृद्ध की आज इलाज के दौरान मौत हो गई। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेते हुए और चालक को हिरासत में ले लिया था। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अखंड देव मिश्र ने बताया कि बुजुर्ग की मृत्यु की खबर मिली है ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है। परिजन की तरफ से तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

किशोरी के अपहर्ता की जमानत निरस्त

जन एक्सप्रेस/सुल्तानपुर। अमेठी के जगदीशपुर में एक किशोरी के अपहरण के मामले में जेल भेजे गए युवक की जमानत जिला जज जय प्रकाश पांडे ने निरस्त कर दी है। पुलिस कस्टडी रिमांड के बाद भी किशोरी बरामद नहीं हो सकी है। अमेठी जिले में जगदीशपुर कोतवाली के एक गांव की किशोरी 5 अप्रैल 24 की रात गायब हो गई। किशोरी की मां ने शक के आधार पर भूलीनगर निवासी नरेंद्र निषाद को नामजद किया। पुलिस ने नरेन्द्र को 25 मई को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। उसके बाद पुलिस ने कस्टडी रिमांड पर लिया लेकिन किशोरी नहीं मिली। नरेन्द्र निषाद के प्रार्थना पत्र पर बहस सुनने के बाद जज ने आदेश किया की विवेचना में मिले साक्ष्य में किशोरी को आखिरी बार आरोपित के साथ देखा गया और मोबाइल की कॉल डिटेल में भी घटना से पहले दोनों की बात होना का साक्ष्य है। इस लिए आरोपित को जमानत पर रिहा नहीं किया जा सकता है।

दहेज़ हत्यारोपी पति की जमानत निरस्त, शादी से चार माह के भीतर ससुराल में लटकी मिली थी लाश

जन एक्सप्रेस/सुल्तानपुर। शादी के चार माह के अंदर विवाहिता का शव ससुराल में लटका मिलने के मामले में मायके वालों ने पति सहित ससुरालीजनों पर दहेज के लिए हत्या करने का मुकदमा दर्ज कराया था। जिला जज जय प्रकाश पांडे ने पति की जमानत आज निरस्त कर दी है। जिला शासकीय अधिवक्ता राम अचल मिश्र ने बताया कि घटना का मुकदमा प्रतापगढ़ जिले के आसपुर देवसरा मीरपुर निवासी मंतलाल ने लिखाई थी। जिसके अनुसार उसने अपनी बेटी खुशबू का विवाह 29 मई 23 को कादीपुर मे विजेथुवा के राजू ऊर्फ जयप्रकाश के साथ किया था।

पूर्व मंत्री के मुकदमे में 19 जुलाई को बहस

जन एक्सप्रेस/सुल्तानपुर। बसपा सरकार में मंत्री रहे ओम प्रकाश सिंह के मुकदमे में अभियोजन की बहस बुधवार को पूरी हो गई। बचाव पक्ष के लिए 19 जुलाई की तिथि नियत की गई है। अभियोजन के अनुसार मंत्री सहित छ लोगों पर मोतिगरपुर थाने के उपनिरीक्षक सुशील कुमार राय ने 15 जनवरी 2022 को आदर्श चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन की एफआईआर लिखाई थी। आरोप है कि ढेमा बाजार मे उन्होने बिना अनुमति जन सभा की थी। इसमें सारे साक्ष्य हो चुके है बचाव पक्ष के अधिवक्ता संतोष पांडे ने अगली पेशी पर बहस करने का अवसर मांगा। जिसे विशेष मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने स्वीकार कर लिया। आदर्श चुनाव आचार संहिता उल्लंघन के मामले में कोर्ट मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत में विशेष लोक अभियोजक वैभव पांडे ने पक्ष की बहस के लिए 19 जुलाई की तारीख नियत की है।

ह्यूडई मोटर इंडिया फाउंडेशन ने अपने 'समर्थ पैरा-स्पोर्ट्स प्रोग्राम' के तहत 20 पैरा एथलीट्स को जोड़ा

जन एक्सप्रेस। आगरा

एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए ह्यूंडई मोटर इंडिया फाउंडेशन ने आज अपने %समर्थ पैरा-स्पोर्ट्स प्रोग्राम% के तहत तीन साल के लिए 20 पैरा एथलीट्स को जोड़ने का एलान किया। एनजीओ पार्टनर गोस्पोर्ट्स फाउंडेशन के साथ साझेदारी में की गई यह पहल ह्यूडई मोटर इंडिया लिमिटेड की %समर्थ बाय ह्यूडई% पहल का ही हिस्सा है। %समर्थ पैरा-स्पोर्ट्स प्रोग्राम% को पैरा एथलीट्स को स्ट्रक्चर्ड सपोर्ट देने के लिए डिजाइन किया गया है।

इसमें चुने गए 20 पैरा एथलीट्स के लिए वित्तीय मदद, एक्सपर्ट स्पोर्ट्स साइंस गाइडेंस, असिस्टिव डिवाइस तक पहुंच, सॉफ्ट स्किल डेवलपमेंट असिस्टेंस और सम्मानित कोच एवं विशेषज्ञों से मॅटरशिप के कदम शामिल हैं।

इस कार्यक्रम के तहत आठ प्रमुख खेल श्रेणियों में प्रतिभाशाली एथलीटों को चुना गया है- पैरा- एथलेटिक्स, पैरा-स्विमिंग, पैरा-बैडमिंटन, व्हीलचेयर टेनिस, पैरा-तीरंदाजी, पैरा-रोइंग, पैरा- कैनोइंग और पैरा-साइक्लिंग। चुने गए एथलीट्स में भारत भर से 15 उभरते (13 वर्ष और उससे अधिक आयु के) और 5 इलीट (16 वर्ष और उससे अधिक आयु के) पैरा एथलीट शामिल हैं। भारत की अदम्य भावनाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले पैरा एथलीट्स को वैश्विक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने में सक्षम बनाने के लिए आवश्यक संसाधन एवं मार्गदर्शन दिया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान सूंडई मोटर इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री उनसू किम ने कहा, सूंडई मोटर इंडिया लिमिटेड में हम एक ऐसी दुनिया को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जहां प्रत्येक व्यक्ति सार्थक रूप से योगदान देने में सक्षम हो। समर्थ पैरा-स्पोर्ट्स प्रोग्राम प्रोग्रेस फॉर ह्यूमैनिटी के हमारे विजन के अनुरूप है और इसका उद्देश्य एक ऐसे समावेशी समाज को बढ़ावा देना है, जहां सभी को आगे बढ़ने का अवसर मिले। पैरा एथलीट्स का समर्थन करते हुए हमारा प्रयास वैश्विक मंच पर उनकी अविश्वसनीय प्रतिभा को सामने लाना और उन्हें अपने जुनून को आगे बढ़ाने का मौका देना है। गोस्पोर्ट्स फाउंडेशन और सभी चयनित 20 पैरा एथलीट्स को मेरी शुभकामनाएं। मुझे पूरा विश्वास है कि ये एथलीट अपने साहस एवं दृढ़ संकल्प से अनगिनत लोगों को प्रेरित करेंगे और भारत को गौरवान्वित करेंगे।

गोस्पोर्ट्स फाउंडेशन की सीईओ सुश्री दीप्ति बोपैया ने कहा, गोस्पोर्ट्स फाउंडेशन पैरा एथलीट्स को संस्थागत समर्थन देने में हमेशा आगे रहा है और हम सूंडई मोटर इंडिया फाउंडेशन के समर्थ पैरा स्पोर्ट्स प्रोग्राम के माध्यम से एक बड़ा बदलाव लाने की उम्मीद कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य युवा एवं प्रतिभाशाली पैरा एथलीट्स के लिए एक मंच स्थापित करना है, ताकि वे आगे बढ़ सकें और पैरा-स्पोर्ट्स, पैरालिंपिक के शिखर तक पहुंच सकें। हमें विश्वास है कि सही समर्थन और दृष्टिकोण के साथ हम भारत को एक महान खेल राष्ट्र बनाने में सक्षम होंगे।

लुईस ड्रेफस कंपनी ने भारत में विभोर एडिबल ऑयल रिलॉन्च किया

जन एक्सप्रेस। आगरा

कृषि सामग्रियों के लिए विश्व की अग्रणी मर्चेंट एवं प्रोसेसर, लुईस डेफ्रस कंपनी (एलडीसी) ने भारत में अपना एडिबल ऑयल, विभोर रिलॉन्च किया है। यह रिलॉन्च वैल्यू चेन में अपनी पहुँच का विस्तार करने की एलडीसी की विस्तृत रणनीति के अनुरूप किया गया है। भारत में 25 सालों से मौजूद एलडीसी ने अपनी विशेषज्ञता और स्थानीय बाजार की समझ के साथ विभोर ब्रांड को फिर से पेश किया है। इसका उद्देश्य भारत में तेजी से बढ़ते एडिबल ऑयल बाजार में अपनी स्थिति को मजबूत करना है क्योंकि यह बाजार 2024 में 34.75 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने और 2024 से 2029 तक प्रतिवर्ष 4.94% की दर से बढ़ने की उम्मीद है। भारत के लिए एलडीसी के कंट्री सीईओ, श्री सुमित मित्तल ने कहा, भारत एलडीसी के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है। हमारा रिफ्रेश्ड विभोर ब्रांड स्वास्थ्य के प्रति सतर्क भारतीय ग्राहकों की विकसित होती हुई जरूरतों को पूरा करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करता है।

कार्यालय ग्राम पंचायत डाला, विकास खण्ड रुद्रपुर, देवरिया

पत्रांक: मेमो/केंद्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा/स्वच्छ भारत मिशन/सांसद/विधायक/विधान परिषद सदस्य निधि/2024-25 दिनांक: 10.07.2024

पूर्णकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024-25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबंधन (SLWM/RGSA) केंद्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा/स्वच्छ भारत मिशन/सांसद/विधायक/विधान परिषद सदस्य निधि के अंतर्गत कार्यों हेतु विवाह भवन, अन्त्येष्टि स्थल, आंगनबाड़ी केंद्र, खेल का मैदान, ई-रिक्शा, साईकिल रिक्शा, कूड़ेदान, कूड़ा गाड़ी, डस्टबिन कप, प्लास्टिक कप, प्लास्टिक बैग, एसीलेटरी भस्मक कप व आर.सी.सी. सेन्टर स्वच्छता किट, कचरा पात्र, माइक, स्ट्रीट लाइट, इण्टरलॉकिंग ईंट, सरिया, लोहे का जाल, ह्यूम पाइप, वाल पुट्टी, टीन चादर, एस्बेस्टस सीट, बजरी, वाल पेंटिंग, बेंच, शील्ट कैचर, फिल्टर चैम्बर, प्लास्टिक पाइप, हैंड पंप मरम्मत/ रिबो, इलेक्ट्रानिक मैटेरियल, सफेद बालू, गिट्टी, रेट्रो फिटिंग सामग्री, फागिंग मशीन, स्प्रे मशीन, स्टेशनरी आदि सामानों की आपूर्ति हेतु अनुभवी संस्था को अल्पाकालिक निविदा हेतु आमंत्रित की जा रही है। निविदा की शर्ते एवं विवरण निविदा के पत्र में अंकित है जिसे ग्राम पंचायत के कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। निविदाकर्ताओं को जीएसटी फर्म का रजिस्ट्रेशन, पैन कार्ड की छाया प्रति प्रमाणित संलग्न करनी होगी। सामग्री की मात्रा घट या बढ़ सकती है। दो प्रतिशत धरोहर की धनराशि नगद या एफडीआर के रूप में ग्राम पंचायत के पक्ष में ग्राम पंचायत के नाम बंधक होगी। **इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा 15.07.2024 को 10:30 बजे तक** सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर तथा वांछित प्रपत्र बंद लिफाफे में ग्राम पंचायत डाला के निविदा बाक्स में डाली जायेगी। निविदा उसी दिन 01:30 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर की धनराशि मूल्य 5000/- रुपये होगी।

नियम व शर्तें निम्नवत हैं:-

1. निविदादाता का सैल्स टैक्स/ इनकम टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है, तथा वह आयकर व जीएसटी देता हो, का प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना होगा।
2. धरोहर/अर्नेस्टमनी की धनराशि बैंक में जमा रसीद/एफडीआर/डाकघर का राष्ट्रीय बचत पत्र ग्राम प्रधान/ ग्राम पंचायत सचिव के नाम बंधक के पक्ष में जमा करना होगा तथा निविदा के साथ संलग्न किया जायेगा।
3. निविदादाता को इस आशय का शपथ प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा कि उसका फर्म ब्लैक लिस्टेड नहीं है।
4. सफल निविदादाता द्वारा कार्य लागत का 5 प्रतिशत सिक्योरिटी मनी जमा करना होगा। जिसमें 2 प्रतिशत निविदा स्वीकृत किये जाने के एक सप्ताह के भीतर एफडीआर/राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में जो ग्राम प्रधान/ग्राम सचिव के नाम बंधक होगा। शेष 3 प्रतिशत में अर्नेस्टमनी की धनराशि समायोजित करते हुए बिल से कटौती की जायेगी। सिक्योरिटी मनी कार्य संतोषजनक रूप से पूरा होने का प्रमाणक होने के 6 माह उपरांत वापस किया जायेगा। निविदादाता के डिफाल्टर होने अथवा कार्य संतोषजनक नहीं होने पर सिक्योरिटी मनी जब्त कर ली जायेगी।
5. प्रस्तुत की गई दरें पीडब्ल्यूडी/शासन द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।
6. निविदा फर्म किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत डाला के कार्यालय में रुपया 500.00 (पांच सौ रुपये) जमा कर प्राप्त किया जा सकता है। ग्राम पंचायत द्वारा जारी निविदा प्रपत्र पर डाली गई निविदा पर विचार किया जायेगा।
7. किसी भी विवाद पर ग्राम पंचायत का निर्ण अंतिम होगा। ग्राम पंचायत का निर्णय के विपरित किसी प्रकार का कोई विवाद किसी अन्य न्यायालय में नहीं लाया जा सकेगा।
8. जिस फर्म का दर न्यूनतम होगा उसे कार्य कराये जाने हेतु ग्राम पंचायत द्वारा लिखित आदेश के द्वारा सूचित किया जायेगा।
9. निविदा को स्वीकृत करना अथवा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित होगा।
10. निविदादाता द्वारा कार्य का विस्तृत/मानक एवं कार्य स्थल आदि की जानकारी ग्राम पंचायत कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में उपस्थित होकर प्राप्त की जा सकती है।

मुलायम यादव
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत-डाला
विकास खण्ड- रुद्रपुर, जिला- देवरिया

दीनानाथ प्रजापति
ग्राम विकास अधिकारी/सचिव
ग्राम पंचायत-डाला
विकास खण्ड- रुद्रपुर, जिला- देवरिया

उत्तर रेलवे
आज़ादी का अमृत महोत्सव
खुली निविदा सूचना (ई-निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु सिंगल पैकेट पद्धति से ई-निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक **31.07.2024** को 15.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुयल ऑफर स्वीकार नहीं किये जायेगें, यदि कोई मैनुयल आफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा।
निविदा फार्म का मूल्य जमा नहीं करना है तथा निविदाकर्ता को धरोहर राशि का भुगतान केवल ireps पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाईन भुगतान प्रणाली में नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड इत्यादि द्वारा करेगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद एवं एफ डी आर द्वारा भुगतान स्वीकार नहीं किये जायेगे।

	निविदा सूचना संख्या	06402024 दिनांक 09.07.2024
1	कार्य का नाम: सहायक मण्डल इंजीनियर-वाराणसी/उ0रे0/लख0 के अधीन वरि0 खण्ड इंजीनियर/कार्य/वाराणसी के परिक्षेत्र में लखनऊ मण्डल के वाराणसी क्षेत्र-पंडित दीन दयाल उपाध्याय (डी0डी0यू0) (लगभग 30 कि0मी0) स्वचलित सिग्नलिंग के प्रावधान के संबंध में 05 एस0एण्ड0टी0 भवनों के निर्माण का कार्य।	
2	अनुमानित लागत	रू0 98,19,962.25
3	धरोहर राशि	रू0 2,49,600.00
4	कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से छह (06) माह।
5	निविदा डालने का प्रारंभ	17.07.2024
6	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	31.07.2024 15:00 बजे
7	वेबसाईट	www.ireps.gov.in

नोट :- 1. तकनीकी और वाणिज्यिक प्रस्तावों के खुलने के बाद अतिरिक्त दस्तावेज़ की प्रस्तुति एवं उससे संबन्धित निविदा उपरांत किसी प्रकार के पत्राचार स्वीकार नहीं किए जाएंगे। निविदादाता के निविदा उपरान्त पत्रों को भी शून्य एवं प्रभावहीन माना जायेगा। (प्रधान कार्यालय उ0रे0 नयी दिल्ली का पत्र सं. 74-W/O/Pt.XXV/WA/Loose दिनांक 07.04.2015
2096/2024
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

फ्रैंकलिन टेम्पलटन ने फ्रैंकलिन इंडिया मल्टी कैप फंड लॉन्च किया

जन एक्सप्रेस। आगरा

फ्रैंकलिन टेम्पलटन (भारत) ने आज फ्रैंकलिन इंडिया मल्टी कैप फंड (एफआईएमसीएफ) नामक अपने ओपन-एंडेड मल्टी कैप डायवर्सिफाइड इक्विटी फंड को लॉन्च करने की घोषणा की। इस फंड का उद्देश्य लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियों की इक्विटी और इक्विटी संबंधित प्रतिभूतियों के पोर्टफोलियो में निवेश करके दीर्घकालिक पूंजी वृद्धि प्राप्त करना होगा। फ्रैंकलिन इंडिया मल्टी कैप फंड (एफआईएमसीएफ), नियामक आवश्यकताओं के अनुरूप, प्रत्येक मार्केट कैप श्रेणी यानी लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप में अपनी कुल संपत्ति का न्यूनतम 25त्न बनाए रखेगा। शेष 25% को आंतरिक ढांचे के आधार पर सबसे इष्टतम तरीके से मिश्रित किया जाएगा। नया फंड ऑफर 8 जुलाई, 2024 को खुलेगा और 22 जुलाई, 2024 को बंद होगा, जिसके दौरान यूनिट रू.10/- प्रति यूनिट पर उपलब्ध होंगी।

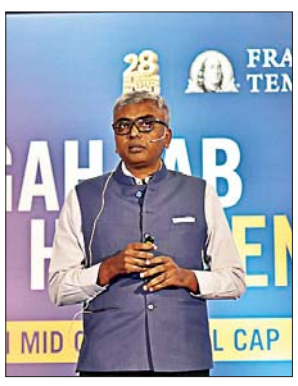

नर्सों के सहारे संचालकगण चला रहे नर्सिंग होम

- बिलसंडा में आधे अधूरे मानको के साथ चल रहा न्यू श्रद्धा नर्सिंग होम
- घटना घटित होने के बाद स्वास्थ्य विभाग कार्यवाही करने के लिए बढ़ता है कदम

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

कस्बे में कई प्राइवेट अस्पतालों का संचालन किया जा रहा है। अस्पतालों में डॉक्टर की अनुपस्थिति में नर्सों द्वारा इलाज भी कर दिया जाता है। जिससे कभी-कभी मरीज की मृत्यु भी हो जाती है। इस तरह की घटनाएं पूर्व में कई बार सामने आ चुकी हैं। लेकिन स्वास्थ्य विभाग के महकमे की सरपरस्ती में प्राइवेट अस्पतालों का संचालन नगर में लगातार हो रहा है। ऐसे स्थान में कई बार हुई मौतों के बाद भी जिम्मेदार मुकदर्शक बने बैठे हैं। ऐसे ही प्राइवेट अस्पताल का संचालन नगर के रौतापुर मार्ग पर किया जा रहा है। अस्पताल का संचालन न्यू श्रद्धा हॉस्पिटल के नाम से हो रहा है।बताते हैं कि स्वास्थ्य महकमे की सरपरस्ती में अस्पताल बिना मानक सुविधाओं के संचालित हो रहा है।वहीं अस्पताल के बाहर एक बड़ा सा बोर्ड लगाकर बेहतर चिकित्सकों द्वारा इलाज होने का दावा कर मरीज को गुमराह किये जाने का कार्य भी किया जा रहा है।जबकि सूत्रों की माने अस्पताल में चिकित्सकों की अनुपस्थिति रहती है।अस्पताल में प्रसव कार्य के अलावा गंभीर बीमारियों के इलाज का दावा भी किया जाता है।लेकिन स्थिति कुछ और ही बयां करती नजर आ रही है। बताते हैं कि महिला चिकित्सक की गैरमौजूदगी में नर्सों द्वारा ही महिला मरीजों का प्रसव कार्य कर दिया जाता है।जबकि अस्पताल के बाहर लगे बोर्ड के अनुसार अस्पताल में महिला चिकित्सक की मौजूदगी दर्शायी गई है।मजे की बात यह है कि बिना मानक संचालित अस्पताल पर जिम्मेदारों की अभी तक नजर नहीं पड़ी।या फिर यूं कहे कि लगभग चार माह से संचालित प्राइवेट अस्पताल पर स्वास्थ्य विभाग की नजर पड़ने के बाद भी स्वास्थ्य विभाग किसी बड़ी घटना के घटित होने का इंतजार कर रहा है। वही नगर में स्वास्थ्य विभाग की अनदेखी के चलते कई हॉस्पिटल संचालित हैं। जिनमें कई बार प्रसव के दौरान महिला मरीजों और बच्चों की मौत का मामला सामने आ चुका है। ऐसे में नगर में बिना मानक नए अस्पताल न्यू श्रद्धा हॉस्पिटल का संचालित होना स्वास्थ्य विभाग पर सवालिया निशान खड़े कर रहा है। पुष्ट सूत्रों की माने तो गर्भवती महिलाओं को प्राइवेट अस्पताल में भर्ती करने पर सरकारी अस्पतालों की आशा कार्यकत्रियों को अस्पताल प्रशासन द्वारा मोटा कमीशन दिए जाने की चर्चा भी सामने आ रही है।बताते हैं कि नगर में संचालित इस तरह के निजी अस्पतालों का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक महिला मरीजों को भर्ती कर मोटी रकम कमाना है। हालांकि इस मामले को लेकर जब जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी आलोक शर्मा से फोन पर वार्तालाप कर जानकारी ली तो उन्होंने जानकारी देते हुए बताया अगर ऐसा कोई मामला है तो मुझे भेजिए मैं इस पर कार्रवाई करूंगा।

> इस अस्पताल की जांच हेतु इसके कागज जांच एवं रजिस्ट्रेशन के लिए सीएमओ साहब के पास भेजे थें। निरीक्षण हेतु अभी कोई आदेश नहीं आया गया है एक बार इसका निरीक्षण किया गया था और सीएमओ साहब को अवगत करा दिया गया था हालांकि नोटिस भी दिया गया था अस्पताल संचालक ने रजिस्ट्रेशन कराने हेतु आश्वासन दिया था। हालांकि सीएमओ साहब को अवगत करा दिया गया था।
> –मनीष राज शर्मा
> सीएचसी अधीक्षक, बिलसंडा पीलीभीत

खंड विकास अधिकारी ने स्वच्छता मिशन के तहत कार्यशाला का किया आयोजन

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

खुटहन। राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग उत्तर प्रदेश जल जीवन मिशन द्वारा नामित संस्था जानकी प्रसाद मेमोरियल रिसर्च एंड एजुकेशनल ट्रस्ट महाराजगंज द्वारा विकास खण्ड परिसर में जल जीवन मिशन के अंतर्गत खण्ड विकास अधिकारी गौरवेंद्र सिंह और बाल विकास परियोजना अधिकारी सुरेश कुमार यादव की अध्यक्षता में कार्यशाला का आयोजन किया गया प्रशिक्षक योगेश चंद्र शुक्ला और आशुतोष पांडेय द्वारा जल जनित मुद्दों दूषित पानी पीने से होने वाली बीमारियां और उनसे बचने के उपाय के बारे में बताया गया और फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन के उपयोग के बारे में लोगों को बताया गया प्रशिक्षक विजय पांडे द्वारा स्वास्थ्य एवं सफाई हेतु ग्रामीण बसावटों को सुरक्षित पेयजल प्रदान करने तथा ठोस और तरल कचरा प्रबंधन हेतु विभिन्न रंगों के माध्यम से सामाजिक मानचित्रण द्वारा लोगों को बताया गया। जल जीवन मिशन की रूपरेखा को आगे और मजबूत करने के लिए लोगों को जागरूक किया गया जिससे सरकार का लक्ष्य समय से पूरा किया जा सके। कार्यशाला में बाल विकास अधिकारी सुरेश कुमार यादव मुख्य सेविका सुशील वर्मा ग्राम पंचायत अधिकारी अजय कुमार मिश्रा और समस्त आंगनबाड़ी सहायिका आदि उपस्थित रही। खंड विकास अधिकारी गौरवेंद्र सिंह जी और ग्राम पंचायतअधिकारी अजय कुमार मिश्रा जी द्वारा जल जीवन मिशन की टीम की गाड़ी को हरी झंडी दिखाकर गांव में रवाना किया गया । कार्यशाला में टीम के सदस्य अंकित यादव अनुज पाल विजय पांडेय मनीष यादव लव कुश गौड़ आदि लोग उपस्थित रहे।

संकट की घड़ी में आपदा से प्रभावित परिवारों के साथ है सरकार : योगी

- बाढ़ पीड़ितों का शीघ्र सर्वे कर योजनाओं का लाभ देने के निर्देश

जन एक्सप्रेस । प्रशांत शर्मा

पूरनपुर। बाढ़ प्रभावित गांव चंदिया हजारा का निरीक्षण कर वापस लौटे सीएम योगी आदित्यनाथ ने अभयपुर जगतपुर में हेलीपैड के पास बने बाढ़ राहत शिविर में पहुंचकर ग्रामीणों को संबोधित किया।बाढ़ पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त की। बताया कि एक सप्ताह से नेपाल उत्तराखंड और पीलीभीत में अतिवृष्टि के कारण नदियों का जलस्तर बढ़ गया है।जिससे यहां बाढ की बड़ी समस्या खड़ी हुई है।अभी तक 15 अगस्त से 30 अगस्त के बीच में बाढ़ देखने को मिलती थी। जुलाई के प्रथम सप्ताह में ही हम लोगों को बाढ़ की समस्या से जूझना पड़ रहा है। इस बाढ से पीलीभीत सहित प्रदेश के 12 जनपद प्रभावित हुए है।कहा कि सरकार ने अपने स्तर पर प्रयास प्रारंभ किया। बाढ़ बचाव के सभी उपाय समय पर पूरे हो,उस पर कार्य भी किया गया है।लोक सभा का चुनाव लंबा चलने के कारण हो सकता है उसमें कोताही बरती गई हो। शारदा नदी में मजबूत और पुख्ता बाढ़ बचाव कार्य करने का प्रयास किया गया है।अतिवृष्ट के कारण व्यापक रूप से जल उपलावन की स्थिति देखने को मिली है।पीलीभीत में शारदा और देवहा नदी के कारण जनपद के 222 गांव की लगभग 76 हजार आबादी और कृषि प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों को पहले ही निर्देशित कर दिया गया था,कि क्षेत्र में तत्काल राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ किए जाएं। सबसे पहले प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के निर्देश दिए। बाढ़ की विभीषिका से निपटने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को नाव, मोटर वोट, खाद्यान्न पैकेट और लंच पैकेट बनाने के आदेश दिए। जनपद में बाढ से तीन जन हानि ,13 पशु हानि हुई है।इसके साथ ही पशुओं के लिए चारा की व्यवस्था के लिए अधिकारियों को आदेशित किया।बाढ बचाव के लिए 261 शरणालय 46 बाढ चौकिया का गठन करने के साथ ही अन्य उपाय करने के निर्देश दिए।बताया कि बाढ़ में राहत एवं बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पीएससी,एसएसबी को लगाया गया है।बाढ़ पीड़ितों को सुविधाएं देने के लिए निर्देश दिए हैं। जहां घरों के अंदर पानी घुस गया है वहां कम्युनिटी किचन की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।जो पीड़ित परिवार अलग से भोजन बनाना चाहते हैं उनके के लिए दो पैकेट राहत सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।बाढ़ राहत शिविर में संबोधन के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने पीड़ित परिवारों को राशन किट का वितरण किया। जिसके बाद वह हेलीकॉप्टर से लखीमपुर के लिए रवाना हो गए।

सीएम को दुखड़ा सुनाते ही फफक कर रोने लगी महिलाएं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन की जानकारी पर बाढ़ पीड़ित तमाम महिलाएं अपना दुखड़ा सुनाने के लिए सुबह से ही टकटकी लगाए बैठी थी। चंदिया हजारा पहुंचे सीएम बाढ़ शरणालय में बैठक के बाद बाढ़ पीड़ितों से मिलने पैदल ही चल दिए। सैकड़ो बाढ़ पीड़ित सड़क के किनारे दुखड़ा लिए खड़े थे। मुख्यमंत्री से रूबरू होते ही महिलाएं फफक कर रोने लगी।दशकों से बाढ़ की विभीषिका झेलती आ रही महिलाओं ने सीएम से स्थाई बचाव कार्यों के लिए गुहार लगाई। तमाम महिलाओं ने सीएम को पत्र देकर समस्याओं से अवगत कराया। सीएम ने भीड़ में खड़े बच्चों को बुलाकर लाड प्यार किया। उनसे नाम पूछने के बाद स्कूल जाने की जानकारी ली। मुख्यमंत्री से मिलकर बच्चे भी बेहद खुश देखे गए।

ग्रामीणों को रोकने में छूटा पुलिस का पसीना

मुख्यमंत्री के आगमन की जानकारी पर आस पड़ोस के लगभग आधा दर्जन से अधिक गांव के ग्रामीण चंदिया हजारा में जुट गए। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रशासनिक की ओर से सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। रस्सी की बैरिकेडिंग कर सीएम का काफिला निकला गया। मुख्यमंत्री के आते ही भीड़ बेकाबू हो गई। ग्रामीणों ने सुरक्षा घेरा तोड़कर घुसने का प्रयास किया।भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

राशन किट न मिलने से नाराज़ बाढ़ पीड़ितों ने किया प्रदर्शन

चंदिया हजारा पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाढ पीड़ित 22 परिवारों को राशन किट का वितरण किया।राशन किट पाने के लिए अन्य पीड़ित भी बाढ़ शरणालय पंहुच गए। राशन किट न मिलने के कारण बाढ़ पीड़ित दर्जनों परिवार मायूस हो गए।नाराज महिलाओं ने विरोध में नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। प्रशासनिक अधिकारियों से राशन किट दिलाने की मांग की। प्रदर्शन करने वालों में धरना विश्वास, मनीषा विश्वास, खुशी ढाली, प्रियंका विश्वास, साक्षी,शैलेक सरकार,सरस्वती सरकार,वंदना विश्वास ,चारु राय, विभूति सरकार शामिल रहे।

76 हजार आबादी प्रभावित

- 3 जनहानि
- 13-पशु हानि

जनपद में बाढ़ से बचाव के इंतजाम

- बाढ़ शरणालय -261
- बाढ़ चौकियां-46
- एनडीआरएफ-1
- एनडीआरएफ-2
- पीएससी-1
- एसएसबी-1
- मोटर वोट ,नाव

पीलीभीत की पांच तहसीलों 222 गांव प्रभावित

- पूरनपुर -60
- कलीनगर-20
- बीसलपुर-33
- अमरिया-30
- तहसील सदर-16

बाढ़ पीड़ितों को राहत किट में मिली सामग्री

राहत सामग्री में 5 किलो लाई, 2 किलो भुना चना, 1 किलो गुड़, 10 पैकेट बिस्कुट, माचिस व मोमबत्ती का पैकेट, नहाने के 2 साबुन, 20 लीटर का जरीकेन पेयजल के लिए, तिरपाल, 10 किलो आटा, 10 किलो चावल, 2 किलो अरहर की दाल, 10 किलो आलू, हल्दी, मिर्च, मसाला, 1 लीटर सरसों का तेल, 1 किलो नमक आदि उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए गए हैं।

दुश्मनों की बजाय फौजी ने अपनों पर जमाया रुतबा

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

केराकत तहसील क्षेत्र के ग्राम सभा छितौना नारायणपुर थाना जलालपुर के मूल निवासी शेषमणि दुबे पुत्र भगवत दुबे व वदना दुबे पत्नी प्रशांत दुबे ने जिलाधिकारी जौनपुर से मिलकर लिखित प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि प्रार्थी का भतीजा फौज में नौकरी करता है। अपने पद का दुरुपयोग करके अपने उच्च अधिकारियों से स्थानीय जिला प्रशासन व तहसील प्रशासन के ऊपर दबाव डालकर हमारे साथ गैर कानूनी कार्रवाई करा रहा है। प्रार्थी ने यह भी बताया कि ग्राम सभा छितौना ग्राम लोहगाजर नारायणपुर की भूमि अपने भाई राममणि के साथ 1/2 भाग का सहखातेदार है तथा काबिज है। राजस्व अभिलेख में भी सह खातेदार अंकित है। उल्लेखनीय है कि प्रार्थी का भतीजा फौज में नौकरी में है। बार-बार अपने उच्च अधिकारियों से वैधानिक पत्राचार करवाकर उपजिला अधिकारी केराकत से मिलकर प्रार्थी की बनी हुई बाउंड्री को तुड़वा देना चाहता है। प्रार्थी व उसकी बहू उप जिलाधिकारी से न्याय की गुहार लगाया तो उप जिलाधिकारी केराकत द्वारा यह कहा गया कि 4 दिन का समय दिया जाता है। प्रार्थी को जो भी बचाव करना हो कर लो अन्यथा हम तुम्हारा निर्माण ध्वस्त करवा देंगे। प्रार्थी अत्यंत हैरान है ।पीड़ित का यह भी आरोप है कि भतीजा फौज में नौकरी के नाम पर स्थानीय प्रशासन के ऊपर दबाव बनाकर कानून की सरासर अवहेलना कर रहा है,जो गलत तथा विधि विरुद्ध है।

धर्मपुर क्षेत्र पंचायत की बैठक में 2 करोड़ 60 लाख का बजट हुआ पास

- मनरेगा कार्यो के लिए एक करोड़ सैंतीस लाख का बजट अलग से हुआ पास
- धर्मापुर क्षेत्र पंचायत की बैठक में विकास कार्यों पर भी हुई चर्चा

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

धर्मापुर विकास खंड कार्यालय स्थित शहीद हाल में बुधवार को ब्लाक प्रमुख विमलेश यादव की अध्यक्षता में क्षेत्र पंचायत की बैठक हुई। जिसमें गावों के विकास की विभिन्न कार्य योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर चर्चा की गयी। जिसके लिये दो करोड़ साठ लाख रुपये का बजट प्रस्ताव लिया गया। बैठक में मनरेगा कार्यो के लिए एक करोड़ सैंतीस लाख का बजट अलग से भी पास किया गया। बैठक का संचालन करते हुए एडीओ आईएसबी राकेश रोशन ने पिछली कार्यवाही पढ़कर सुनाया। जिसकी सदस्यों ने पुष्टि की। बीडीओ कृष्णमोहन यादव ने गांवों के विकास की सभी योजनाओं पर चर्चा की। बैठक को मुख्य अतिथि मछलीशहर सांसद प्रिया सरोज ने संबोधित करते हुए कहाकि विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ा जायेगा। सभी समस्याओं का समाधान किया जायेगा। चिकित्सा अधीक्षक डा. मनोज कुमार, पशु चिकित्सक डा. बृजेश, एडीओ समाज कल्याण जयप्रकाश विश्वकर्मा, सीडीपीओ अभिषेक द्विवेदी, आजीविका मिशन से ऋषभ सिंह, शिक्षा विभाग से उमेश मिश्र और कृषि विभाग से बृजेश मौर्य ने अपने अपने विभागों से संबंधित जानकारी सदस्यों को दी। इस अवसर पर एडीओ पंचायत लालजी राम, प्रमुख पति ओमप्रकाश यादव मुन्ना समेत ब्लाक के सभी सचिव, बीडीसी सदस्य प्रदीप पाण्डे, संतोष विश्वकर्मा, विजय प्रताप पाल, व प्रधान मौजूद रहे।

बारिश में काम करने वाले कर्मचारियों को बांटी गई सुरक्षा किट

- पालिका अध्यक्ष डॉ आस्था अग्रवाल ने सफाई के काम में जुट जाने के निर्देश दिए

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

शहर में बाढ़ आने के बाद पालिका परिषद कार्यालय में पालिकाध्यक्ष डॉ आस्था अग्रवाल सभासदों और सफाई नायको की आपात बैठक आयोजित की गई। जिसमें शहर के प्रत्येक वार्ड में सफाई व्यवस्था सुचारू रूप से करने और कर्मचारियों से काम में जुट जाने के लिए कहा गया। इस अवसर पर बारिश में काम करने वाले कर्मचारियों की सुरक्षा की दृष्टिगत रेनकोट, गम बूट सुरक्षा किट आदि वितरित की। सफाई के लिए नए फावड़े भी दिए गए। प्रत्येक वार्ड के लिए। ब्लीचिंग पाउडर दिया गया। पालिका अध्यक्ष ने कहा कि रोज प्रत्येक वार्ड में कीटनाशक दवाई का स्प्रे किया जाएगा। फागिंग मशीन भेज कर रोस्टर के अनुसार वार्डों में फॉगिंग कराई जाएगी। पालिका की ओर से 27 कीटनाशक स्प्रे मशीन, चार छोटी फागिंग मशीन कूड़ा उठाने के लिए नए ठेले मंगवाने की बात कही। अधिक जानकारी देते हुए पालिका अध्यक्ष डॉ0 आस्था अग्रवाल ने बताया की इस प्राकृतिक आपदा के समय पालिका से जुड़े सभी लोगों की जिम्मेदारी है कि अपने-अपने वार्ड, गली, मोहल्ले में विशेष रूप से सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखें ताकि नगर को संक्रामक रोगों से बचाया जा सके। पालिकाध्यक्ष डॉ0 आस्था अग्रवाल ने शहर के निचले इलाकों में रहने वाले शहर वासियो से अपील की है कि वह अभी भी सतर्क रहे। पालिका अध्यक्ष एवं सभी कर्मचारी प्रत्येक स्थिति में मदद के लिए तत्पर है। इस अवसर पर काफी संख्या में वार्ड सभासद और सफाई नायक मौजूद रहे।

पेड़ से टकराई बोलोरो, पशु चिकित्सक की मौत, एक घायल

- सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के जपटापुर बाजार मे हुई घटना

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के जपटापुर बाजार में एक बोलेरो मंगलवार की रात सड़क पर अचानक आवारा छुट्टा साड के आ जाने से पेड़ से टकरा गई। जिसके चलते इलाज के दौरान चालक की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। सपरतहां थाना क्षेत्र के एडगला गांव के निवासी राजेंद्र यादव का 35 वर्षीय पुत्र विकास यादव अपने मित्र अजय कुमार गुप्ता 30 वर्ष के साथ बोलेरो से जौनपुर गया हुआ था। मंगलवार रात जब वह बोलेरो लेकर घर के लिए निकला तो जपटापुर बाजार के समीप सडक पर अचानक छुट्टा साड आ गया और अनियंत्रित बोलेरो सड़क किनारे नीम के पेड से टकराई, टक्कर इतना जोरदार थी,कि संभालने का मौका नहीं मिला। बोलेरो सवार पशु चिकित्सक विकास और अजय दोनों गंभीर रूप से घायल चिल्लाने लगे,मौके पार आसपास के लोग पहुंच गए और लोगों ने जाकर देखा तो विकास की हालत गंभीर थी, लोगों ने इसकी सूचना एम्बुलेंस व पुलिस को दी।सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस ने पहुंचकर दोनो को इलाज के लिए जिला अस्पताल भर्ती कराया जहां इलाज के दौरान विकास को मौत हो गई। अजय को इलाज के लिए रेफर कर दिया है। पशु चिकित्सक विकास की मौत से क्षेत्र में मातम उतर गया, गांव वालों का कहना है कि विकास पशुओं की स्वास्थ्य चिकित्सा कर क्षेत्र में सेवा देते थे। थानाध्यक्ष अमित सिंह ने बताया शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया और वाहन को कब्जे लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

गुरुदेव श्री नीम करौली महाराज जी का चतुर्थ गुरु पूर्णिमा महोत्सव के अवसर पर होगा महायज्ञ का आयोजन

जन एक्सप्रेस । मुकेश कुमार

पीलीभीत। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गुरुदेव श्री नीम करौली महाराज जी का चतुर्थ गुरु पूर्णिमा महोत्सव महायज्ञ का आयोजन जनपद के ईदगाह काशीराम नगर कॉलोनी वार्ड नंबर 5 में श्री बालाजी मंदिर के प्रांगण में संपन्न होंगे। इस पूरे कार्यक्रम की जानकारी देते हुए श्री बालाजी दरबार कर्ता सभासद महंत सेवक विशाल ने बताया की आने वाली 20 जुलाई शनिवार को गुरुदेव सिद्ध ब्रह्मदेव झंडी यात्रा का आयोजन सुबह 10:00 से होगा वही 21 जुलाई रविवार को श्री बालाजी महाराज का दरबार दोपहर 1:00 से प्रारंभ होगा जिसमें सुंदर गुणगान के साथ श्री बालाजी महाराज का भव्य दरबार सजाया जाएगा और गुरुदेव का यज्ञ प्रारंभ होगा जो कि बाबा की इच्छा अनुसार तक रहेगा। महंत श्री विशाल ने जानकारी देते हुए इस कार्यक्रम की पूरी जानकारी बताते हुए कहा यह कार्यक्रम जनपद के ईदगाह काशीराम नगर कॉलोनी वार्ड नंबर 5 श्री बालाजी मंदिर के प्रांगण में संपन्न होंगे। जिसमें आप सभी भक्त सादर आमंत्रित हैं। इतना ही नहीं उन्होंने एक संदेश देते हुए बताया समस्त दरबार में आने वाले भक्त बाबा के दरबार में रोग, पीड़ा, संकट, निवारण हेतु अपने ऊपर से सात बार गोल उतार कर हवन में लेकर आए।

टैबलेट से छात्र छात्राएं अर्जित करें तकनीकी जानकारी : राजीव कुमार

- सहकारी पीजी कॉलेज मिहरावा में तकनीकी शिक्षा पर दिया जोर

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

सहकारी पीजी कॉलेज मिहरावा जौनपुर के तत्वावधान में बुधवार टैबलेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय प्रबंधक राजीव कुमार सिंह ने कहा कहा कि यह सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को तकनीकी ज्ञान में दक्ष करना है ।तकनीकी ज्ञान में दक्ष युवा नए भारत का निर्माण कर सकता है। हम सबको तकनीकी ज्ञान के दौर मे इसका सदुपयोग करने की जरूरत है तभी हम सफलता अर्जित कर पाएंगे। इस अवसर पर महाविद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को आज के समय में इस योजना का सकारात्मक लाभ लेने की जरूरत है । हम आशा करते हैं कि हमारा कॉलेज नित नये ऊंचाइयों को छूएगा। आप तकनीकी ज्ञान में दक्ष होंगे तभी नए भारत के निर्माण के वाहक होंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ अरविंद सिंह ने कहा कि आप सभी इसकी अच्छाइयों को अपनाएंगे और ज्ञान की ज्योति जलाते हुए समाज को प्रकाशवान बनाएंगे और हमारा समाज एक तकनीकी ज्ञान में दक्ष समाज होगा। हम आशा करते हैं कि आने वाला कल आपका होगा। कार्यक्रम का संचालन नोडल अधिकारी डॉ राज बहादुर यादव ने किया । इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवम कर्मचारी उपस्थित होकर छात्रो को टैबलेट वितरण करने में सहयोग किए।

सीएमओ ने भ्रमण कर शत् प्रतिशत टीकाकरण करने का दिया निर्देश

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ लक्ष्मी सिंह द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मछली शहर के ग्राम रामपुर कला का भ्रमण किया गया। उन्होने वीएचएनडी सेशन देखा जहां पर एएनएम टीकाकरण कर रही थी जिस पर मुख्य चिकित्साधिकारी ने शत प्रतिशत टीकाकरण हेतु निर्देशित किया। वीएचएनडी सत्र पर ओआरएस एवं जिंक टेबलेट पर्याप्त मात्रा में मिला। मुख्य चिकित्साधिकारी ने वनवासी बस्ती में टीकाकरण से इनकार वाले परिवारों के सदस्यों से बात की और उन्हें टीकाकरण हेतु प्रेरित किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने संचारी अभियान के दौरान अन्य विभागों द्वारा कराए गए कार्यों का भी निरीक्षण किया। ग्राम में साफ-सफाई नालियों की सफाई झाड़ी की कटाई एवं एंटी लारवा छिड़काव कराया गया था।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय रामपुर कला का निरीक्षण किया। उन्होंने कक्षा में बच्चों से संवाद किया और बच्चों से साफ सफाई हाथ धुलने की प्रक्रिया, डायरिया एवं अन्य संचारी रोगों के विषय में प्रश्न किया। बच्चों को संचारी रोगों एवं उनसे बचाव की जानकारी थी। इस अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मछली शहर डॉक्टर तपिश कुमार, डीएमसी यूनिसेफ गुरदीप कौर एवं बी पी एम उपस्थित रहे।

बिल्हौर नगर पालिका द्वारा संचारी रोगों से बचाव के लिए दिया गया प्रशिक्षण, दवा छिड़काव जारी

❋ संचारी रोगों से बचाव के लिए घर-घर पहुंचाए जा रहे हैं पंपलेट

जन एक्सप्रेस । बिल्हौर ब्यूरो

बिल्हौर नगर पालिका प्रशासन द्वारा शासन के दिशा-निर्देशानुसार संचारी रोगों से बचाव हेतु दिनांक 01-07-2024 से 31-07-2024 तक चलाया जा रहा है संचारी रोग नियंत्रण अभियान।

अभियान के अन्तर्गत वार्डों में करायी जा रही साफ सफाई एवं कीटनाशक दवाओं का छिड़काव।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान के दौरान दिनांक 11-07-2024 से प्रारम्भ हो रहे दस्तक अभियान हेतु आज दिनांक 10-07-2024 को पालिका अधिशाषी अधिकारी सुश्री अंजनी मिश्रा ने सफाई कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया।

प्रशिक्षण के दौरान अधिशाषी अधिकारी ने बताया कि आप सभी वार्डों की सफाई के साथ-साथ जनमानस को वेक्टर जनित रोगों (डेंगू, मलेरिया, दीमागी बुखार आदि) से बचाव हेतु जागरूक भी करें। साथ ही यह भी ध्यान रखें कि वार्ड में किसी भी स्थान पर पानी जमा न हों। साथ ही नागरिकों से भी यह अपील की कि अपने घरों में कूलर, गमलों, टायरों आदि में पानी न जमा होने दें यदि किसी को डेंगू, मलेरिया, दीमागी बुखार आदि के लक्षण प्रतीत होते हैं तो अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में जाकर उपचार अवश्य करायें।

प्रशिक्षण के दौरान पालिका लिपिक अजय कुमार, जितेंद्र सिंह, सफाई इंचार्ज कैलाश, विनोद कुमार एवं पालिका कर्मचारी तकी हसन, शहबाज बेग, आरिफ, गोपाल अवस्थी आदि कर्मचारी उपस्थित रहे।

पटाखे की दुकान में विस्फोट, आतिशबाज की मौत

जन एक्सप्रेस । उन्नाव

पाटन। पकराखुर्द गांव में सोमवार रात दुकान में विस्फोट हुआ। दुकान के दरवाजा-खिड़की उखड़ गए। शटर का टुकड़ा सिर में घुसने से आतिशबाज की मौत हो गई। पुलिस ने जांच की। आशंका है कि जमीन पर गिरने से पटाखों में विस्फोट हुआ। बिहार थानाक्षेत्र के पकराखुर्द निवासी अली अहमद (43) आतिशबाजी का काम करता था। सोमवार रात वह कानपुर से कुछ पटाखे लेकर आया और दुकान में रख दिया। रात अधिक होने से शटर बंद कर वह बाहर ही सो गया। रात करीब 1:30 बजे अचानक विस्फोट हुआ। इससे खिड़की के साथ दरवाजा व शटर उखड़ गया। शटर का टुकड़ा अली अहमद के सिर में घुस गया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

विस्फोट और आतिशबाज की मौत की सूचना पर एसओ मौके पर पहुंचे। जांच में उन्हें कोई ऐसी सामग्री नजर नहीं आई जिससे आग लग सकती हो। उनका अनुमान है कि कोई पटाखा जमीन पर गिरा, जिसके दगने से अन्य पटाखों में आग लगी और विस्फोट हुआ।

आतिशबाज की पत्नी की करीब 10 साल पहले मौत हो चुकी है। इससे अक्सर वह दुकान में ही रहता था। पटाखे के काम में उसकी निराश्रित बहन पप्पो और बेटा नाजिर भी साथ देते थे। घटना के समय बहन और बेटा घर पर थे। मृतक के तीन और बेटे हैं, जो अलग-अलग शहरों में नौकरी करते हैं। मृतक के बेटे नाजिर ने बताया कि पिता पटाखा बनाते नहीं थे। वह खरीदकर बेचते थे। कानपुर से वह करीब 40 हजार रुपये के पटाखे लाए थे।

थानाध्यक्ष शिवप्रकाश पांडेय ने बताया कि जांच की गई है। कुछ ऐसा नहीं मिला जिससे आग लगने की संभावना है। अनुमान है कि कोई पटाखा गिरकर दगा, जिससे विस्फोट हुआ। लाइसेंस और भंडारण के बिंदु पर जांच की जा रही है। अग्निशमन केंद्र प्रभारी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि आतिशबाज के पास पटाखा बिक्री या भंडारण का लाइसेंस नहीं था। वह शादी व अन्य मांगलिक कार्यक्रमों में आतिशबाजी करने का काम करता था। पटाखे बाजार से खरीदकर लाया था।

दुष्कर्म पीड़िता की मां की हत्या में दो आरोपियों का सुराग नहीं

जन एक्सप्रेस । उन्नाव

फतेहपुर चौरासी। सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता की मां की हत्या की घटना में फरार दो हत्यारोपियों का कोई सुराग नहीं लगा। दोनों के मोबाइल फोन बंद होने से सर्विलांस टीम के हाथ खाली हैं। घटना के बाद से गांव में पुलिस तैनात है।

थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी अनुराग पाल उर्फ अनुज ने छोटे भाई अनूप पाल और साथी पुनीत यादव के साथ मिलकर सोमवार सुबह दुष्कर्म पीड़िता के घर पर धावा बोला था। पीड़िता की 48 वर्षीय मां की गोली मारकर हत्या कर दी थी और 24 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता और उसके 53 वर्षीय पिता पर धारदार हथियारों और डंडों से हमलाकर लहूलुहान कर दिया था। घटना में पीड़िता की तीन छोटी बहनों को भी चोटें आई थीं।

वारदात के बाद सामूहिक दुष्कर्म और पीड़िता की हत्या के मुख्य आरोपी ने गांव के बाहर जाकर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। जबकि अनूप और पुनीत भाग निकलने में सफल रहे थे। दो नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से पीड़िता का परिवार दहशत में है।

वीडियो वायरल होने के बाद सजग होती पुलिस तो न होती घटना

उन्नाव। सामूहिक दुष्कर्म के आरोपी ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर पीड़िता, उसकी मां और परिवार का नामोनिशान मिटाने का एलान किया था। दो दिन पहले वीडियो वायरल होने के बाद भी पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी। सोशल मीडिया पर सतर्क रहने का दावा करने वाली पुलिस अगर यहां भी सतर्कता बरतती तो शायद यह घटना न होती। मालूम हो कि हत्यारोपी अनुराग पाल ने दो दिन पहले ही मारने और खुद मरने की धमकी देते हुए 28 मिनट 37 सेकेंड का वीडियो फेसबुक पर शेयर किया था। इसी के बाद उसने अपने एलान के मुताबिक युवती के घर में घुसकर उसकी मां की हत्या की, पीड़िता और उसके पिता को लहूलुहान कर दिया। दुष्कर्म पीड़िता और उसका पिता अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे हैं।

दोनों का किया गया अंतिम संस्कार

दुष्कर्म पीड़िता की मां के शव का मंगलवार को सरैयां घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। गंभीर हालत होने से मृतका का पति और बेटी अंतिम दर्शन नहीं कर सके। वहीं, खुदकुशी करने वाले हत्यारोपी अनुराग के शव का सोमवार शाम को शुक्लागंज गंगाघाट में अंतिम संस्कार किया गया। उसके कुछ रिश्तेदार अंतिम संस्कार में शामिल हुए। घटना में नामजद छोटा भाई भी घाट पर नहीं पहुंचा।

एसपी के आदेश पर गांव में पुलिस बल तैनात किया गया है। उधर, दोनों आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस की तीन टीमों ने दही चौकी औद्योगिक क्षेत्र और हरदोई के मल्लावां में कई स्थानों पर दबिश दी, लेकिन दोनों का कोई सुराग नहीं लगा है।

एसओ राजेश्वर त्रिपाठी ने बताया कि घटना के खुलासे के लिए टीमें लगी हैं। मोबाइल बंद होने से दोनों आरोपियों की लोकेशन नहीं मिली है। बताया कि आत्महत्या करने वाले आरोपी अनुराग का गांव में कच्चे घर के अलावा कुछ नहीं है। मवेशी तक बेच दिए हैं। उसकी मां पहले भी कम आती थी।

घटना के बाद वह भी कहीं चली गई। बताया कि घायल युवती और उसके पिता का हैलट में इलाज चल रहा है। दोनों की हालत में सुधार है।

पहिया धंसने से 30 फीट गहरी खंती में पलटा डीजल-पेट्रोल भरा टैंकर

जन एक्सप्रेस । उन्नाव

फतेहपुर चौरासी। कालीमिट्टी-शिवराजपुर मार्ग पर साइड पटरी पर पहिया धंसने से टैंकर अनियंत्रित होकर 30 फिट गहरी खंती में पलट गया। हादसे में चालक व क्लीनर को हल्की चोटें आई हैं। टैंकर में 12 हजार लीटर तेल था, जिसमें आधे से ज्यादा बह गया।

कानपुर के महाराजपुर निवासी चालक रोहित (45) सोमवार रात क्लीनर संदीप (28) के साथ भौंती कानपुर से टैंकर में 3000 लीटर पेट्रोल और 9000 लीटर डीजल लेकर बांगरमऊ के एक पेट्रोल पंप जा रहा था। शिवराजपुर-कालीमिट्टी मार्ग का इन दिनों चौड़ीकरण हो रहा है। सड़क को चौड़ा करने के लिए लोक निर्माण विभाग ने दोनों तरफ मिट्टी की भरान कराई है। रात करीब नौ बजे चालक सरहा गांव की पुलिया के पास पहुंचा तभी एक वाहन को साइड देने के दौरान टैंकर का पहिया कच्ची पटरी में जाकर धंस गया। चालक ने निकालने की कोशिश की तो अनियंत्रित होकर टैंकर खंती में पलट गया। हादसे में चालक और क्लीनर को चोटें आई हैं। लोगों ने उन्हें एंबुलेंस से फतेहपुर चौरासी सीएचसी पहुंचाया। टैंकर में भरा तेल खंती में बह गया। मंगलवार को बांगरमऊ के अग्निशमन प्रभारी राममिलन भारती पहुंचे और तेल के रिसाव होने से आग लगने के खतरे को देखते हुए लोगों से फोटो और मोबाइल का प्रयोग न करने व किसी वाहन को आसपास न रोकने के लिए हिदायत देते रहे। दोपहर बाद दो क्रेनों की मदद से टैंकर को निकालने का प्रयास किया गया। इस दौरान टैंकर की वायरिंग या बैटरी में स्पार्किंग की संभावना और आग लगने के खतरे को देखते हुए दो दमकलों की मदद से पानी का छिड़काव कराते हुए टैंकर को सीधा कराया गया। शाम छह बजे तक टैंकर खंती से बाहर नहीं निकाला जा सकता था।

गांव के पास पलटता तो होता बड़ा खतरा

टैंकर जिस जगह पलटा है वहां से सरहा गांव करीब 200 मीटर दूर है। अगर टैंकर गांव के पास पलटता तो पेट्रोल बहने से आग लगने का खतरा ज्यादा होता। चर्चा रही कि रात को आसपास गांव के कुछ लोग खंती में बहे तेल को डिब्बों में भरकर ले गए। हालांकि पुलिस ने इससे इन्कार किया है।

फोन पर बात करते-करते ट्रेन के आगे कूद गया युवक, मौत

जन एक्सप्रेस । उन्नाव

नवाबगंज। फोन पर बात करते-करते युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने जांच की तो परिजनों ने मामला प्रेम प्रसंग का बताया। मौके से युवक की बाइक और मोबाइल बरामद हुई है। पुलिस कॉल डिटेल निकलवा रही है।

अजगैन कोतवाली के कन्हाई खेड़ा गांव निवासी रामकिशुन राजपूत उर्फ छोटी (32) सोमवार रात करीब 10 बजे बाइक लेकर मोबाइल से बात करते हुए गांव से निकला। तीन किलोमीटर दूर लखनऊ-कानपुर रेलमार्ग के दिर्गज खेड़ा गांव के सामने लखनऊ से कानपुर जा रही रेलवे लाइन के पास बाइक और मोबाइल फेंककर आ रही ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बाइक और मोबाइल कब्जे में लिया है। परिजनों ने भी पुलिस को प्रेम प्रसंग में आत्महत्या करने की बात कही है।

युवक गांव में ही डीजे साउंड का काम करता था। मृतक के भाई सुनील ने बताया कि वह तीन भाइयों में सबसे छोटा था। दो बहनें हैं उनका विवाह हो चुका है। बेटे को मौत से मां चंदावती और अन्य परिजन बेहाल हैं। कोतवाल अवनीश सिंह ने बताया कि बाइक और मोबाइल को कब्जे में लिया गया है। मोबाइल की कॉल डिटेल निकलवाई जा रही है।

सीसीटीवी फुटेज के लिए धरने पर बैठीं नगर पंचायत अध्यक्ष

जन एक्सप्रेस । उन्नाव

अचलगंज। नगर पंचायत अधिकारियों और कर्मचारियों की गतिविधियों को देखने के लिए नगर पंचायत अध्यक्षा ने एक माह का सीसीटीवी फुटेज ईओ से मांगा था। फुटेज उपलब्ध न कराने पर मंगलवार को वह धरने पर बैठ गईं।

नगर पंचायत अध्यक्ष लक्ष्मी वर्मा ने लिखित पत्र देकर एक जुलाई को ईओ अंकिता कुमार से जून माह का सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराने की बात कही थी। इस पर ईओ टरकारती रहीं। मंगलवार शाम चार बजे अध्यक्षा दोबारा फिर कार्यालय पहुंची और फुटेज उपलब्ध कराने की बात कही। इस पर ईओ ने मुख्यालय से ऑपरेटर के आने के बाद फुटेज देने की बात कही। इसके बाद वह कार्यालय से चली गईं। उनका रवैया देख अध्यक्ष वहीं कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गईं। करीब एक घंटे बाद मुख्यालय से ऑपरेटर पहुंचा और ईओ भी पहुंची। लेकिन इसके बाद भी ईओ ने सीसीटीवी फुटेज नहीं दिया।

करीब दो घंटे बाद एसओ संजीव मौके पर पहुंचे। उन्होंने दोनों पक्षों की बात सुनी। इसके बाद एडीएम की स्वीकृति के बाद ईओ ने बुधवार को सीसीटीवी फुटेज देने का आश्वासन दिया। तब जाकर अध्यक्षा ने प्रदर्शन समाप्त किया। ईओ ने बताया कि उच्चाधिकारियों से बात हो गई है। बुधवार को फुटेज उपलब्ध करा दिया जाएगा। इस दौरान अनीता निगम, कुलदीप, सहाबुद्दीन, पिंटू चौरसिया, मयंक यादव आदि सभासद भी मौजूद रहे।

ईओ के समर्थन सभासद बैठे धरने पर

अचलगंज नगर पंचायत शुरू से ही विवाद में रही। मंगलवार को धरना-प्रदर्शन के दौरान भी सभासदों के दो गुट में नजर आए। अध्यक्ष के साथ 15 में आठ सभासद धरने पर बैठे। वहीं, ईओ के समर्थन में लिपिक धीरेंद्र यादव के नेतृत्व में छह सभासद और कर्मचारी भी अध्यक्ष द्वारा कार्यालय में अनावश्यक दबाव बनाने का आरोप लगा कर धरने पर बैठे रहे।

मथुरा पहुंचे मुख्य सचिव और डीजीपी, अफसरों संग बांके बिहारी मंदिर के कॉरिडोर पर किया मंथन

जन एक्सप्रेस । मथुरा

मथुरा पहुंचे मुख्य सचिव और डीजीपी ने अफसरों संग बैठक की। बैठक में बांके बिहारी मंदिर में व्यवस्थाओं पर चर्चा की। साथ ही कॉरिडोर पर भी मंथन किया।

तीर्थनगरी मथुरा के वृंदावन में बुधवार को मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, डीजीपी प्रशांत कुमार पहुंचे। वह सबसे पहले श्री बांके बिहारी मंदिर पहुंचे। उन्होंने ठाकुर जी के दर्शन करके मंदिर का भ्रमण किया। मंदिर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। एसएसपी और डीएम ने उनको मंदिर की व्यवस्थाओं के विषय में जानकारी दी। इस मौके पर मंडलायुक्त रितु महेश्वरी, एसएसपी शैलेस पांडेय सहित अधिकारी मौजूद रहे। दोनों अधिकारियों ने धार्मिक पर्यटन के बिंदुओं पर विकास को लेकर स्थानीय अधिकारियों संग बैठक की।

इस मौके पर मुख्य सचिव कहा कि प्रतिदिन पांच से 10 लाख श्रद्धालु ठाकुर श्री बांकेबिहारी मंदिर में दर्शनार्थ आते हैं। इन श्रद्धालुओं को दर्शन में असुविधा न हो ऐसी शासन की मंशा है। साथ में यह भी ध्यान रखा जाएगा कि स्थानीय लोगों को भी इससे परेशानी न हो। जल्द ही इन सुविधाओं को लागू किया जाएगा। डीजीजी प्रशांत कुमार ने कहा कि सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए जाएंगे। इसमें श्रद्धालुओं के संग ही स्थानीय लोगों को बेहतरी लग सके।इससे पहले मुख्य सचिव और डीजीपी ने करीब पौन घंटे तक मंदिर का बाहरी और अंदरूनी व्यवस्थाओं को परखा। इसके बाद दोनों अफसरों ने ठाकुर जी का देहरी पूजन भी किया। फिलहाल दोनों अफसर जोन और जनपद के अफसरों के संग कॉरिडोर पर मंथन कर रहे हैं।

फास्ट फॉरवर्ड

महिला से लूटपाट कर भाग रहे लुटेरों को भाई ने पकड़ा

जन एक्सप्रेस । उन्नाव। असोहा। बहनोई के साथ मायके से ससुराल जा रही महिला को रोक कर तीन बदमाशों ने झुमका और मोबाइल छीन लिया। सूचना पर महिला के भाई ने साथियों के साथ लुटेरों का पीछा किया और एक पेट्रोल पंप के पास दो को पकड़ लिया। थानक्षेत्र के दऊ गांव निवासी विशाल की पत्नी खुशबू अपने बहनोई रजनीश के साथ मंगलवार दोपहर ससुराल दऊ गांव जा रही थी। कांथा-असोहा मार्ग पर कांथा स्थित पेट्रोल पंप के पास बाइक सवार दो युवकों ने पीछा किया। सुनसान स्थान पर मोबाइल और झुमका नोंचकर भागे। खुशबू ने कांथा गांव निवासी भाई सोनू को घटना की सूचना दी तो उसने अपने साथियों के साथ मिलकर लुटेरों का पीछा किया। सोहरामऊ-लालाखेड़ा मार्ग पर शाहबाद के पास बाइक सवार दो युवकों को घेर कर पकड़ लिया। जबकि तीसरा बदमाश भाग निकला। पुलिस पूछताछ में लुटेरों ने अपना नाम आशाखेड़ा सोहरामऊ निवासी सूरज लोधी और दूसरे ने समीर बताया। एसओ विष्णुकांत गोयल ने बताया कि दोनों को जेल भेजा गया है। तीसरे की तलाश की जा रही है।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार शिक्षक की मौत

जन एक्सप्रेस । उन्नाव। अचलगंज। उन्नाव-लालगंज हाईवे पर मुगलपुर गांव के सामने ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार दो शिक्षक गंभीर घायल हो गए। दोनों को जिला अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टर ने एक को मृत घोषित कर दिया। थानाक्षेत्र के कोरारीकला गांव निवासी मनोज (45) सिकंदपुर कर्ण के खन्नापुर प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थे। सोमवार देर शाम नथई खेड़ा प्राथमिक विद्यालय में तैनात साथी शिक्षक कोरारीकला निवासी महेश कुशवाहा के साथ उन्नाव गए थे। रात करीब 10 बजे लौटते समय उन्नाव-लालगंज हाईवे पर मुगलपुर गांव के पास विपरीत दिशा से आ रहे ईंट लदे ट्रैकर-ट्रॉली की टक्कर से बाइक चला रहे शिक्षक महेश उछल कर दूर जा गिरे। जबकि मनोज ट्राली के पहिये के नीचे आ गए। पुलिस ने एंबुलेंस से दोनों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां मनोज को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि शिक्षक महेश का इलाज चल रहा है। मनोज की शादी आठ साल पहले हुई थी। कोई संतान नहीं है। पति की मौत से पत्नी मीना और अन्य परिजन बेहाल हैं। वह पांच भाइयों में चौथे नंबर के थे। थानाध्यक्ष संजीव कुशवाहा ने बताया कि पोस्टमार्टम कराया गया है। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। बाइक सवार हेलमेट लगाए थे।

परिजनों का हंगामा, पोस्टमार्टम में सिर में तीन चोटों की पुष्टि

जन एक्सप्रेस । उन्नाव। महिला का शव फंदे से लटका मिलने की घटना में आरोपियों की ओर से एक जनप्रतिनिधि को सिफारिश करते देख परिजन ने हंगामा किया। मुकदमा दर्ज होने की जानकारी पर शांत हुए। पोस्टमार्टम में महिला के सिर में तीन चोटों की पुष्टि हुई है। सदर कोतवाली के मदऊखेड़ा गांव निवासी पुष्पा (24) पत्नी गिरीश कुमार कुरील का शव सोमवार दोपहर करीब दो बजे घर के अंदर कमरे में फंदे से लटका मिला था। मृतका के पति की सूचना पर पहुंचे अचलगंज थानाक्षेत्र के कुरमापुर गांव निवासी भाई अजय कुमार ने शव की स्थिति देख हत्या करने का आरोप लगाया था। सीओ ने जांच की थी और रात में ही मृतका के भाई की तहरीर पर पति गिरीश, ससुर राकेश के साथ तीन ननद और तीनों नंदोई पर दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मंगलवार को शव का पोस्टमार्टम होना था। पोस्टमार्टम होने से पहले ही एक जनप्रतिनिधि और पूर्व प्रधान लड़के पक्ष से वहां पहुंच गए। इसकी भनक मृतका के परिजनों को लगी तो वह भड़क गए और सड़क पर आ गए। इससे जाम की स्थिति बन गई।

जाम की सूचना पर कोतवाल मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाया तब जाकर वह शांत हुए। बाद में पैनल में शामिल जिला अस्पताल के डॉ. फैसल जुबेर और डॉ. विकास सचान ने वीडियोग्राफी के बीच पोस्टमार्टम किया। इसमें हैंगिंग के साथ सिर में तीन गंभीर चोटें मिली हैं।

पोस्टमार्टम के बाद ससुराल पक्ष से कोई न होने से मायके पक्ष के लोगों ने अंतिम संस्कार किया। कोतवाल प्रमोद कुमार मिश्र ने बताया कि घटना में पति, ससुर सहित आठ पर दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई है। गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

युवती के साथ जबरन किया घिनौना काम, वीडियो बानकर सोशल मीडिया पर किया पोस्ट

जन एक्सप्रेस । मथुरा

तीर्थनगरी मथुरा में शकील ने युवती के साथ जबरन घिनौना काम किया। इसका वीडियो बानकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। परिवार के लोग दहशत में हैं।

तीर्थनगरी मथुरा के गोवर्धन थाना क्षेत्र में आरोपियों ने युवती के साथ दुष्कर्म किया। इसका वीडियो भी बनाया और इसे सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। यह कुछ ही देर में वायरल हो गया। पीड़िता के 0पिता ने थाने में तहरीर दी। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

पिता ने बताया कि सात जुलाई को उसकी बेटी खेत पर खाना देने गई थी। तभी गांव के ही शकील ने उनकी बेटी को जबरन पकड़ लिया। ज्वार के खेत में ले जाकर दुष्कर्म किया। इसकी वीडियो बना लिया। वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया।

इसके बाद पुलिस के पास जाने और रिपोर्ट लिखाने पर जान से मारने की धमकी भी दी। परिवार के लोग दहशत में हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद बाबू मिश्र ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बकोठी में मां सहाय क्लीनिक का लाइसेंस ना मिलने पर सीज की

❋ स्वास्थ्य विभाग की टीम नहीं कर पा रही है लोगों को जागरूक।

जन एक्सप्रेस । हरिनाथ सिंह

बिल्हौर तहसील क्षेत्र में झूला छाप डॉक्टरों की भरमार है वहां की स्थानीय अधिकारियों की देखरेख में चल रहे हैं वहीं पर मेडिकल स्टरों के हर कस्बे में ठेकेदार बैठे हैं जो उच्च अधिकारियों तक सुविधा शुल्क भिजवाते हैं शिकायत के बाद बिल्हौर

कस्बे में मंगलवार को एक बच्चे की मौत हो जाने पर जिले के अधिकारियों कानों में जूं रेंगें और उन्होंने बुधवार को डॉ यू.वी. सिंह और डॉ दिलीप सिंह ने बकोठी गांव में चंपातपुर रोड पर स्थित मां सहाय क्लीनिक जिसको डॉक्टर नागर चलाते हैं उसके कोई कागज ना मिलने पर उसको सीज कर दिया गया है बिल्हौर उत्तरीपुरा में जरूरी कागज और मानक पूरे नहीं कर रहे दो झोलाछाप डॉक्टरों को नोटिस समय गया है वहीं पर छापेमारी की सूचना पर ज्यादातर दुकानें बंद हो गई और वह लोग चले गए वहीं पर लोग झोलाछाप डॉक्टरों का तमाशा देखते रहे कि अधिकारियों के आते ही हड़प्पा मच गया सोशल मीडिया पर ग्रुपों पर लोग लिखते नहीं थके की आखिरकार शक्ति होती तो जो बिल्हौर में एक बच्चे की जान गई है वह न जाती गांव मोहल्ले में आशा बहू सिर्फ गर्भवती महिलाओं पर ही ध्यान देती हैं जहां से दो पैसे मिलने को होते हैं बाकी बीमार बच्चों की सूचना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तक न भेजवाती हैं ना ही उनका इलाज के लिए उनसे कहती हैं सरकारी अस्पताल में जाकर इलाज कराओ। और इस तरह से जो बच्चे की जान जाती हैं उसको बचाया जा सकता है।

बेटी ने मां बाप का किया नाम रोशन, लेखपाल की परीक्षा पास कर नियुक्ति मिली

जन एक्सप्रेस । बिल्हौर ब्यूरो

बिल्हौर तहसील के शिवराजपुर कस्बे में वार्ड नंबर 8 जवाहर नगर में रहने वाली तनु कटियार में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग लखनऊ द्वारा आयोजित लेखपाल चयन परीक्षा 2022 के आधार पर लेखपाल पद पर चयनित कोई है और फर्रुखाबाद जिले के कायमगंज तहसील में नियुक्त मिली है उनके मोहल्ले और नाते रिश्तेदार उनके घर पर बधाई देने वालों का ताता लगा हुआ है बिल्हौर के ब्रह्म नगर निवासी मामा के प्रतिष्ठान कटियार फोटोकॉपी एल आई सी बिल्डिंग के पास कचहरी के अधिवक्ताओं ने पहुंचकर उनको भी मुंह मीठा कराया। इस मौके पर अधिवक्ताओं ने कहा कि जब कोई बच्चा सरकारी नौकरी में आता है तो उसकी नाते रिश्तेदारों में अपार खुशी होती है।

अरौल थाने में तैनात हेड कांस्टेबल अरौल स्टेशन पर ट्रेन से गिरकर घायल

जन एक्सप्रेस । बिल्हौर ब्यूरो

बिल्हौर तहसील क्षेत्र के अरौल थाने में तैनात हेड कांस्टेबल बुधवार को छुट्टी पर घर जाने के लिए निकले थे। अरौल रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पर चढ़ते समय पैर फिसलने से वह गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे उपचार के लिए

अस्पताल पहुंचाया। बिल्हौर सर्किल के अरौल थाने में तैनात हेड कांस्टेबल राजीव कुमार यादव ने अपने घर जाने के लिए छुट्टी ली थी और बुधवार को वह अपने घर जाने के लिए निकले थे। अरौल रेलवे स्टेशन पर चलती हुई ट्रेन पर चढ़ने के प्रयास में उनका पैर फिसल गया। जिससे वह ट्रेन के नीचे आ गिरे और ट्रेन की चपेट में आ गए। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिल्हौर पहुंचाया। जहां डॉक्टरों प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें कानपुर हैलट अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। सिपाही के लगी चोटें और गंभीर रूप से छत विक्षत हुए हांथ की स्थिति को देखते हुए विभागीय अधिकारियों द्वारा उन्हें रीजेंसी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। जहां उनकी हालत अब सामान्य बताई जा रही है। अरौल थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार पाल से फोन पर संपर्क करने के लिए कई बार फोन किया लेकिन उनके फोन पर घंटी बजती रही और उन्होंने फोन नहीं उठाया। बिल्हौर एसीपी अजय त्रिवेदी ने बताया कि बेहतर इलाज अस्पताल में हो रहा है परिजनों को सूचित कर दिया गया है।

ऑस्ट्रिया में मोदी ने यूएनएससी में रिफॉर्म का मुद्दा उठाया, पीएम मोदी को मिला गार्ड ऑफ ऑनर, बोले

मेरा यह दौरा ऐतिहासिक

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री मोदी अपने 2 दिवसीय दौरे पर ऑस्ट्रिया में हैं। रात में गार्ड ऑफ ऑनर से स्वागत के बाद मोदी ऑस्ट्रिया के पीएम आवास पहुंचे। यहां उनका सेरेमोनियल वेलकम हुआ। मोदी ने विजिटर्स बुक में दस्तखत किए। इस दौरान ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर उनके साथ रहे। दोनों ने व्यापार को लेकर चर्चा की। इसके बाद पीएम मोदी ने चांसलर नेहमर के साथ जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। मोदी ने इस मौके पर कहा कि यूक्रेन संकट का समाधान युद्ध के मैदान में नहीं हो सकता। उन्होंने आतंकवाद की भी कड़ी निंदा की। इससे पहले जब प्रधानमंत्री मोदी एयरपोर्ट से होटल रिट्ज-कार्लटन पहुंचे तो वहां उन्होंने भारतवंशियों से मुलाकात की। यहां उनके स्वागत में वंदे मातरम की धुन बजाई गई। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी स्टेट डिनर के लिए ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर से मिलने पहुंचे। नेहमर ने मोदी के साथ सेल्फी ली। पीएम मोदी ने ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा- मुझे खुशी है कि मेरी तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही ऑस्ट्रिया आने का अवसर मिला। मेरी ये यात्रा एतिहासिक और विशेष दोनों है। 41 साल के बाद किसी भारतीय पीएम ने यहां का दौरा किया। ये सुखद संयोग है कि यात्रा उस समय हो रही है जब हमारे आपसी संबंधों को 75 साल पूरे हुए।

ऑस्ट्रियाई चांसलर बोले, यूक्रेन जंग का शांतिपूर्ण समाधान निकले

इससे पहले ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कार्ल नेहमर ने कहा कि भारत ब्रिक्स का फाउंडिंग मेंबर है। ग्लोबल साऊथ का प्रमुख सदस्य है। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है जिसकी आवाज पूरी दुनिया में सुनी जाती है। भारत का भरोसेमंद पार्टनर होने के साथ ऑस्ट्रिया भी यूक्रेन संकट का शांतिपूर्ण हल चाहता है। मोदी ऑस्ट्रिया के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर वान डर बेले से भी मुलाकात करेंगे। वे वियना में भारतीय समुदाय के लोगों को भी संबोधित करेंगे। मोदी 41 साल बाद ऑस्ट्रिया जाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। इससे पहले इंदिरा गांधी 1983 में ऑस्ट्रिया दौरे पर गई थीं।

भारत-ऑस्ट्रिया के बीच मजबूत संबंध: कार्ल नेहमर

वियना में पीएम मोदी के साथ बैठक को संबोधित करते हुए ऑस्ट्रियाई चांसलर कार्ल नेहमर ने कहा, कल रात और आज सुबह हमने यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध पर बात की। मेरे लिए ऑस्ट्रियाई चांसलर के तौर पर भारत के मूल्यांकन को जानना महत्वपूर्ण है। मध्यपूर्व में जारी संघर्ष भी हमारे लिए एक महत्वपूर्ण विषय है। उन्होंने कहा कि भारत और ऑस्ट्रिया के बीच संबंध मजबूत हैं। यह रिश्ता विश्वास का है, जिसकी शुरुआत 1950 के दशक हुई थी। भारत ने ऑस्ट्रिया की मदद की और 1955 में ऑस्ट्रियाई राज्य संधि के साथ वार्ता सकारात्मक निष्कर्ष पर पहुंची।

विदेश विभाग के प्रभारी विजय चौथाईवाले ने पीएम मोदी के दौरे पर प्रतिक्रिया दी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूस और ऑस्ट्रिया दौरे पर विदेश विभाग के प्रभारी विजय चौथाईवाले ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, इस दौरे के दो पहलू हैं। पहला भारत के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना दूसरा, पीएम मोदी को वैश्विक शांति के लिए मायने रखने वाले वैश्विक नेता के रूप में पहचाना जाना। पीएम मोदी को 15 अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं।

ऑस्ट्रिया में मोदी की 5 बड़ी बातें

- हमने आपसी सहयोग और मजूबत करने का खाका तैयार किया है। ये केवल आर्थिक और निवेश तक सीमित नहीं है। हम कई क्षेत्रों में साथ काम करेंगे।
- मैंने पहले भी कहा है कि ये युद्ध का समय नहीं है। समस्याओं का समाधान युद्ध के मैदान में नहीं हो सकता है। मासूमों के जान का नुकसान स्वीकार्य नहीं है।
- भारत और ऑस्ट्रिया शांति और स्थिरता की जल्द से जल्द बहाली के लिए वार्ता और कूटनीति पर जोर देते हैं। इसके लिए हम हर सहयोग देंगे।
- इसके अलावा हमने क्लाइमेट चेंज और आतंकवाद पर भी अपने विचार साझा किए हैं। हमदोनों आतंकवाद की कठोर निंदा करते हैं।
- यूएनएससी और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में बदलाव के लिए सहमत हैं।

स्टार्टअप ब्रिज को मिलेगी रफ्तार

प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा से दोनों देशों के बीच संबंध और गहरे होंगे। वहीं भारत-ऑस्ट्रिया स्टार्टअप ब्रिज को और भी रफ्तार मिलने की संभावना है। स्टार्टअप ब्रिज को इसी साल फरवरी में दोनों देशों ने ऑस्ट्रिया के श्रम और अर्थव्यवस्था मंत्री मार्टिन मार्टिन कोचर की भारत यात्रा के दौरान नई दिल्ली में शुरू किया था। इसका उद्देश्य भारत-ऑस्ट्रिया के बीच स्टार्टअप्स को लेकर ज्ञान और सहयोग को साझा करना है।

रूस ने मोदी को सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया

रूस ने मंगलवार, 9 जुलाई को मॉस्को में पीएम नरेंद्र मोदी को देश का सर्वोच्च सम्मान 'ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल' से नवाजा। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने खुद उन्हें सम्मानित किया। ये सम्मान सबसे बेहतर काम करने वाले नागरिक या फिर सेना से जुड़े लोगों को दिया जाता है। इससे पहले मोदी दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन राष्ट्रपति पुतिन के साथ शिखर वार्ता में भी शामिल हुए। उन्होंने कहा, एक मित्र के तौर पर मैंने हमेशा कहा कि जंग के मैदान से शांति का रास्ता नहीं निकलता है। बम, बंदूक और गोलियों के बीच शांति संभव नहीं होती है। समाधान के लिए वार्ता जरूरी है। पीएम की इस बात के जवाब में पुतिन ने कहा, आप यूक्रेन संकट का जो हल निकालने की कोशिश कर रहे हैं हम उसके लिए आपके आभारी हैं। पीएम ने बातचीत के दौरान आतंकवाद का मुद्दा भी उठाया और कहा कि आतंकवाद हर देश के लिए खतरा बना हुआ है।

खुलासा: अमरावती मंडल में पिछले छह महीने में 557 किसानों ने की आत्महत्या

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

महाराष्ट्र में खेती में हो रहे नुकसान को किसान सहन नहीं कर पा रहे हैं और आर्थिक तंगी से जूझते हुए मौत को गले लगा रहे हैं। सरकार की तरफ से जारी रिपोर्ट के अनुसार सिर्फ अमरावती मंडल में इस साल जनवरी से लेकर जून तक कुल 557 किसानों ने आत्महत्या कर ली है। जानकारी के मुताबिक अमरावती मंडल के पांच जिले अमरावती, अकोला, बुलढाणा, वाशिम और यवतमाल जिलों में 557 किसानों ने अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली है।

किस जिले में कितने किसानों ने की आत्महत्याएं?

अमरावती संभागीय आयुक्त कार्यालय की तरफ से तैयार की गई एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 2024 में जनवरी से जून के बीच संभाग में कुल 557 किसानों ने आत्महत्या की है। इनमें से सबसे अधिक 170 आत्महत्याएं अमरावती जिले में दर्ज की गईं, इसके बाद यवतमाल में 150, बुलढाणा में 111, अकोला में 92 और वाशिम में 34 आत्महत्याएं दर्ज की गईं। रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार ने 53 मामलों में मृतकों के परिवारों को सहायता प्रदान की है, जबकि 284 मामले जांच के लिए लंबित हैं। वहीं राज्य सरकार के वसंतराव नाइक शेतकरी स्वावलंबी मिशन के अध्यक्ष नीलेश हेलोंडे-पाटिल ने कहा कि किसानों की आत्महत्या एक गंभीर मुद्दा है।

कांग्रेस नेता ने केंद्र सरकार से की मांग

सरकारी रिपोर्ट में दर्शाए गए आंकड़ों पर प्रतिक्रिया देते हुए अमरावती लोकसभा सीट से कांग्रेस नेता बलवंत वानखड़े ने कहा कि महाराष्ट्र उन राज्यों में से एक है, जहां किसानों की आत्महत्याओं की संख्या सबसे अधिक है और इस मामले में अमरावती राज्य में सबसे ऊपर है। उन्होंने कहा, कि फसल का नुकसान, पर्याप्त बारिश की कमी, मौजूदा कर्ज का बोझ और समय पर कृषि ऋण का अभाव कुछ प्रमुख कारण हैं, जो किसानों को यह कदम उठाने के लिए मजबूर करते हैं। सरकार को किसानों की आय दोगुनी करने के अपने आश्वासन को पूरा करना चाहिए और उन्हें सहायता प्रदान करनी चाहिए।

सिद्धारमैया पर धांधली की शिकायत

मुआवजा पाने के लिए फर्जी डॉक्युमेंट्स बनाने का आरोप, पत्नी और साला समेत 10 लोग शामिल

✳ अधिग्रहण के बदले लैंड ओनर्स को 50 प्रतिशत जमीन किसी विकसित लोकेशन पर दिया जाएगा

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। मैसूरु

मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण से मुआवजे के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार करने के आरोप में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और नौ अन्य के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है। सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने सिद्धारमैया, उनकी पत्नी पार्वती, साले मल्लिकार्जुन स्वामी, जमींदार देवराज और छह अन्य के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में डिप्टी कमिश्नर, तहसीलदार, डिप्टी रजिस्ट्रार और मुदा अधिकारियों के भी शामिल होने का आरोप लगाया गया है। पुलिस शिकायत के अलावा कृष्णा ने कर्नाटक के राज्यपाल, राज्य के मुख्य सचिव और राजस्व विभाग के प्रधान सचिव को भी पत्र लिखकर अनियमितताओं की जांच की मांग की है। आरोप है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उनकी पत्नी और रिश्तेदारों ने मुदा अधिकारियों के साथ मिलकर 50-50 साइट वितरण योजना के तहत महंगी साइट्स को धोखाधड़ी से हासिल करने के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार किए हैं।

क्या है 50-50 अनुपात भूमि आवंटन योजना

ये योजना कर्नाटक में पिछली भाजपा

और वर्तमान कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान लागू की गई थी। भूमि आवंटन में विवाद इस कारण सुर्खियों में है क्योंकि कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया की पत्नी 2021 में मुदा की इस स्कीम में एक लाभार्थी थीं। दरअसल इस स्कीम के तहत, मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण किसी भूमि पर आवासीय लेआउट विकसित करने के लिए भूमि अधिग्रहण कर सकेगी। अधिग्रहण के बदले लैंड ओनर्स को 50 प्रतिशत जमीन किसी विकसित लोकेशन पर दिया जाएगा। लेकिन इस स्कीम पर बढ़ते विवाद के चलते 2023 में शहरी विकास मंत्री बैराठी सुरेश ने वापस ले लिया था।

कब और क्या आरोप लगे?

केंद्र में भाजपा की सहयोगी जनता दल सेक्युलर के नेता और केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने दावा किया है कि मैसूर में वैकल्पिक भूमि आवंटन योजना को लेकर विवाद कांग्रेस पार्टी में सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के बीच सीएम पद के लिए खींचतान का परिणाम है। भूमि आवंटन घोटाले का खुलासा एक आरटीआई एक्टिविस्ट ने करते हुए कहा कि, पिछले चार वर्षों में 50-50 योजना के रूप में जानी जाने वाली योजना के तहत 6,000 से अधिक साइटें आवंटित की गई हैं। इस योजना के तहत, जिन लैंड ओनर्स की भूमि मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा अधिग्रहित की गई है, उन्हें मुआवजे के रूप में अधिक मूल्य की वैकल्पिक साइटें आवंटित की गई हैं। ऐसे आरोप हैं कि मैसूर में जिन लोगों की जमीन नहीं गई, उन्हें भी इस योजना के तहत अधिक मूल्य की वैकल्पिक साइटें दी गईं।

घोटाले की जांच की मांग की गई

5 जुलाई को एक्टिविस्ट कुरुबरा शांथकुमार ने गवर्नर को चिट्ठी लिखते हुए कहा कि- मैसूर के डिप्टी कमिश्नर ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण को 8 फरवरी 2023 से 9 नवंबर 2023 के बीच 17 पत्र लिखे हैं और 27 नवंबर को शहरी विकास प्राधिकरण, कर्नाटक सरकार को 50-50 अनुपात घोटाले और मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण कमिश्नर के खिलाफ जांच के लिए लिखा था। इसके बावजूद, मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण के कमिश्नर ने कानून के डर के बिना हजारों साइटों को आवंटित किया। ऐसे में अब इस कथित घोटाले को लेकर भाजपा मौजूदा कर्नाटक सरकार पर हमलावर है।

सीबीआई जांच के लिए राज्य सरकार की सहमति जरूरी: सुप्रीम कोर्ट

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में सीबीआई जांच के खिलाफ ममता सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में 1 मई को याचिका लगाई थी। कोर्ट ने 8 मई को फैसला सुरक्षित रख लिया था। आज यानी 10 जुलाई को कोर्ट ने याचिका को सुनवाई योग्य माना। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने केंद्र सरकार की उस दलील को खारिज कर दिया कि, यह अर्जी सुनवाई योग्य नहीं है। कोर्ट ने कहा- बंगाल सरकार ने कानूनी पहलू उठाया है जिस पर विचार किया जाना चाहिए। कोर्ट इस मामले पर 13 अगस्त को अगली सुनवाई करेगा। इसके साथ ही बेंच ने कहा कि, जब राज्य सरकार ने सीबीआई जांच के लिए दी गई अपनी परमीशन को वापस ले लिया तो फिर एजेंसी वहां के मामलों में केस क्यों दर्ज कर रही है। बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में संविधान के आर्टिकल 131 का हवाला देते हुए याचिका दाखिल की है।

एक हफ्ते में शंभू बॉर्डर खुलवाए हरियाणा सरकार: हाईकोर्ट

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

फरवरी से पंजाब हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन पर बुधवार को पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट ने बड़ा आदेश दिया। हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार को आदेश दिया है कि शंभू बॉर्डर पर की गई बैरिकेडिंग एक हफ्ते में खुलवाई जाए। इस दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी हरियाणा और पंजाब दोनों सरकारों की होगी। वहीं आंदोलनकारी किसान प्रशासन की तरफ से चिन्हित जगहों पर आंदोलन कर सकते हैं। हाईकोर्ट ने किसानों को कानून व्यवस्था बनाए रखने की नसीहत भी दी। कोर्ट ने कहा कि अब शंभू बॉर्डर पर महज 500 प्रदर्शनकारी हैं, इस लिए अब यह हाईवे खोला जा सकता है। यह हाईवे पिछले पांच महीने से बंद है इसे अब और बंद नहीं रखा जा सकता है। वहीं शुभकरण की मौत मामले में एफएसएल की रिपोर्ट भी हाईकोर्ट में पेश की गई। रिपोर्ट के अनुसार शुभकरण के सिर पर शॉट गन की गोली का जख्म लगा है। इस पर कोर्ट ने झज्जर के पुलिस कमिश्नर की अध्यक्षता में एसआसईटी बना जांच के आदेश दे दिए हैं।

खुश किसान बोले-दिल्ली जाएंगे

वहीं हाईकोर्ट के आदेश के बाद शंभू बॉर्डर पर किसानों की तरफ चहलकदमी बढ़ गई है। किसानों के चेहरे पर खुशी नजर आ रही है। किसान नेताओं का कहना है कि अगर बॉर्डर खुलता है तो वह दिल्ली जाएंगे। वहीं अंबाला प्रशासन का कहना है कि अभी उनके पास आदेश की कॉपी नहीं पहुंची है। अंबाला के व्यापारी संगठनों को भी हाईकोर्ट के आदेश की कापी का इंतजार है।

हाईकोर्ट के वकील ने दायर की थी जनहित याचिका

हाईकोर्ट के एडवोकेट वासु रंजन शांडिल्य ने शंभू बॉर्डर खुलवाने के लिए हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की थी। शांडिल्य ने बताया कि पांच महीने से नेशनल हाईवे 44 बंद है। इससे अंबाला के दुकानदार, व्यापारी, छोटे बड़े रेहड़ी फड़ी वाले भुखमरी के कगार पर आ गए हैं। याचिका में मांग की गई थी कि शंभू बॉर्डर को तुरंत प्रभाव से खोलने के आदेश दिए जाएं। शांडिल्य ने याचिका में पंजाब व हरियाणा सरकार सहित किसान नेता स्वर्ण सिंह पंधेर व जगजीत सिंह डल्लेवाल को भी पार्टी बनाया है।

एनएचएआई को 108 करोड़ से अधिक का नुकसान

शंभू बॉर्डर पर किसानों के आंदोलन के कारण भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को 108 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हो चुका है। 13 फरवरी 2024 को किसान आंदोलन के कारण शंभू टोल प्लाजा को बंद किया गया था। तब से अभी तक अंबाला लुधियाना राजमार्ग शुरू नहीं हो सका है।

मुंबई हिट-रन केस: आरोपी मिहिर के पिता को शिवसेना ने पद से हटाया, शिंदे की कार्रवाई, पीड़ित को मिलेगा मुआवजा

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। मुंबई

महाराष्ट्र में मुंबई के वर्ली में हिट एंड रन मामले ने अब राजनीतिक मोड़ ले लिया है। कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सरकार पर आरोपी को बचाने और इस मामले को दबाने का आरोप लगाया। इस मामले के मुख्य आरोपी मिहिर शाह के पिता राजेश शाह

एकनाथ शिंदे की शिवसेना में पदस्थ नेता थे। इस घटना के बाद बुधवार को शिवसेना ने इस मामले में एक बड़ा फैसला लेते हुए राजेश शाह को पार्टी के उपनेता पद से हटा दिया। सीएम शिंदे के आदेश के बाद ही उन्हें पद से हटाया गया है। इस मामले में शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे ने पीड़ित महिला कावेरी नखवा के पति प्रदीप नखवा से मुलाकात की। इस बीच सरकार ने पीड़ित के लिए 10 लाख रुपये के मुआवजे का भी एलान किया है। मुंबई के वर्ली इलाके में रविवार को एक तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार ने एक स्कूटर को टक्कर मार दी थी। इस घटना में एक महिला की मौत हो गई। कार मिहिर शाह चला रहा था। पुलिस को शक है कि मिहिर घटना के समय नशे में था। आरोपी अभी फरार है। उसे ढूंढने के लिए लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया गया है। पुलिस ने बताया कि मिहिर शाह ने घटना वाली रात जुहू के एक बार में शराब पी थी। घर जाते समय उसने चालक से उसे लॉन्ग ड्राइव पर ले जाने को कहा। कार वर्ली आई तो मिहिर ने जोर देकर कहा कि वाहन को वह चलाएगा। इसके बाद तेज रफ्तार कार ने कुछ देर बाद एक दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी।

अंतरराष्ट्रीय किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट का भंडाफोड़, डॉक्टर समेत सात आरोपी गिरफ्तार

✳ बांग्लादेश से आते थे किडनी डोनर और खरीदार, भारत में ऑपरेशन

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की टीम ने अंतर्राष्ट्रीय किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने एक नामी महिला डॉक्टर समेत सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई महिला डॉक्टर एक बड़े अस्पताल में काम करती है। आरोपी डोनर को साढ़े तीन लाख रुपये देते थे और प्राप्तकर्ता से 20 से 22 लाख रुपये लेते थे। बताया जा रहा है कि किडनी रैकेट तीन वर्ष से ज्यादा समय से चल रहा था। चलिए आपको हम बताते हैं कि यह पूरा गिरोह किस तरह से काम करता था। किडनी का गैरकानूनी धंधा बांग्लादेश व भारत में बड़े पैमाने पर

मकान में ही नकली कागजात तैयार किए जाते थे

गिरोह के सदस्य किडनी डोनर व प्राप्तकर्ता के नकली कागजात किराये के मकान में तैयार करते थे। ये किडनी डोनर व प्राप्तकर्ता के बीच आपस में रिश्तेदार होने के कागजात बनाते थे। कागजात तैयार होने के बाद किडनी डोनर व प्राप्तकर्ता के दिल्ली के प्रतिष्ठित प्राइवेट अस्पताल में टेस्ट होते थे। टेस्ट होने के बाद ये नोएडा के अस्पतालों में प्रत्यारोपण कराते थे। किडनी प्रत्यारोपण के करीब-करीब सभी ऑपरेशन इन्हीं दोनों अस्पतालों में हुए हैं।

डॉ. डी विजय कुमारी ने किए हैं सभी ऑपरेशन

अपराध शाखा के पुलिस अधिकारियों के अनुसार नोएडा के इन दोनों की अस्पतालों में किडनी प्रत्यारोपण डॉ. डी विजया कुमारी ने किए हैं। वह अपने सहायक विक्रम के जरिए ही इस गिरोह के संपर्क में आई थीं। वह पिछले चार सालों से इस गिरोह के लिए काम कर रहे हैं।

पैसे का खेल ऐसे चलता था

- 4.5 लाख टका गिरोह के सदस्य किडनी देने वाले को देते थे।
- 20 से 22 लाख प्राप्तकर्ता से लेते थे।
- 4 लाख डॉ. डी विजया कुमारी की पूरी टीम को मिलते थे।
- 1 लाख डॉ. डी विजया कुमारी अपने हिस्से के रूप में लेती थी।
- 4 लाख उस अस्पताल को दिए जाते थे जिनमें किडनी बदली जाती थी।
- 10 लाख गिरोह के लोग अपने पास रख लेते थे।

फैला हुआ है। गिरोह चार साल में करीब 500 लोगों की किडनी गैरकानूनी तरीके से प्रत्यारोपित कर चुके हैं। इसका खुलासा किडनी रैकेट के पर्दाफाश के बाद हुआ। किडनी बदलने के दौरान चार लोगों की जान भी जा चुकी है। किडनी प्रत्यारोपण अधिकतर नोएडा के यथार्थ व अपोलो में अस्पताल हुए हैं। दिल्ली के एक बड़े प्रतिष्ठित अस्पताल में केवल टेस्ट व जांच होती थीं। अपराध शाखा के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि गिरोह बांग्लादेश में ज्यादा सक्रिय था। गिरोह के सदस्य गरीब लोगों को भारत में नौकरी दिलाने के बहाने दिल्ली ले आते थे। भारत में उन्हें जसोला में किराए पर मकान लेकर या फिर गेस्ट हाउस में रखते थे। इसके बाद ये उन लोगों का पासपोर्ट जब्त कर लेते थे। इसके बाद गरीब बांग्लादेशियों पर किडनी डोनेट करने का दबाव बनाते थे। उनसे कहा जाता था कि नौकरी तभी मिलेगी जब आप किडनी बेचोगे। इसकी एवज में उन्हें पैसे का भी लालच दिया जाता था। मजबूरन पीड़ित किडनी देने को तैयार हो जाता था। दूसरी तरफ ये बांग्लादेशियों के डायलिसिस अस्पतालों पर नजर रखते थे। वहां जरूरतमंदों से संपर्क साधते थे। ये किडनी प्राप्तकर्ता को भारत ले आते थे।

आरोपी बांग्लादेश के अस्पतालों पर रखते थे नजर

आरोपियों ने पूछताछ के दौरान बताया कि गिरोह के सदस्य बांग्लादेश में डायलिसिस केंद्रों पर जाकर किडनी की बीमारी से पीड़ितों को निशाना बनाते थे। ये किडनी डोनर भी बांग्लादेश में ही ढूंढते थे। डोनर को भारत लाया जाता था और फिर पासपोर्ट जब्त कर उन्हें किडनी देने के लिए मजबूर किया जाता था। इसके बाद आरोपी रसेल और इफ्ति अपने सहयोगियों मोहम्मद सुमन मियां, मोहम्मद रोकन उर्फ राहुल सरकार और रतेश पाल के माध्यम से प्राप्तकर्ताओं/डोनर के बीच संबंध दिखाने के लिए जाली दस्तावेज तैयार करते थे। जाली दस्तावेज के आधार पर अस्पतालों से प्रारंभिक चिकित्सा जांच कराते थे। इसके बाद दिल्ली व नोएडा के अस्पतालों में किडनी ट्रांसप्लांट करवाते थे। जांच के दौरान यह पाया गया कि डॉ. डी. विजया राजकुमारी का निजी सहायक विक्रम सिंह रोगियों की फाइलें तैयार करने में सहायता करता थे और रोगी और डोनर का हलफनामा तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता था। विक्रम सिंह आरोपियों से प्रति मरीज 20000 लेता था। रसेल ने अपने एक सहयोगी के रूप में मोहम्मद शारिक का नाम भी बताया। मोहम्मद शारिक डॉ. डी. विजया राजकुमारी से मरीजों का अपॉइंटमेंट लेता था और पैथोलॉजिकल टेस्ट करवाता था और डॉक्टर की टीम से संपर्क करता था। मोहम्मद शारिक प्रति मरीज 5000 से 60000 लेता था। दो आरोपी व्यक्तियों विक्रम सिंह और मोहम्मद शारिक को 23 जून को गिरफ्तार कर लिया।

मरीज से खुद पैसे लेती थी डॉ. विजया

दिल्ली के एक नामचीन निजी अस्पताल में कंस्लटेंट रही डॉ. डी विजया कुमारी का पैसे लेने का तरीका भी अलग था। पुलिस ने उसके दो बैंक खातों का पता लगा है। पीएनबी के खाते में 10 लाख रुपये से ज्यादा और दूसरे खाते में दो लाख रुपये से ज्यादा मिले हैं। दिल्ली पुलिस डॉ. डी विजया कुमारी के दोनों बैंक खातों की पिछले कई सालों की डिटेल खंगाल रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार नोएडा के एक अस्पताल से उसके सहायक विक्रम के बैंक खाते में पैसे आते थे। डॉक्टर के बैंक खाते में 90 हजार से एक लाख रुपये आते थे, जबकि नोएडा के ही दूसरे अस्पताल में वह मरीज से खुद पैसे लेती थी। इसके बाद वह सभी को पैसे बांटती थी। वह अपनी पूरी टीम के साढ़े तीन लाख से चार लाख रुपये रख लेती थी। अस्पताल को एक किडनी प्रत्यारोपण का चार लाख रुपये दिया जाता था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक: अरुण कुमार त्रिपाठी द्वारा ए0वी0बी0 रेप्रोग्राफिक्स, ए-59, इंडस्ट्रियल एस्टेट, ताल कटोरा, लखनऊ से मुद्रित तथा अय्यूब कॉम्प्लेक्स, 82/68, गुरु गोविन्द सिंह मार्ग, लखनऊ पिन-226004, उ0प्र0 से प्रकाशित। संपादक: अरुण कुमार त्रिपाठी, (प्रबंध संपादक- मनोज तिवारी) (नेशनल हेड: कमलेश फाइटर) आर.एन.आई. पंजीयन संख्या : UPHIN/2009/30003, फोन नं.: 0522-4330955 मोबाइल नं. 8933805555, (नोट: सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ स्थित न्यायालय होगा।)